

ज्योतिष्मती कालदर्पण पंचाङ्ग

सोलन

हिमाचल प्रदेश 173212

आद्य सम्पादक - स्व. श्री हरदेव शर्मा त्रिवेदी-ज्योतिषाचार्य

सम्पादक – Er. श्री सुधाकर शर्मा त्रिवेदी
सह सम्पादक – रोहिताश्व त्रिवेदी



राष्ट्रीय शाके १९३८	विक्रम संवत् २०७४
श्री सौम्यनाम संवत्सरे क्रम-४४ बंगला सन् १४२३ फसली। बंगला पौष मास, ता. १४ से माघ प्रा. तथा प्रविष्ठा गते तारीख १ प्रारंभ।	(मास :- पौष सुदी ३ से माघ सुदी ४ तक) ऋतुचर्या-शिशिर ऋतुः कालांश - परम शीतकाल

जनवरी 2017

रवि SUN	मु.२ श्रवण रा.११ पौष सुदी ३ यतींद्रसूरिश्वर पु.ति. १ **1**	मु ९. भरणी रा.१८ पौष सुदी १०/११ पुत्रदा एकादशी ८ **8**	मु.१६ मघा रा.२५ माघ वदी ३ थलसेना दिवस चतुर्थी व्रत १५ **15**	मु.२३ विशाखा रा.२ माघ वदी १० २२ **22**	मु.३० धनिष्ठा रा.६ माघ सुदी २ श्रीयादे जं., पंचक प्रा. चन्द्रदर्शन २९ **29**
सोम MON	मु.३ धनिष्ठा रा.१२ पौष सुदी ४ पंचक प्रा. २ **2**	मु.१० कृतिका रा.१९ पौष सुदी १२ ९ **9**	मु.१७ पूर्वाफाल्गुनी रा.२६ माघ वदी ४ १६ **16**	मु.२४ अनुराधा रा.३ माघ वदी ११ नेताजी सुभाष जं. षट्तिला एकादशी श्रवण रवि २३ **23**	मु.१ रा.१० माघ सुदी ३ जमादि-उल-अव्वल गांधी पु.ति. गौरी तीज शहीद दि. ३० **30**
मंगल TUE	मु.४ शतभिषा रा.१३ पौष सुदी ५ ३ **3**	मु.११ रोहिणी/मृगशिरा रा.२० पौष सुदी १३ उत्तराषाढ़ा रवि प्रदोष 11वीं शरीफ मु. १० **10**	मु.१८ उत्तराफाल्गुनी रा.२७ माघ वदी ५ १७ **17**	मु.२५ ज्येष्ठा रा.४ माघ वदी १२ २४ **24**	मु.२ रा.११ माघ सुदी ४ वरद विनायक तिल चतुर्थी ३१ **31**
बुध WED	मु.५ पूर्वाभाद्रपद रा.१४ पौष सुदी ६ ४ **4**	मु.१२ आर्द्रा रा.२१ पौष सुदी १४ लालबहादुर शास्त्री पु.ति. ११ **11**	मु.१९ हस्त रा.२८ माघ वदी ६ १८ **18**	मु.२६ मूल रा.५ माघ वदी १३ मेरूत्रयोदशी प्रदोष २५ **25**	**अवकाश** 1 नववर्ष (ऐच्छिक) 14 द्वितीय शनि 5 गुरु गोविन्दसिंह जं. 26 गणतन्त्र दिवस 68 वाँ
गुरु THU	मु.६ उत्तराभाद्रपद रा.१५ पौष सुदी ७ गुरु गोविन्द सिंह जं. ५ **5**	मु.१३ पुनर्वसु रा.२२ पौष सुदी १५ पूर्णिमा युवा दिवस विवेकानंद जं. शाकंभरी जं. १२ **12**	मु.२० चित्रा रा.२९ माघ वदी ७ रामानन्दाचार्य जं. १९ **19**	मु.२७ पूर्वाषाढ़ा रा.६ माघ वदी १४ गणतंत्र दिवस मास शिवरात्रि शनि धनु में २६ **26**	**पुष्य नक्षत्र** १३ जनवरी, भृगु पुष्य
शुक्र FRI	मु.७ रेवती रा.१६ पौष सुदी ८ पंचक समाप्त ६ **6**	मु.१४ पुष्य रा.२३ माघ वदी १ लोहडी पर्व १३ **13**	मु.२१ स्वाति रा.३० माघ वदी ८ अभिजीत रवि २० **20**	मु.२८ उत्तराषाढ़ा रा.७ माघ वदी ३० मौनी अमावस्या २७ **27**	**पंचक नक्षत्र वेला** २ जनवरी से पंचक प्रा. प्रातः ४।३० से ६ जनवरी को पंचक समा. दिवा ३।४६ तक २९ जनवरी को पंचक प्रा. प्रातः १०।५४ से
शनि SAT	मु.८ अश्विनी रा.१७ पौष सुदी ९ आचार्य जिनानंद सागर पु.ति. ७ **7**	मु.१५ आश्लेषा रा.२४ माघ वदी २ मकर सक्रांति १४ **14**	मु.२२ स्वाति रा.१ माघ वदी ९ रा. माघ प्रा. २१ **21**	मु.२९ श्रवण रा.८ माघ सुदी १ गुप्त नवरात्रि प्रा. बल्लभाचार्य जं. २८ **28**	**अमृतसिद्धि योग** ६, १२, १३ **सर्वार्थसिद्धि योग** ५, ६, ७, ९, १०, १२, १३, १८, १९, २१, २३, २७, २८, ३१

अचलेश्वर, 9829253642

संवत् 2074 के विवाहादि मुहूर्त

समय शुद्धि - यहां अश्विनी, चित्रा, श्रवण, धनिष्ठा नक्षत्रों में भी विवाह मुहूर्त्त लगाये गये है। क्योंकि पारस्कर गृहसूत्र में इन नक्षत्रों को विवाह में ग्रह्य माना है। इस वर्ष विवाह मुहूर्त्त निर्णय हेतु उपयोगी वर-कन्या की त्रिबल शुद्धि सारणी भी दी गई है। इसमें 12वांचन्द्रमा ग्राह्य माना गया है। इस सारणी में पंजाब व द्विगर्त देशों के विवाह मुहूर्त्त अलग दिये गये हैं। विवाह मुहूर्तों के निर्णय में लात, पात, युति, वेध दग्धा तिथि, पाप कर्तरी आदि दोषों का परिहार मिला हैं। वे विवाहादि मुहूर्त्त लगाये गये है। यहां महापात दोष सूक्ष्म गणित द्वारा निर्णय किया गया है। इस वर्ष गुरु शुक्रास्त का दोष वृद्ध-वाल्यत्व काल सहित 9 अक्टूबर 2017 से 9 नवम्बर 2017 तक तथा 11 दिसम्बर 2017 से 4 फरवरी 2018 तक है। अतः इस अवधि में विवाहआदि शुभ मुहूर्तों के अभाव है। यहां गुरु, शुक्र के उदयोस्तों की गणना सूक्ष्म उन्नतांश पद्धति द्वारा की गई है। अतः इन सब का विचार विवाह आदि मुहूर्तों में किया गया है। गुरु, शुक्र में से यदि एक ग्रह उदित हो तथा दूसरा ग्रह बाल्यावस्था में हो तो शुभ कर्म करना दोषपूर्ण नहीं होता। 23 फरवरी 2018 से 23 मार्च 2018 तक होलाष्टक होने के कारण विवाह मुहूर्त्त शुभ नहीं है। 7 व 8 अगस्त 2017 और 31 जनवरी 2018 को ग्रहण वेद्य के कारण मुहूर्त्त नहीं है।

18 अप्रै	मंगल	चैत्र कृ 7	वैशा 6	उषा	धनु/मक	मेष	9–1111111011	22:10–29:52	8(22:10बाद), 9, 10, 11, 12, 1
19 अप्रै	बुध	चैत्र कृ 8	वैशा 7	उषा	मक	मेष	9–1111111011	05:52–24:20	1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9(24:20तक)
28 अप्रै	शुक्र	वैशा शु 2	वैशा 16	रोहि	वृष	मेष	9–110मं1111111	13:39–29:42	5(13:39बाद), 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 1
29 अप्रै	शनि	वैशा शु 3	वैशा 17	रोहि	वृष	मेष	9–110मं1111111	05:42–10:56	1, 2(08:26तक), 4(10:50बाद)(10:56तक)
				मृग	वृष/मिथु	मेष	10–1111111111	10:56–29:41	4(10:56बाद), 5, 6(17:15तक), 12(27:40बाद), 1
30 अप्रै	रवि	वैशा शु 5	वैशा 18	मृग	मिथु	मेष	10–1111111111	05:41–08:33	1, 2, 3(08:33तक)
4 मई	गुरु	वैशा शु 9	वैशा 22	मघा	सिंह	मेष	8–110रा10के11111	14:38–29:02	5(14:38बाद), 6, 7, 8, 9(29:02तक)
6 मई	शनि	वैशा शु 11	वैशा 24	उफा	सिंह/कन्या	मेष	9–1111110111	06:09–29:36	1(06:09बाद), 8(20:30बाद), 9, 10, 11, 12, 1
7 मई	रवि	वैशा शु 12	वैशा 25	उफा	कन्या	मेष	10–1111111111	05:36–07:44	1, 2(07:44तक)
				हस्त	कन्या	मेष	5–0सू00गु0शु0शु11111	07:44–29:35	2(07:44बाद), 3, 4, 5(14:12तक), 8(20:41बाद), 9, 10, 11, 12, 1
8 मई	सोम	वैशा शु 13	वैशा 26	हस्त	कन्या	मेष	6–0सू00गु0शु0शु11111	05:35–09:43	1, 2, 3(09:43तक)
				चित्रा	कन्या/तुला	मेष	9–1111110111	09:43–29:34	3(09:43बाद), 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 1
9 मई	मंगल	वैशा शु 14	वैशा 27	चित्रा	तुला	मेष	10–1111111111	05:34–12:10	1, 2, 3, 4(12:10तक)
				स्वाति	तुला	मेष	8–11110बु11011	12:10–15:34	4(12:10बाद), 5, 6(15:34तक)
11 मई	गुरु	वैशा कृ 1	वैशा 29	अनु	वृश्चि	मेष	7–11110सू10011	29:21–29:32	1(29:21बाद)
12 मई	शुक्र	वैशा कृ 2	वैशा 30	अनु	वृश्चि	मेष	7–11110सू10011	05:32–20:12	1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8(20:12तक)
16 मई	मंगल	वैशा कृ 5	ज्ये 3	उषा	मक	वृष	9–1111111011	24:44–27:44	10(24:44बाद), 11, 12(27:44तक)
21 मई	रवि	वैशा कृ 10	ज्ये 8	उभा	मीन	वृष	6–0श110गु110011	16:42–27:49	7(17:00तक), 9(22:46बाद), 10, 11, 12, 1, 2
22 मई	सोम	वैशा कृ 11	ज्ये 9	उभा	मीन	वृष	7–0श110गु111011	05:27–10:10	2, 3, 4(10:10तक)
				रेवती	मीन	वृष	7–110शु10गु11011	10:10–25:29	4(10:10बाद), 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 1, 2
23 मई	मंगल	वैशा कृ 12	ज्ये 10	रेवती	मीन/मेष	वृष	7–110शु10गु11011	05:27–07:36	2, 3(07:36तक)
				अश्वि	मेष	वृष	9–110बु1111111	09:12–12:03	4(09:12बाद), 5(12:03तक)
26 मई	शुक्र	ज्ये शु 1	ज्ये 13	मृग	वृष	वृष	9–110मं1111111	21:18–25:33	9(21:18बाद), 10, 11, 12, 1, 2
27 मई	शनि	ज्ये शु 2	ज्ये 14	मृग	वृष/मिथु	वृष	9–110मं1111111	05:25–18:07	2, 3, 4, 5, 6(14:40तक), 7(18:07तक)
31 मई	बुध	ज्ये शु 6	ज्ये 18	मघा	सिंह	वृष	6–110रा10के10011	12:01–23:40	5(12:01बाद), 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 1, 2
1 जून	गुरु	ज्ये शु 7	ज्ये 19	मघा	सिंह	वृष	7–110रा10के11011	05:24–06:20	2
2 जून	शुक्र	ज्ये शु 8	ज्ये 20	उफा	सिंह/कन्या	वृष	9–1111110111	12:01–21:42	5(12:01बाद), 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 1, 2
3 जून	शनि	ज्ये शु 9	ज्ये 21	उफा	कन्या	वृष	10–1111111111	05:23–13:26	2, 3, 4, 5, 6(13:26तक)
				हस्त	कन्या	वृष	8–110गु1111011	13:26–17:25	6(13:26बाद), 7(17:25तक)
5 जून	सोम	ज्ये शु 11	ज्ये 23	चित्रा	तुला	वृष	10–1011111111	09:43–17:47	4(09:43बाद), 5, 6, 7, 8(17:47तक)
				स्वाति	तुला	वृष	8–0सू1110शु11111	17:47–22:13	8(17:47बाद), 9, 10(22:13तक)
6 जून	मंगल	ज्ये शु 12	ज्ये 24	स्वाति	तुला	वृष	8–0सू1110शु11111	10:35–20:27	4(10:35बाद), 5, 6, 7, 8, 9(20:27तक)
7 जून	बुध	ज्ये शु 13	ज्ये 25	अनु	वृश्चि	वृष	8–11110बु11011	23:18–27:06	10(23:18बाद), 11, 12, 1, 2
8 जून	गुरु	ज्ये शु 14	ज्ये 26	अनु	वृश्चि	वृष	8–11110बु11011	05:23–16:17	2, 3, 4, 5, 6, 7(16:17तक)
17 जून	शनि	ज्ये कृ 8	आषा 3	उभा	मीन	मिथु	6–0बुश110गु111010	18:47–24:47	8(18:47बाद), 9, 10, 11, 12(24:47तक)
18 जून	रवि	ज्ये कृ 9	आषा 4	उभा	मीन	मिथु	7–0बुश110गु111011	06:44–18:29	3(06:44बाद), 4, 5, 6, 7, 8(18:29तक)
				रेवती	मीन	मिथु	8–11110गु11011	18:29–27:17	8(18:29बाद), 9, 10, 11, 12, 1, 2, 3
19 जून	सोम	ज्ये कृ 10	आषा 5	रेवती	मीन/मेष	मिथु	8–11110गु11011	05:24–14:20	3, 4, 5, 6(14:20तक)
				अश्वि	मेष	मिथु	8–1111110011	25:12–14:20	12(25:12बाद), 1, 2, 3
27 जून	मंगल	आषा शु 4	आषा 13	मघा	सिंह	मिथु	6–110रा10के10011	20:46–28:23	10(20:46बाद), 11, 12, 1, 2, 3
28 जून	बुध	आषा शु 5	आषा 14	मघा	सिंह	मिथु	6–110रा10के10011	05:26–19:17	3, 4, 5, 6, 7, 8, 9(19:17तक)
30 जून	शुक्र	आषा शु 7	आषा 16	उफा	कन्या	मिथु	9–1011111011	05:52–18:01	3(05:52बाद), 4, 5, 6, 7, 8(18:01तक)
1 जुला	शनि	आषा शु 8	आषा 17	हस्त	कन्या	मिथु	7–110गु1111010	17:15–21:50	8(17:15बाद), 9, 10(21:50तक)
				चित्रा	कन्या	मिथु	9–1111110111	21:50–29:13	10(21:50बाद), 11, 12, 1, 2, 3
2 जुला	रवि	आषा शु 9	आषा 18	चित्रा	कन्या/तुला	मिथु	10–1111111111	05:27–24:00	3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12(24:00तक)
				स्वाति	तुला	मिथु	9–1111111011	24:00–27:05	12(24:00बाद), 1, 2, 3
3 जुला	सोम	आषा शु 10	आषा 19	स्वाति	तुला	मिथु	9–1111111011	05:28–26:35	3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 1, 2(26:35तक)
11 नव	शनि	कार्ति कृ 8	कार्ति 26	मघा	सिंह	तुला	8–11110के11011	12:31–30:42	10(12:31बाद), 11, 12, 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7
12 नव	रवि	कार्ति कृ 9	कार्ति 27	मघा	सिंह	तुला	8–11110के11011	06:42–11:32	7, 8, 9, 10(11:32तक)
13 नव	सोम	कार्ति कृ 10	कार्ति 28	उफा	कन्या	तुला	7–0बु011110011	23:59–30:43	4(23:59बाद), 5, 6, 7
14 नव	मंगल	कार्ति कृ 11	कार्ति 29	उफा	कन्या	तुला	7–0बु011110011	06:43–12:43	7, 8, 9, 10(12:43तक)
19 नव	रवि	मार्ग शु 1	मार्ग 4	अनु	वृश्चि	वृश्चि	9–0रा111111111	19:15–21:57	3(19:15बाद), 4(21:57तक)
23 नव	गुरु	मार्ग शु 5	मार्ग 8	उषा	धनु/मक	वृश्चि	8–1011111011	06:59–30:51	8(06:59बाद), 9, 10, 11, 12, 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8
24 नव	शुक्र	मार्ग शु 6	मार्ग 9	उषा	मक	वृश्चि	9–1011111011	06:51–10:03	8, 9(10:03तक)
				श्रवण	मक	वृश्चि	10–1111111111	10:03–30:52	9(10:03बाद), 10, 11, 12, 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8
25 नव	शनि	मार्ग शु 6	मार्ग 10	श्रवण	मक	वृश्चि	10–1111111111	06:52–12:48	8, 9, 10, 11(12:48तक)
28 नव	मंगल	मार्ग शु 9	मार्ग 13	उभा	मीन	वृश्चि	6–0श111110010	17:21–30:55	2(17:21बाद), 3, 4, 5, 6, 7, 8
29 नव	बुध	मार्ग शु 10	मार्ग 14	उभा	मीन	वृश्चि	7–0श111111010	06:55–17:12	8, 9, 10, 11, 12, 1, 2(17:12तक)
				रेवती	मीन	वृश्चि	10–1111111111	17:12–22:15	2(17:12बाद), 3, 4(22:15तक)
30 नव	गुरु	मार्ग शु 11	मार्ग 15	अश्वि	मेष	वृश्चि	8–0सू0110मं11111	19:55–30:57	3(19:55बाद), 4, 5, 6, 7, 8
1 दिस	शुक्र	मार्ग शु 12	मार्ग 16	अश्वि	मेष	वृश्चि	8–0सू0110मं11111	06:57–14:28	8, 9, 10, 11, 12(14:28तक)
3 दिस	रवि	मार्ग पू.	मार्ग 18	रोहि	वृष	वृश्चि	8–11110शु11011	11:09–30:59	10(11:09बाद), 11, 12, 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8
4 दिस	सोम	मार्ग कृ 1	मार्ग 19	मृग	वृष/मिथु	वृश्चि	7–10110सू11011	06:59–27:20	8, 9, 10, 11, 12, 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7(27:20तक)
9 दिस	शनि	मार्ग कृ 7	मार्ग 24	मघा	सिंह	वृश्चि	8–10110के10111	14:11–17:41	12(14:11बाद), 1, 2(17:41तक)
10 दिस	रवि	मार्ग कृ 8	मार्ग 25	उफा	सिंह/कन्या	वृश्चि	9–1111111011	17:35–31:04	2(17:35बाद), 3, 4, 5, 6, 7, 8
11 दिस	सोम	मार्ग कृ 9	मार्ग 26	उफा	कन्या	वृश्चि	8–0बु111111011	07:04–18:08	8, 9, 10, 11, 12, 1, 2, 3(18:08तक)
				हस्त	कन्या	वृश्चि	9–1111111011	18:08–31:05	3(18:08बाद), 4, 5, 6, 7, 8
6 फर	मंगल	माघ कृ 6	माघ 24	चित्रा	तुला	मक	10–1111111111	07:07–08:01	10, 11(08:01तक)
18 फर	रवि	फाल्गु शु 3	फाल्गु 7	उभा	मीन	कुंभ	9–0श111111111	12:46–30:56	2(12:46बाद), 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11
19 फर	सोम	फाल्गु शु 4	फाल्गु 8	उभा	मीन	कुंभ	8–0श111111110	06:56–13:53	11, 12, 1, 2, 3(13:53तक)
				रेवती	मीन	कुंभ	8–1011111010	13:53–30:56	3(13:53बाद), 4(17:20तक), 10(29:15बाद), 11
20 फर	मंगल	फाल्गु शु 5	फाल्गु 9	रेवती	मीन/मेष	कुंभ	10–1011111111	06:56–13:15	11, 12, 1, 2, 3(13:15तक)
				अश्वि	मेष	कुंभ	9–1111111011	–30:55	3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11
21 फर	बुध	फाल्गु शु 6	फाल्गु 10	अश्वि	मेष	कुंभ	9–1111111011	06:55–14:01	11, 12, 1, 2, 3(14:01तक)
2 मार्च	शुक्र	फाल्गु कृ 1	फाल्गु 19	उफा	कन्या	कुंभ	9–11110बृशु11111	28:05–30:45	9(28:05बाद), 10, 11
3 मार्च	शनि	फाल्गु कृ 2	फाल्गु 20	उफा	कन्या	कुंभ	9–11110बृशु11111	06:45–20:55	11, 12, 1, 2, 3, 4, 5, 6(20:55तक)
5 मार्च	सोम	फाल्गु कृ 4	फाल्गु 22	स्वाति	तुला	कुंभ	8–1111111010	20:18–30:41	8(20:18बाद), 7, 8, 9, 10, 11

अज्ञानान्धविनाशाय नभोमणितुल्यं महत् ।।



ज्योतिष्मती कालदर्पण पंचाङ्ग

आद्य सम्पादक - स्व. श्री हरदेव शर्मा त्रिवेदी-ज्योतिषाचार्य

सोलन
हिमाचल प्रदेश 173212

"विश्वविजय पंचाङ्ग" सदाऽस्तु विदुषां मुदे



राष्ट्रीय शाके १९३८	विक्रम संवत् २०७४
श्री सौम्यनाम संवत्सरे क्रम-४४ बंगला सन् १४२३ फसली। बंगला माघ मास, ता. १२ से फाल्गुन प्रा. तथा प्रविष्ठा गते तारीख १ प्रारंभ।	(मास :- माघ सुदी ५ से फाल्गुन सुदी २ तक) ऋतुचर्या-शिशिर शीतकाल ता. १८ से ऋतुराज बसन्तकाल प्रारम्भ

फरवरी 2017

सम्पादक – Er. श्री सुधाकर शर्मा त्रिवेदी
सह सम्पादक – रोहिताश्व त्रिवेदी

रवि SUN	ॐ	मु.७ कृतिका रा.१६ माघ सुदी ९ गुप्त नवरात्रि समा. ५ **5**	मु.१४ मघा रा.२३ फाल्गुन वदी २ सर्वोदय दिवस कुंभ संक्रांति १२ **12**	मु.२१ अनुराधा रा.३० फाल्गुन वदी ८ शतभिषा रवि सीता अष्टमी १९ **19**	मु.२८ धनिष्ठा/शतभिषा रा.७ फाल्गुन वदी ३० खप्पर पूजा अमावस्या २६ **26**
सोम MON	卐	मु.८ रोहिणी रा.१७ माघ सुदी १० गुरु वक्री धनिष्ठा रवि ६ **6**	मु.१५ पूर्वाफाल्गुनी रा.२४ फाल्गुन वदी ३ १३ **13**	मु.२२ ज्येष्ठा रा.१ फाल्गुन वदी ९ समर्थ रामदास नवमी रा. फाल्गुन मास प्रा. २० **20**	मु.२९ पूर्वाभाद्रपद रा.८ फाल्गुन सुदी १ २७ **27**
मंगल TUE		मु.९ मृगशिरा रा.१८ माघ सुदी ११ जया एकादशी वेणेश्वर मेला ७ **7**	मु.१६ उत्तराफाल्गुनी रा.२५ फाल्गुन वदी ४ चतुर्थी व्रत १४ **14**	मु.२३ मूल रा.२ फाल्गुन वदी १० स्वामी दयानन्द सरस्वती जं. २१ **21**	मु.३० उत्तराभाद्रपद रा.९ फाल्गुन सुदी २ चन्द्रदर्शन, रा. विज्ञान दि. फूलेरा दूज महर्षि गौतम जं. २८ **28**
बुध WED	मु.३ उत्तराभाद्रपद रा.१२ माघ सुदी ५ सरस्वती जं. बसंत पंचमी १ **1**	मु.१० आर्द्रा रा.१९ माघ सुदी १२ प्रदोष, भीष्म द्वादशी ८ **8**	मु.१७ हस्त रा.२६ फाल्गुन वदी ५ १५ **15**	मु.२४ पूर्वाषाढ़ा रा.३ फाल्गुन वदी ११ विजया एकादशी २२ **22**	**अवकाश** 11 द्वितीय शनिवार 25 महाशिवरात्रि
गुरु THU	मु.४ रेवती रा.१३ माघ सुदी ६ पंचक समाप्त २ **2**	मु.११ पुनर्वसु रा.२० माघ सुदी १३ विश्वकर्मा जं. गुरुगोरखनाथ जं. ९ **9**	मु.१८ चित्रा रा.२७ फाल्गुन वदी ५ १६ **16**	मु.२५ उत्तराषाढ़ा रा.४ फाल्गुन वदी १२ २३ **23**	**पंचक नक्षत्र वेला** ०२ फरवरी को पंचक समाप्त २१:१७ तक २५ फरवरी से पंचक प्रारम्भ १६:१६ से
शुक्र FRI	मु.५ अश्विनी रा.१४ माघ सुदी ७ नर्मदा जं., रथ अचला सप्तमी देवनारायण जं. ३ **3**	मु.१२ पुष्य रा.२१ माघ सुदी १४/१५ गुरु रविदास जं., पूर्णिमा ललिता जं. १० **10**	मु.१९ स्वाति रा.२८ फाल्गुन वदी ६ १७ **17**	मु.२६ श्रवण रा.५ फाल्गुन वदी १३ प्रदोष, महाशिवरात्रि २४ **24**	**अमृतसिद्धि योग** ९, १० **सर्वार्थसिद्धि योग** १, २, ३, ६, ७, ९, १०, १५, २४, २५, २८
शनि SAT	मु.६ भरणी रा.१५ माघ सुदी ८ भीष्माष्टमी दुर्गाष्टमी ४ **4**	मु.१३ आश्लेषा रा.२२ फाल्गुन वदी १ जमना लाल बजाज पु.ति. ११ **11**	मु.२० विशाखा रा.२९ फाल्गुन वदी ७ श्रीनाथजी पाटोत्सव बसंत ऋतु प्रा. १८ **18**	मु.२७ श्रवण रा.६ फाल्गुन वदी १४ पंचक प्रा. २५ **25**	**पुष्य नक्षत्र** ९ फरवरी गुरु पुष्य १० फरवरी भृगु पुष्य

अचलेश्वर, 9829253642

ज्योतिष परामर्श एवं कुण्डली जानने के लिए सम्पर्क करें - 9871956320

18 अप्रै	मंगल	चैत्र कृ 7	वैशा 6	उषा	धनु/मक	मेष	9–1111111011	22:10–29:52	8(22:10बाद), 9, 10, 11, 12, 1
19 अप्रै	बुध	चैत्र कृ 8	वैशा 7	उषा	मक	मेष	9–1111111011	05:52–24:20	1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9(24:20तक)
28 अप्रै	शुक्र	वैशा शु 2	वैशा 16	रोहि	वृष	मेष	9–110मं1111111	13:39–29:42	5(13:39बाद), 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 1
29 अप्रै	शनि	वैशा शु 3	वैशा 17	रोहि	वृष	मेष	9–110मं1111111	05:42–10:56	1, 2(08:26तक), 4(10:50बाद)(10:56तक)
				मृग	वृष/मिथु	मेष	10–1111111111	10:56–29:41	4(10:56बाद), 5, 6(17:15तक), 12(27:40बाद), 1
30 अप्रै	रवि	वैशा शु 5	वैशा 18	मृग	मिथु	मेष	10–1111111111	05:41–08:33	1, 2, 3(08:33तक)
4 मई	गुरु	वैशा शु 9	वैशा 22	मघा	सिंह	मेष	8–110रा10के11111	14:38–29:02	5(14:38बाद), 6, 7, 8, 9(29:02तक)
6 मई	शनि	वैशा शु 11	वैशा 24	उफा	सिंह/कन्या	मेष	9–1111110111	06:09–29:36	1(06:09बाद), 8(20:30बाद), 9, 10, 11, 12, 1
7 मई	रवि	वैशा शु 12	वैशा 25	उफा	कन्या	मेष	10–1111111111	05:36–07:44	1, 2(07:44तक)
				हस्त	कन्या	मेष	5–0सू00गु0श0शु11111	07:44–29:35	2(07:44बाद), 3, 4, 5(14:12तक), 8(20:41बाद), 9, 10, 11, 12, 1
8 मई	सोम	वैशा शु 13	वैशा 26	हस्त	कन्या	मेष	6–0सू00गु0शु0शु11111	05:35–09:43	1, 2, 3(09:43तक)
				चित्रा	कन्या/तुला	मेष	9–1111110111	09:43–29:34	3(09:43बाद), 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 1
9 मई	मंगल	वैशा शु 14	वैशा 27	चित्रा	तुला	मेष	10–1111111111	05:34–12:10	1, 2, 3, 4(12:10तक)
				स्वाति	तुला	मेष	8–11110बु11011	12:10–15:34	4(12:10बाद), 5, 6(15:34तक)
11 मई	गुरु	वैशा कृ 1	वैशा 29	अनु	वृश्चि	मेष	7–11110सू10011	29:21–29:32	1(29:21बाद)
12 मई	शुक्र	वैशा कृ 2	वैशा 30	अनु	वृश्चि	मेष	7–11110सू10011	05:32–20:12	1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8(20:12तक)
16 मई	मंगल	वैशा कृ 5	ज्ये 3	उषा	मक	वृष	9–1111111011	24:44–27:44	10(24:44बाद), 11, 12(27:44तक)
21 मई	रवि	वैशा कृ 10	ज्ये 8	उभा	मीन	वृष	6–0श110गु110011	16:42–27:49	7(17:00तक), 9(22:48बाद), 10, 11, 12, 1, 2
22 मई	सोम	वैशा कृ 11	ज्ये 9	उभा	मीन	वृष	7–0श110गु111011	05:27–10:10	2, 3, 4(10:10तक)
				रेवती	मीन	वृष	7–110शु10गु11011	10:10–25:29	4(10:10बाद), 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 1, 2
23 मई	मंगल	वैशा कृ 12	ज्ये 10	रेवती	मीन/मेष	वृष	7–110शु10गु11011	05:27–07:38	2, 3(07:38तक)
				अश्वि	मेष	वृष	9–110बु1111111	09:12–12:03	4(09:12बाद), 5(12:03तक)
26 मई	शुक्र	ज्ये शु 1	ज्ये 13	मृग	वृष	वृष	9–110मं1111111	21:18–25:33	9(21:18बाद), 10, 11, 12, 1, 2
27 मई	शनि	ज्ये शु 2	ज्ये 14	मृग	वृष/मिथु	वृष	9–110मं1111111	05:25–18:07	2, 3, 4, 5, 6(14:40तक), 7(18:07तक)
31 मई	बुध	ज्ये शु 6	ज्ये 18	मघा	सिंह	वृष	6–110रा10के10011	12:01–23:40	5(12:01बाद), 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 1, 2
1 जून	गुरु	ज्ये शु 7	ज्ये 19	मघा	सिंह	वृष	7–110रा10के11011	05:24–06:20	2
2 जून	शुक्र	ज्ये शु 8	ज्ये 20	उफा	सिंह/कन्या	वृष	9–1111110111	12:01–21:42	5(12:01बाद), 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 1, 2
3 जून	शनि	ज्ये शु 9	ज्ये 21	उफा	कन्या	वृष	10–1111111111	05:23–13:26	2, 3, 4, 5, 6(13:26तक)
				हस्त	कन्या	वृष	8–110गु1111011	13:26–17:25	6(13:26बाद), 7(17:25तक)
5 जून	सोम	ज्ये शु 11	ज्ये 23	चित्रा	तुला	वृष	10–1011111111	09:43–17:47	4(09:43बाद), 5, 6, 7, 8(17:47तक)
				स्वाति	तुला	वृष	8–0सू1110शु11111	17:47–22:13	8(17:47बाद), 9, 10(22:13तक)
6 जून	मंगल	ज्ये शु 12	ज्ये 24	स्वाति	तुला	वृष	8–0सू1110शु11111	10:35–20:27	4(10:35बाद), 5, 6, 7, 8, 9(20:27तक)
7 जून	बुध	ज्ये शु 13	ज्ये 25	अनु	वृश्चि	वृष	8–11110बु11011	23:18–27:06	10(23:18बाद), 11, 12, 1, 2
8 जून	गुरु	ज्ये शु 14	ज्ये 26	अनु	वृश्चि	वृष	8–11110बु11011	05:23–16:17	2, 3, 4, 5, 6, 7(16:17तक)
17 जून	शनि	ज्ये कृ 8	आषा 3	उभा	मीन	मिथु	6–0बुश110गु111010	18:47–24:47	8(18:47बाद), 9, 10, 11, 12(24:47तक)
18 जून	रवि	ज्ये कृ 9	आषा 4	उभा	मीन	मिथु	7–0बुश110गु111011	06:44–18:29	3(06:44बाद), 4, 5, 6, 7, 8(18:29तक)
				रेवती	मीन	मिथु	8–11110गु11011	18:29–27:17	8(18:29बाद), 9, 10, 11, 12, 1, 2, 3
19 जून	सोम	ज्ये कृ 10	आषा 5	रेवती	मीन/मेष	मिथु	8–11110गु11011	05:24–14:20	3, 4, 5, 6(14:20तक)
				अश्वि	मेष	मिथु	8–1111110011	25:12–14:20	12(25:12बाद), 1, 2, 3
27 जून	मंगल	आषा शु 4	आषा 13	मघा	सिंह	मिथु	6–110रा10के10011	20:46–28:23	10(20:46बाद), 11, 12, 1, 2, 3
28 जून	बुध	आषा शु 5	आषा 14	मघा	सिंह	मिथु	6–110रा10के10011	05:26–19:17	3, 4, 5, 6, 7, 8, 9(19:17तक)
30 जून	शुक्र	आषा शु 7	आषा 16	उफा	कन्या	मिथु	9–1011111011	05:52–18:01	3(05:52बाद), 4, 5, 6, 7, 8(18:01तक)
1 जुला	शनि	आषा शु 8	आषा 17	हस्त	कन्या	मिथु	7–110गु1111010	17:15–21:50	8(17:15बाद), 9, 10(21:50तक)
				चित्रा	कन्या	मिथु	9–1111110111	21:50–29:13	10(21:50बाद), 11, 12, 1, 2, 3
2 जुला	रवि	आषा शु 9	आषा 18	चित्रा	कन्या/तुला	मिथु	10–1111111111	05:27–24:00	3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12(24:00तक)
				स्वाति	तुला	मिथु	9–1111111011	24:00–27:05	12(24:00बाद), 1, 2, 3
3 जुला	सोम	आषा शु 10	आषा 19	स्वाति	तुला	मिथु	9–1111111011	05:28–26:35	3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 1, 2(26:35तक)

3 जून	शनि	ज्ये शु 9	ज्ये 21	उफा	कन्या	वृष	10–1111111111	05:23–13:26	2, 3, 4, 5, 6(13:26तक)
				हस्त	कन्या	वृष	8–110गु1111011	13:26–17:25	6(13:26बाद), 7(17:25तक)
5 जून	सोम	ज्ये शु 11	ज्ये 23	चित्रा	तुला	वृष	10–1011111111	09:43–17:47	4(09:43बाद), 5, 6, 7, 8(17:47तक)
				स्वाति	तुला	वृष	8–0सू1110शु11111	17:47–22:13	8(17:47बाद), 9, 10(22:13तक)
6 जून	मंगल	ज्ये शु 12	ज्ये 24	स्वाति	तुला	वृष	8–0सू1110शु11111	10:35–20:27	4(10:35बाद), 5, 6, 7, 8, 9(20:27तक)
7 जून	बुध	ज्ये शु 13	ज्ये 25	अनु	वृश्चि	वृष	8–11110बु11011	23:18–27:06	10(23:18बाद), 11, 12, 1, 2
8 जून	गुरु	ज्ये शु 14	ज्ये 26	अनु	वृश्चि	वृष	8–11110बु11011	05:23–16:17	2, 3, 4, 5, 6, 7(16:17तक)
17 जून	शनि	ज्ये कृ 8	आषा 3	उभा	मीन	मिथु	6–0बुश110गु111010	18:47–24:47	8(18:47बाद), 9, 10, 11, 12(24:47तक)
18 जून	रवि	ज्ये कृ 9	आषा 4	उभा	मीन	मिथु	7–0बुश110गु111011	06:44–18:29	3(06:44बाद), 4, 5, 6, 7, 8(18:29तक)
				रेवती	मीन	मिथु	8–11110गु11011	18:29–27:17	8(18:29बाद), 9, 10, 11, 12, 1, 2, 3
19 जून	सोम	ज्ये कृ 10	आषा 5	रेवती	मीन/मेष	मिथु	8–11110गु11011	05:24–14:20	3, 4, 5, 6(14:20तक)
				अश्वि	मेष	मिथु	8–1111110011	25:12–14:20	12(25:12बाद), 1, 2, 3
27 जून	मंगल	आषा शु 4	आषा 13	मघा	सिंह	मिथु	6–110रा10के10011	20:46–28:23	10(20:46बाद), 11, 12, 1, 2, 3
28 जून	बुध	आषा शु 5	आषा 14	मघा	सिंह	मिथु	6–110रा10के10011	05:26–19:17	3, 4, 5, 6, 7, 8, 9(19:17तक)
30 जून	शुक्र	आषा शु 7	आषा 16	उफा	कन्या	मिथु	9–1011111011	05:52–18:01	3(05:52बाद), 4, 5, 6, 7, 8(18:01तक)
1 जुला	शनि	आषा शु 8	आषा 17	हस्त	कन्या	मिथु	7–110गु1111010	17:15–21:50	8(17:15बाद), 9, 10(21:50तक)
				चित्रा	कन्या	मिथु	9–1111110111	21:50–29:13	10(21:50बाद), 11, 12, 1, 2, 3
2 जुला	रवि	आषा शु 9	आषा 18	चित्रा	कन्या/तुला	मिथु	10–1111111111	05:27–24:00	3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12(24:00तक)
				स्वाति	तुला	मिथु	9–1111111011	24:00–27:05	12(24:00बाद), 1, 2, 3
3 जुला	सोम	आषा शु 10	आषा 19	स्वाति	तुला	मिथु	9–1111111011	05:28–26:35	3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 1, 2(26:35तक)

11 नव	शनि	कार्ति कृ 8	कार्ति 26	मघा	सिंह	तुला	8–11110के11011	12:31–30:42	10(12:31बाद), 11, 12, 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7
12 नव	रवि	कार्ति कृ 9	कार्ति 27	मघा	सिंह	तुला	8–11110के11011	06:42–11:32	7, 8, 9, 10(11:32तक)
13 नव	सोम	कार्ति कृ 10	कार्ति 28	उफा	कन्या	तुला	7–0बु011110011	23:59–30:43	4(23:59बाद), 5, 6, 7
14 नव	मंगल	कार्ति कृ 11	कार्ति 29	उफा	कन्या	तुला	7–0बु011110011	06:43–12:43	7, 8, 9, 10(12:43तक)
19 नव	रवि	मार्ग शु 1	मार्ग 4	अनु	वृश्चि	वृश्चि	9–0रा111111111	19:15–21:57	3(19:15बाद), 4(21:57तक)
23 नव	गुरु	मार्ग शु 5	मार्ग 8	उषा	धनु/मक	वृश्चि	8–1011111011	06:59–30:51	8(06:59बाद), 9, 10, 11, 12, 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8
24 नव	शुक्र	मार्ग शु 6	मार्ग 9	उषा	मक	वृश्चि	9–1011111011	06:51–10:03	8, 9(10:03तक)
				श्रवण	मक	वृश्चि	10–1111111111	10:03–30:52	9(10:03बाद), 10, 11, 12, 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8
25 नव	शनि	मार्ग शु 6	मार्ग 10	श्रवण	मक	वृश्चि	10–1111111111	06:52–12:48	8, 9, 10, 11(12:48तक)
28 नव	मंगल	मार्ग शु 9	मार्ग 13	उभा	मीन	वृश्चि	6–0श111110010	17:21–30:55	2(17:21बाद), 3, 4, 5, 6, 7, 8
29 नव	बुध	मार्ग शु 10	मार्ग 14	उभा	मीन	वृश्चि	7–0श111111010	06:55–17:12	8, 9, 10, 11, 12, 1, 2(17:12तक)
				रेवती	मीन	वृश्चि	10–1111111111	17:12–22:15	2(17:12बाद), 3, 4(22:15तक)
30 नव	गुरु	मार्ग शु 11	मार्ग 15	अश्वि	मेष	वृश्चि	8–0सू0110मं11111	19:55–30:57	3(19:55बाद), 4, 5, 6, 7, 8
1 दिस	शुक्र	मार्ग शु 12	मार्ग 16	अश्वि	मेष	वृश्चि	8–0सू0110मं11111	06:57–14:28	8, 9, 10, 11, 12(14:28तक)
3 दिस	रवि	मार्ग पू	मार्ग 18	रोहि	वृष	वृश्चि	8–11110शु11011	11:09–30:59	10(11:09बाद), 11, 12, 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8
4 दिस	सोम	मार्ग कृ 1	मार्ग 19	मृग	वृष/मिथु	वृश्चि	7–10110सू11011	06:58–27:20	8, 9, 10, 11, 12, 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7(27:20तक)
9 दिस	शनि	मार्ग कृ 7	मार्ग 24	मघा	सिंह	वृश्चि	8–10110के10111	14:11–17:41	12(14:11बाद), 1, 2(17:41तक)
10 दिस	रवि	मार्ग कृ 8	मार्ग 25	उफा	सिंह/कन्या	वृश्चि	9–1111111011	17:35–31:04	2(17:35बाद), 3, 4, 5, 6, 7, 8
11 दिस	सोम	मार्ग कृ 9	मार्ग 26	उफा	कन्या	वृश्चि	8–0बु111111011	07:04–18:08	8, 9, 10, 11, 12, 1, 2, 3(18:08तक)
				हस्त	कन्या	वृश्चि	9–1111111011	18:08–31:05	3(18:08बाद), 4, 5, 6, 7, 8
6 फर	मंगल	माघ कृ 6	माघ 24	चित्रा	तुला	मक	10–1111111111	07:07–08:01	10, 11(08:01तक)
18 फर	रवि	फाल्ग शु 3	फाल्ग 7	उभा	मीन	कुंभ	9–0श111111111	12:46–30:56	2(12:46बाद), 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11
19 फर	सोम	फाल्ग शु 4	फाल्ग 8	उभा	मीन	कुंभ	8–0श111111110	06:56–13:53	11, 12, 1, 2, 3(13:53तक)
				रेवती	मीन	कुंभ	8–1011111010	13:53–30:56	3(13:53बाद), 4(17:20तक), 10(29:15बाद), 11
20 फर	मंगल	फाल्ग शु 5	फाल्ग 9	रेवती	मीन/मेष	कुंभ	10–1011111111	06:56–13:16	11, 12, 1, 2, 3(13:15तक)
				अश्वि	मेष	कुंभ	9–1111111011	–30:55	3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11
21 फर	बुध	फाल्ग शु 6	फाल्ग 10	अश्वि	मेष	कुंभ	9–1111111011	06:55–14:01	11, 12, 1, 2, 3(14:01तक)
2 मार्च	शुक्र	फाल्ग कृ 1	फाल्ग 19	उफा	कन्या	कुंभ	9–11110बुशु11111	28:05–30:45	9(28:05बाद), 10, 11
3 मार्च	शनि	फाल्ग कृ 2	फाल्ग 20	उफा	कन्या	कुंभ	9–11110बुशु11111	08:45–20:55	11, 12, 1, 2, 3, 4, 5, 6(20:55तक)
5 मार्च	सोम	फाल्ग कृ 4	फाल्ग 22	स्वाति	तुला	कुंभ	8–1111111010	20:18–30:41	6(20:18बाद), 7, 8, 9, 10, 11
6 मार्च	मंगल	फाल्ग कृ 5	फाल्ग 23	स्वाति	तुला	कुंभ	9–1111111011	06:41–17:45	11, 12, 1, 2, 3, 4, 5(17:45तक)
7 मार्च	बुध	फाल्ग कृ 6	फाल्ग 24	अनु	वृश्चि	कुंभ	8–0रा011111111	22:34–26:01	7(22:34बाद), 8, 9(26:01तक)
8 मार्च	गुरु	फाल्ग कृ 7	फाल्ग 25	अनु	वृश्चि	कुंभ	8–0रा011111111	14:48–24:45	4(14:48बाद), 5(17:20तक), 6, 7, 8(24:45तक)
12 मार्च	सोम	फाल्ग कृ 10	फाल्ग 29	उषा	धनु/मक	कुंभ	8–0मंगु111111011	11:14–20:38	2(11:14बाद), 3, 4, 5, 6(20:38तक)



ज्योतिष्मती कालदर्पण पंचाङ्ग

सोलन

हिमाचल प्रदेश 173212



आद्य सम्पादक - स्व. श्री हरदेव शर्मा त्रिवेदी-ज्योतिषाचार्य

सम्पादक – Er. श्री सुधाकर शर्मा त्रिवेदी
सह सम्पादक – रोहिताश्व त्रिवेदी

राष्ट्रीय शाके १९३९	विक्रम संवत् २०७४
श्री सौम्यनाम-साधारण नाम संवत्सरे क्रम-४४-४५ बंगला सन् १४२३-२४ फसली। बंगला फाल्गुन मास, ता. १४ से चैत्र प्रा. तथा प्रविष्ठा गते तारीख १ प्रारंभ।	(मास :- फाल्गुन सुदी ३ से चैत्र सुदी ४ तक) ऋतुवर्या-बसन्तकाल ऋतुराज बसन्त-सुखद प्रभावशील

मार्च 2017

रवि SUN	**अवकाश** 11 द्वितीय शनिवार 12 होलिका दहन, 13 धुलण्डी (छारंडी) 29 चेटीचण्ड	मु.५ रोहिणी रा.१४ फाल्गुन सुदी ८ दादू दयाल जं. होलाष्टक प्रा. ५ **5**	मु.१२ पूर्वाफाल्गुनी रा.२१ फाल्गुन सुदी १५ होलाष्टक समा. पूर्णिमा होलिका दहन चैतन्य जं. १२ **12**	मु.१९ ज्येष्ठा रा.२८ चैत्र वदी ७ शील सप्तमी १९ **19**	मु.२६ शतभिषा रा.५ चैत्र वदी १३ मास शिवरात्रि रंग तेरस २६ **26**
सोम MON	**अमृतसिद्धि योग** ४, ५, ६ **सर्वार्थसिद्धि योग** २, ४, ५, ६, ९, १२, १३, १७, १८, १९, २४, २८, ३०	मु.६ मृगशिरा रा.१५ फाल्गुन सुदी ९ ६ **6**	मु.१३ उत्तराफाल्गुनी रा.२२ चैत्र वदी १ छारंडी १३ **13**	मु.२० ज्येष्ठा रा.२९ चैत्र वदी ७ रविउत्तरगोलीय गति प्रा. शीतलाष्टमी २० **20**	मु.२७ पूर्वाभाद्रपद रा.६ चैत्र वदी १४ सोमवती अमावस्या २७ **27**
मंगल TUE	**पंचक नक्षत्र वेला** 1/2 मार्च को पंचक समाप्त 27:21 तक 24/25 मार्च से पंचक प्रारम्भ 28:57 से 29 मार्च को पंचक समाप्त 11:41 तक	मु.७ आर्द्रा रा.१६ फाल्गुन सुदी १० ७ **7**	मु.१४ हस्त रा.२३ चैत्र वदी २ संत तुकाराम जं., मीन संक्रांति १४ **14**	मु.२१ मूल रा.३० चैत्र वदी ८ विश्व वानिकी दिवस ऋषभदेव जं. शुक्र अस्त २१ **21**	मु.२८ उत्तराभाद्रपद रा.७ चैत्र वदी ३०/१ अमावस्या, नवरात्रि प्रा. वि.सं.2074 प्रा. घट स्थापना २८ **28**
बुध WED	मु.१ रेवती रा.१० फाल्गुन सुदी ३ जमादि-उल-आखिर पंचक समाप्त १ **1**	मु.८ पुनर्वसु रा.१७ फाल्गुन सुदी ११ आमलकी एकादशी विश्व महिला दि. ८ **8**	मु.१५ चित्रा रा.२४ चैत्र वदी ३ १५ **15**	मु.२२ पूर्वाषाढ़ा रा.१ चैत्र वदी ९ शक संवत् १९३९ प्रा. रा. चैत्र प्रा. २२ **22**	मु.२९ रेवती रा.८ चैत्र सुदी २ चेटीचण्ड, चन्द्रदर्शन पंचक समा. २९ **29**
गुरु THU	मु.२ अश्विनी रा.११ फाल्गुन सुदी ४ २ **2**	मु.९ पुष्य रा.१८ फाल्गुन सुदी १२ ९ **9**	मु.१६ स्वाति रा.२५ चैत्र वदी ४ विश्व खसरा दिवस चतुर्थी व्रत १६ **16**	मु.२३ उत्तराषाढ़ा रा.२ चैत्र वदी १० दशामाता व्रत २३ **23**	मु.१ अश्विनी रा.९ चैत्र सुदी ३ मनोरथ तीज, गणगौर पूजा रज्जब प्रा. मत्स्य जं. ३० **30**
शुक्र FRI	मु.३ भरणी रा.१२ फाल्गुन सुदी ५ याज्ञवल्क्य जं. ३ **3**	मु.१० आश्लेषा रा.१९ फाल्गुन सुदी १३ प्रदोष १० **10**	मु.१७ विशाखा रा.२६ चैत्र वदी ५ उ.भा. रवि श्री रंग पंचमी विश्व विकलांग दिवस १७ **17**	मु.२४ श्रवण रा.३ चैत्र वदी ११ पापमोचिनी एकादशी पंचक प्रा. २४ **24**	मु.२ भरणी/कृतिका रा.१० चैत्र सुदी ४ दमनक चौथ रेवती रवि ३१ **31**
शनि SAT	मु.४ कृतिका रा.१३ फाल्गुन सुदी ६/७ रा.सुरक्षा दिवस पूर्वाभाद्रपद रवि ४ **4**	मु.११ मघा रा.२० फाल्गुन सुदी १४ ११ **11**	मु.१८ अनुराधा रा.२७ चैत्र वदी ६ एकनाथ षष्ठी १८ **18**	मु.२५ धनिष्ठा रा.४ चैत्र वदी १२ पंचक प्रा. प्रदोष शुक्र उदय २५ **25**	**पुष्य नक्षत्र** ८ मार्च, बुधे पुष्य ९ मार्च, गुरु पुष्य

अवलेश्वर, 9829253642

ज्योतिष परामर्श एवं कुण्डली जानने के लिए सम्पर्क करें - 9871956320

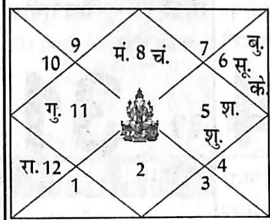
संवत् 2074 के पंजाब एवं द्विगर्त देशीय विवाह मुहूर्त

6 जुला	गुरु	आषा शु 13	आषा 22	अनु	वृश्चि	मिथु	9–10110शु11111	05:29–08:24	3, 4(08:24तक)
10 जुला	सोम	आषा कृ 1	आषा 26	उषा	मक	मिथु	7–10110सूमं10011	12:20–19:09	6(12:20बाद), 7, 8, 9(19:09तक)
17 जुला	सोम	आषा कृ 8	श्रावण 2	अश्वि	मेष	कर्क	9–1111111011	05:34–17:34	3, 4, 5, 6, 7, 8, 9(17:34तक)
19 जुला	बुध	आषा कृ 10	श्रावण 4	रोहि	वृष	कर्क	7–100शु1111011	19:45–29:36	10(19:45बाद), 11, 12, 1, 2, 3, 4
20 जुला	गुरु	आषा कृ 12	श्रावण 5	रोहि	वृष	कर्क	8–100शु1111011	05:36–17:25	4, 5, 6, 7, 8, 9(17:25तक)
				मृग	वृष	कर्क	8–11110श11011	17:25–25:13	9(17:25बाद), 10, 11, 12, 1, 2(25:13तक)
25 जुला	मंगल	श्रावण शु 2	श्रावण 10	मघा	सिंह	कर्क	7–0मं00बुरा10के11111	19:33–28:51	10(19:33बाद), 11, 12, 1, 2, 3(28:51तक)
27 जुला	गुरु	श्रावण शु 4	श्रावण 12	हस्त	कन्या	कर्क	9–110गु1111111	28:51–29:40	3(28:51बाद), 4
28 जुला	शुक्र	श्रावण शु 5	श्रावण 13	हस्त	कन्या	कर्क	9–110गु1111111	05:40–29:41	4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 1, 2, 3, 4
29 जुला	शनि	श्रावण शु 6	श्रावण 14	चित्रा	कन्या / तुला	कर्क	8–1111111010	05:41–29:41	4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 1, 2, 3, 4
30 जुला	रवि	श्रावण शु 7	श्रावण 15	चित्रा	तुला	कर्क	9–1111111011	05:41–07:23	4, 5(08:07तक)
				स्वाति	तुला	कर्क	9–1011111011	20:53–29:42	11(20:53बाद), 12, 1, 2, 3, 4
31 जुला	सोम	श्रावण शु 8	श्रावण 16	स्वाति	तुला	कर्क	9–1011111011	05:42–09:39	4, 5, 6(09:39तक)
1 अग	मंगल	श्रावण शु 9	श्रावण 17	अनु	वृश्चि	कर्क	9–1111111011	12:21–29:43	7(12:21बाद), 8, 9, 10, 11, 12, 1, 2, 3, 4
2 अग	बुध	श्रावण शु 10	श्रावण 18	अनु	वृश्चि	कर्क	9–1111111011	05:43–15:16	4, 5, 6, 7, 8(15:16तक)
4 अग	शुक्र	श्रावण शु 12	श्रावण 20	मूल	धनु	कर्क	8–0गु011110111	19:08–21:02	10(19:08बाद), 11(21:02तक)
11 अग	शुक्र	श्रावण कृ 4	श्रावण 27	उभा	मीन	कर्क	9–1111111011	06:12–29:49	4(06:12बाद), 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 1, 2, 3, 4
12 अग	शनि	श्रावण कृ 5	श्रावण 28	उभा	मीन	कर्क	9–1111111011	05:49–06:14	4(06:14तक)
				रेवती	मीन	कर्क	9–1111111011	06:14–29:02	4(06:14बाद), 5, 6, 7, 8(13:51तक), 9(15:51बाद), 10, 11, 12, 1, 2, 3, 4(29:02तक)
17 अग	गुरु	श्रावण कृ 10	भाद्र 2	मृग	मिथु	सिंह	6–0बु0110श11011	12:43–22:59	7(12:43बाद), 8, 9, 10, 11, 12(21:36तक), 1(22:59तक)
23 अग	बुध	भाद्र शु 2	भाद्र 8	उफा	सिंह / कन्या	सिंह	10–1111111111	14:04–29:55	8(14:04बाद), 9, 10, 11, 12, 1, 2, 3, 4, 5
24 अग	गुरु	भाद्र शु 3	भाद्र 9	उफा	कन्या	सिंह	10–1111111111	05:55–14:00	5, 6, 7, 8(14:00तक)
				हस्त	कन्या	सिंह	9–1011111111	14:00–29:56	8(14:00बाद), 9, 10, 11, 12, 1, 2, 3, 4, 5
25 अग	शुक्र	भाद्र शु 4	भाद्र 10	हस्त	कन्या	सिंह	10–1011111111	05:56–08:24	5, 6(08:24तक)
				चित्रा	कन्या / तुला	सिंह	8–110गु1111011	20:32–29:56	12(20:32बाद), 1, 2, 3, 4, 5
26 अग	शनि	भाद्र शु 5	भाद्र 11	चित्रा	तुला	सिंह	8–110गु1111011	05:56–15:51	5, 6, 7, 8, 9(15:51तक)
				स्वाति	तुला	सिंह	10–1111111111	15:51–29:57	9(15:51बाद), 10, 11, 12, 1, 2, 3, 4, 5
27 अग	रवि	भाद्र शु 6	भाद्र 12	स्वाति	तुला	सिंह	10–1111111111	05:57–06:59	5
28 अग	सोम	भाद्र शु 7	भाद्र 13	अनु	वृश्चि	सिंह	8–0रा111111011	20:10–23:46	12(20:10बाद), 1, 2(23:46तक)
30 अग	बुध	भाद्र शु 9	भाद्र 15	मूल	धनु	सिंह	9–0गु111111111	26:41–29:59	4(26:41बाद), 5
31 अग	गुरु	भाद्र शु 10	भाद्र 16	मूल	धनु	सिंह	8–0गु111111110	05:59–28:47	5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 1, 2, 3, 4(28:47तक)
2 सित	शनि	भाद्र शु 11	भाद्र 18	उषा	धनु / मक	सिंह	10–1111111111	09:38–30:00	7(09:38बाद), 8, 9, 10, 11, 12, 1, 2, 3, 4, 5
3 सित	रवि	भाद्र शु 12	भाद्र 19	उषा	मक	सिंह	10–1111111111	06:00–09:37	5, 6, 7(09:37तक)
24 सित	रवि	आश्वि शु 4	आश्वि 9	अनु	वृश्चि	कन्या	9–0रा111111111	28:25–30:11	5(28:25बाद), 6
25 सित	सोम	आश्वि शु 5	आश्वि 10	अनु	वृश्चि	कन्या	9–0रा111111111	06:11–30:12	6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 1, 2, 3, 4, 5, 6
26 सित	मंगल	आश्वि शु 6	आश्वि 11	अनु	वृश्चि	कन्या	9–0रा111111111	06:12–07:02	6
28 सित	गुरु	आश्वि शु 8	आश्वि 13	मूल	धनु	कन्या	7–0गु111111010	08:23–12:57	7(08:23बाद), 8, 9(12:57तक)
29 सित	शुक्र	आश्वि शु 9	आश्वि 14	उषा	धनु / मक	कन्या	9–1111110111	15:48–30:14	10(15:48बाद), 11, 12, 1, 2, 3, 4, 5, 6
30 सित	शनि	आश्वि शु 10	आश्वि 15	उषा	मक	कन्या	9–1111110111	06:14–18:15	6, 7, 8, 9, 10, 11, 12(18:15तक)
				श्रवण	मक	कन्या	9–1111111011	18:15–30:14	12(18:15बाद), 1, 2, 3, 4, 5, 6
1 अक्तू	रवि	आश्वि शु 11	आश्वि 16	श्रवण	मक	कन्या	9–1111111011	06:14–14:15	6, 7, 8, 9, 10(14:15तक)
5 अक्तू	गुरु	आश्वि पू.	आश्वि 20	रेवती	मीन	कन्या	8–11110सूबु11011	20:50–28:37	2(20:50बाद), 3, 4, 5(28:37तक)
6 अक्तू	शुक्र	आश्वि कृ 1	आश्वि 21	रेवती	मीन	कन्या	8–11110सूबु11011	08:13–09:40	7(08:13बाद), 8(09:40तक)
9 अक्तू	सोम	आश्वि कृ 4	आश्वि 24	रोहि	वृष	कन्या	9–1111111011	14:02–15:53	10(14:02बाद), 11(15:53तक)

राजनैतिक भविष्य फल वर्ष 2017-18



श्री नरेन्द्र मोदी जन्मकुण्डली



श्री नरेन्द्र मोदी – भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का जन्म वृश्चिक लग्न में हुआ है। श्रीमान् नरेन्द्र मोदी जी की जन्म कुण्डली में पांच-पांच ग्रह राजयोग का निर्माण करते हैं। लग्नेश मंगल नवमेश चन्द्र के साथ वृश्चिक लग्न में और पंचमेश गुरु केन्द्रेश शुक्र एवं शनि के साथ राजयोग निर्माण करते हैं। वर्तमान मेंभी मोदी नवमेश चन्द्र की महादशा में शनि का अंतर भोग रहे हैं। यह अंतर सितम्बर 2017 तक चलेगा। इस अंतरदशा में श्रीमान् मोदी अपने प्रतिद्वन्द्वियों का दमन करने में समर्थ रहेंगे। अप्रेल 2017 में श्रीमान् मोदी राहु के प्रत्यन्तर में प्रवेश करेंगे। यह प्रत्यन्तर जुलाई 2017 तक रहेगा। इस अवधि में प्रधानमंत्री को ''भाजपा'' के आंतरिक कलह के कारण गंभीर कष्ट होगा। भाजपा के कुछ प्रमुख राजनेता श्रीमान मोदी के प्रति वैमनस्य की भावना प्रकट कर सकते है। अगस्त 2017 में श्रीमान् मोदी शनि की अंतरदशा में गुरु की प्रत्यन्तरदशा में प्रवेश करेंगे। अगस्त और सितम्बर में चलने वाली यह दशा अन्तरदशा-प्रत्यन्तरदशा योग एक प्रभावशाली राजयोग के भोग काल का निर्माण करेंगे। इस काल अवधि में श्रीमान् मोदी कुछ प्रबल और शुभ ग्रह योगायोग के कारण कुछ ऐताहासिक युगान्तकारी निर्णय लेने का विचार बना सकते है। पर निर्णय भारत की राजनैतिक एवं भोगौलिक समप्रभुता को शक्तिवान बनाने के लिए जा सकते है। इस काल अवधि में विशेष महत्त्वपूर्ण संशोधन संविधान में किए जा सकते है। परिणाम दूरगामी होंगे। इस अवधि में किया गया प्रत्येक निर्णय श्रीमान मोदी के कद को राजनीति में और बड़ा ही करेगा। समय का भरपूर लाभ, राष्ट्रहित में उठाना चाहिए।

अक्टूबर 2017 से चन्द्र की महादशा में एकादशेश बुध का अन्तर आरम्भ होगा। अक्टूबर से दिसम्बर तक का समय अत्यन्त तनावपूर्ण है। यह समय श्रीमान मोदी के लिए प्रतिकूल है। इस समय अवधि में किया गया कोई भी निर्णय श्रीमान् मोदी के हित में नहीं जाएगा। संयम, आत्म चिंतन एवं अनुशासन का पालन करना ही राष्ट्रहित में श्रीमान मोदीजी का कर्त्तव्य होगा। मध्य दिसम्बर 2017 से मध्य जनवरी 2018 का समय अच्छा रहेगा। विपक्ष की राजनैतिक पार्टियां अपना गतिरोध कुछ कम करेगी। जनवरी 2018 से अप्रेल 2018 तक का समय श्रीमान मोदी के लिए गंभीर स्वास्थ्य संकट लेकर आ सकता है। सुरक्षा तंत्र एवं गुप्तचर विभाग को प्रधानमंत्री की सुरक्षा के लिए बहुत ध्यान देना होगा। सावधानी दिखाए।

श्रीमान् राहुल गांधी – श्रीमान् राहुल गांधी की जन्मकुण्डली में नवमेश शनि नीचस्थ है और तृतीयेश चन्द्र भी अपनी नीच राशि में बैठा है। सप्तमेश मंगल द्वादशेश होकर नीचाभिलाषी हो गया है। मंगल एवं बुध दोनों ही मारक



ज्योतिष्मती कालदर्पण पंचाङ्ग

सोलन

हिमाचल प्रदेश 173212

आद्य सम्पादक - स्व. श्री हरदेव शर्मा त्रिवेदी-ज्योतिषाचार्य

सम्पादक – Er. श्री सुधाकर शर्मा त्रिवेदी

सह सम्पादक – रोहिताश्व त्रिवेदी



राष्ट्रीय शाके १९३९	विक्रम संवत् २०७४
श्री साधारण नाम संवत्सरे क्रम-४५ बंगला सन् १४२४ फसली। बंगला चैत्र मास, ता. १३ से वैशाख प्रा. तथा प्रविष्ठा गते तारीख १ प्रारंभ।	(मास :- चैत्र सुदी ५ से वैशाख सुदी ५ तक) ऋतुचर्या-ऋतुराज बसन्तकाल तारीख १९ से प्रखर ग्रीष्म ऋतुकाल प्रारम्भ

अप्रैल 2017

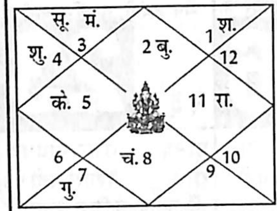
रवि SUN	मु.३ मृगशिरा रा.१० वैशाख सुदी ५ आद्यशंकराचार्य जं. ३० **30**	मु.४ मृगशिरा रा.१२ चैत्र सुदी ६ २ **2**	मु.११ उत्तराफाल्गुनी रा.१९ चैत्र सुदी १३ दमनक चौदस महावीर जं. ९ **9**	मु.१८ ज्येष्ठा रा.२६ वैशाख वदी ५ ईस्टर सन्डे गुरु तेग बहादुर जं. १६ **16**	मु.२५ पूर्वाभाद्रपद रा.३ वैशाख वदी १२ सैन जयंती, वल्लभाचार्य जं. २३ **23**
सोम MON	**अवकाश** 1 बैंक वार्षिक लेखाबंदी, 4 रामनवमी 8 द्वितीय शनिवार 9 महावीर जयन्ती 14 अम्बेडकर जयन्ती 14 गुडफ्राइडे	मु.५ आर्द्रा रा.१३ चैत्र सुदी ७ ३ **3**	मु.१२ हस्त रा.२० चैत्र सुदी १४ पूर्णिमा व्रत १० **10**	मु.१९ मूल रा.२७ वैशाख वदी ६ १७ **17**	मु.२६ उत्तराभाद्रपद रा.४ वैशाख वदी १३ [illegible] प्रदोष, मासिक शिवरात्रि २४ **24**
मंगल TUE	**पंचक नक्षत्र वेला** २१ अप्रेल को पंचक प्रा. दिवा २।२१ से २५ अप्रेल को रात्रि ६।५६ तक	मु.६ पुनर्वसु रा.१४ चैत्र सुदी ८ रामनवमी दुर्गाष्टमी ४ **4**	मु.१३ संत पीपा जं. चित्रा रा.२१ चैत्र सुदी १५ वैशाख स्नान प्रा., जम्भेजि, हजरत अली हनुमान जं., पूर्णिमा ११ **11**	मु.२० पूर्वाषाढ़ा रा.२८ वैशाख वदी ७ तात्याटोपे दिवस गुरु अर्जुनदेव जं. १८ **18**	मु.२७ रेवती रा.५ वैशाख वदी १४ पंचक समा. २५ **25**
बुध WED	**अमृतसिद्धि योग** १, १०, २५, २६, २८, **सर्वार्थसिद्धि योग** १, ६, १०, १४, १५, १६, १७, २३, २४, २५, २६, २८	मु.७ पुष्य रा.१५ चैत्र सुदी ९ नवरात्रि समा. ५ **5**	मु.१४ स्वाति रा.२२ वैशाख वदी १ १२ **12**	मु.२१ उत्तराषाढ़ा रा.२९ वैशाख वदी ८ ग्रीष्म ऋतुकाल प्रा. बूढ़ा बास्योड़ा १९ **19**	मु.२८ अश्विनी रा.६ वैशाख वदी ३० अमावस्या २६ **26**
गुरु THU	**पुष्य नक्षत्र** ४ अप्रेल, भौम पुष्य ५ अप्रेल, बुधे पुष्य	मु.८ आश्लेषा रा.१६ चैत्र सुदी १० शनि वक्री ६ **6**	मु.१५ स्वाति रा.२३ वैशाख वदी २ जलियांवाला बाग दिवस मेष संक्रांति १३ **13**	मु.२२ श्रवण रा.३० वैशाख वदी ९ २० **20**	मु.२९ भरणी रा.७ वैशाख सुदी १ भरणी रवि चन्द्रदर्शन २७ **27**
शुक्र FRI	ॐ	मु.९ मघा रा.१७ चैत्र सुदी ११ विश्व स्वास्थ्य दि. कामदा एकादशी ७ **7**	मु.१६ विशाखा रा.२४ वैशाख वदी ३ गुड फ्राईडे अम्बेडकर जं., चतुर्थी व्रत अश्विनी रवि १४ **14**	मु.२३ धनिष्ठा रा.१ वैशाख वदी १० भा. वैशाख प्रा. पंचक प्रा. २१ **21**	मु.१ कृतिका रा.८ वैशाख सुदी २ सावान (मु) प्रा., परशुराम जं. शिवाजी जं. अगस्त्यास्त २८ **28**
शनि SAT	मु.३ रोहिणी रा.११ चैत्र सुदी ५ श्री पंचमी १ **1**	मु.१० पूर्वाफाल्गुनी रा.१८ चैत्र सुदी १२ हरिदमनोत्सव प्रदोष ८ **8**	मु.१७ अनुराधा रा.२५ वैशाख वदी ४ अनुसूया जं. १५ **15**	मु.२४ शतभिषा रा.२ वैशाख वदी ११ वरुथिनी एकादशी २२ **22**	मु.२ रोहिणी रा.९ वैशाख सुदी ३/४ अक्षय तृतीया २९ **29**

अग्रलेखर, 9829253642

राशि-रत्न-उपरत्न के लिए सम्पर्क करें - एस. पूरणमल कमलकिशोर ज्वैलर्स मो. 9829216124



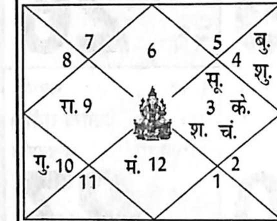
श्री राहुल गांधी की जन्मकुण्डली



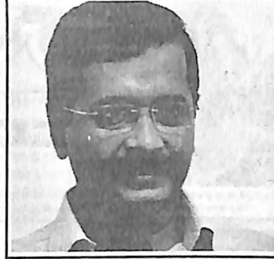
ग्रह की संज्ञा को प्राप्त है। छठे भाव में स्थित गुरु एक हल्के विपरीत राजयोग का निर्माण करता है। इसी योग ने श्रीमान गांधी को कांग्रेस पार्टी का उपाध्यक्ष बनाया तथा कालान्तर में अध्यक्ष पद भी प्राप्त करवा सकता है। किन्तु योगकारक शनि नीचस्थ होने के कारण सत्ता रूपी शुभफल देने में असमर्थ है। ध्यान दें कि श्री गांधी 2017 के नवम्बर मास में मंगल की महादशा में प्रवेश करेंगे। मार्च 2017 तक मंगल की महादशा में मंगल का ही अंतर रहेगा। यह अवधि श्री गांधी के राजनैतिक जीवन में पतन का सूचक बन कर आएगी। अप्रैलल 2019 में आरम्भ हो रही गुरु की अंतरदशा में गंभीर स्वास्थ्य एवं सुरक्षा संकट कांग्रेस पार्टी में चिन्ता का कारण बन सकती है। श्री गांधी की कुण्डली का भारत की राजनीति पर नगण्य प्रभाव ही पड़ता प्रतीत होता है। अतः इन जातक की कुण्डली का और अध्ययन पंचांग के लिए प्रासंगिक नहीं है।



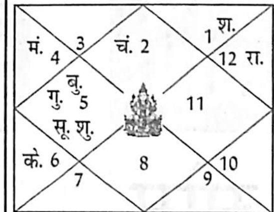
श्री अखिलेश यादव की जन्मकुण्डली



श्री अखिलेश यादव – लोक जानकारी के अनुसार श्रीमान् अखिलेश यादव जी का जन्म समय एवं दिनांक 1 जुलाई 1973, 12:00 ज्ञात हुआ है। इस जन्म समय अनुसार श्री यादव जी का जन्म कन्या लग्न में हुआ है। इस कुण्डली में बुध की महादशा मार्च 2017 तक रहेगी। बुध और गुरु द्वारा उत्पन्न राजयोग ने ही श्री यादव को 2012 में सत्ता दिलायी। इस राजयोग की अवधि अब 2017 में समाप्त होती प्रतीत हो रही है। मार्च 2017 से अगस्त 2017 तक केतु में केतु का ही अन्तर रहेगा। यह काल अवधि श्री यादव के यश के लिए अनुकूल नहीं है। इस संवत् में श्री यादव को अनेक कठिनाईयों का सामना करना पड़ सकता है। किन्तु भविष्य में बनने वाले ग्रह योग 2019 के पश्चात् श्री यादव का राजनीति में उज्जवल भविष्य इंगित करते है। यह जातक आने वाले वर्षों में भारतीय राजनीति में विशेष प्रगति करेंगे। आशा है कि यह शुभ ग्रह योगायोग, राष्ट्रहित की भावना के साथ राजनीति में विकास अनुभव करवाए। संवत् 2072 के पंचांग में स्पष्ट लिखा गया था कि 2016 के अंत तक श्री मुलायम सिंह यादव का राजनीतिक जीवन सन्यास की ओर उन्मुख हो जाएगा। अतः पंचांग के इस अंक में श्री मुलायम सिंह जी की जन्मकुण्डली का विश्लेषण ना करते हुए उन्हें परामर्श देते है कि वह अब ब्रह्म चिंतन एवं आत्म चिंतन में अपना जीवन व्यतीत करें।



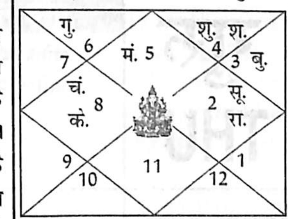
श्री अरविन्द केजरीवाल जन्मकुण्डली



अरविन्द केजरीवाल – श्री केजरीवाल का जन्म वृष लग्न में हुआ है। लग्नेश शुक्र पंचमेश बुध, चतुर्थेश सूर्य के साथ सिंहस्थ है। इस समय श्री केजरीवाल गुरु की महादशा को भोग रहे है। गुरु की महादशा के प्रथम कुछ वर्ष श्री केजरीवाल के लिए अत्यन्त कष्टकारी थे। 2004-2006 तक श्री केजरीवाल को अनेक विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। गुरु की महादशा में लग्नेश की अन्तरदशा काल ने इन्हें सत्ता सुख दिलवाया। यह शुभ योग दिसम्बर 2015 तक चलता रहा। जनवरी 2016 से चन्द्र का अन्तर श्री केजरीवाल की जन्मकुण्डली में आरम्भ हुआ है। चन्द्रमा अपनी उच्च राशि में स्थित होने के कारण अपने अशुभफल कुछ कम दे रहे हैं। अप्रेल 2017 के पश्चात् गुरु में मंगल का अंतर आरम्भ होगा। यह अंतर संवत्सर अंत तक रहेगा। जून 2017 से अगस्त 2017 तक की अवधि श्री केजरीवाल के लिए कठिनाइयां का संकेत कर रही है। द्वादशेश मंगल का छठे भाव पर दृष्टि डालना राजनीतिक लाभ का कारण अवश्य बना किन्तु इसकी अवधि अप्रेल 2018 से अगस्त 2020 के मध्य में फलीभूत न हो पाएगी। 2020 में श्री केजरीवाल शनि की महादशा में प्रवेश करेंगे। संवत् 2074 केजरीवाल के लिए राजनीतिक अशुभफल अधिक इंगित करता है।



श्रीमान् डोनल्ड़ ट्रम्प की जन्मकुण्डली



श्रीमान् डोनल्ड् ट्रम्प – अमेरिका के आगामी राष्ट्रपति श्रीमान् डोनल्ड् ट्रम्प का जन्म सिंह लग्न में हुआ है। नवम्बर 2016 में श्री ट्रम्प ने पंचमेश गुरु की महादशा में प्रवेश किया। गुरु दशम् भाव पर दृष्टिपात करता है। आपके प्रिय विश्वविजय पंचांग में अपने 2073 विक्रमी संवत् के अंक में इनका राष्ट्रपति बनने का पूर्वानुमान करा था। किसी भी और पंचांग ने इसकी परिकल्पना भी नहीं करी थी। हमारा यह कथन 2016 नवम्बर के चुनाव में सत्य सिद्ध हुआ। नवमेश मंगल लग्न में स्थित है। अष्टमेश गुरु छठे एवं अष्टम भाव पर दृष्टिपात कर रहा है। षष्ठेश शनि द्वादश भाव में होकर छठे भाव पर दृष्टिपात कर रहा है। यह सब शुभ उन्नति प्रदायक यश देने वाले योगायोग जातक को राज सत्ता एवं अभूतपूर्व यश प्रदान करते है। सूर्य-चन्द्र का उच्च राहु-केतु से सम्बन्धित होने के कारण श्रीमान ट्रम्प व्यक्तित्व से चंचल एवं बड़बोले रहेंगे। दिसम्बर 2018 तक गुरु की महादशा में गुरु की ही अंतरदशा रहेगी। जुलाई 2017 से अक्टूबर 2017 की काल अवधि इनका यश एवं लोकप्रियता में कुछ कमी का अनुभव कराएगी। फरवरी 2016 से जून 2017 के मध्य विशेष स्वास्थ्य का संकट हो सकता है। श्रीमान् ट्रम्प एवं अमेरीका के सुरक्षा तंत्र को इस काल अवधि में राष्ट्रपति की सुरक्षा के लिए अत्यन्त सतर्क रहना होगा। किसी आतंकी, राजनीतिक षड्यंत्र की ग्रहचाल संकेत दे रही है। यदि यह संकट टल गया तो अमेरीका के यह राष्ट्रपति आने वाले कुछ दशकों के लिए विश्व राजनीति को हमेशा के लिए बदल देंगे।



ज्योतिष्मती कालदर्पण पंचाङ्ग

सोलन

हिमाचल प्रदेश 173212

आद्य सम्पादक - स्व. श्री हरदेव शर्मा त्रिवेदी-ज्योतिषाचार्य

सम्पादक – Er. श्री सुधाकर शर्मा त्रिवेदी
सह सम्पादक – रोहिताश्व त्रिवेदी

राष्ट्रीय शाके १९३९	विक्रम संवत् २०७४
श्री साधारण नाम संवत्सरे क्रम-४५ बंगला सन् १४२४ फसली। बंगला वैशाख मास, ता. १४ से ज्येष्ठ प्रा. तथा प्रविष्ठा गते तारीख १ प्रारंभ।	(मास :- वैशाख सुदी ६ से ज्येष्ठ सुदी ६ तक) ऋतुचर्या-ग्रीष्म ऋतु प्रखर परिताप काल, तारीख २५ से रोहिणी तपन काल प्रारम्भ

मई 2017



रवि SUN	**अवकाश** 13 द्वितीय शनिवार 28 प्रताप जयन्ती	मु.१० उत्तराफाल्गुनी रा.१७ वैशाख सुदी १२ टैगोर जयंती ७ **7**	मु.१७ मूल रा.२४ ज्येष्ठ वदी ३ वृष संक्रांति, चतुर्थी व्रत १४ **14**	मु.२४ पूर्वाभाद्रपद रा.३१ ज्येष्ठ वदी १० राजीव गांधी पु.ति. २१ **21**	मु.१ आर्द्रा रा.७ ज्येष्ठ सुदी ३ रमजान मास प्रा., रोजे प्रा. प्रताप जं. २८ **28**
सोम MON	मु.४ आर्द्रा/पुनर्वसु रा.११ वैशाख सुदी ६ मजदूर दिवस १ **1**	मु.११ हस्त रा.१८ वैशाख सुदी १३ प्रदोष ८ **8**	मु.१८ पूर्वाषाढ़ा रा.२५ ज्येष्ठ वदी ४ १५ **15**	मु.२५ उत्तराभाद्रपद रा.१ ज्येष्ठ वदी ११ भारतीय., अपरा एकादशी ज्येष्ठ प्रा. २२ **22**	मु.२ पुनर्वसु रा.८ ज्येष्ठ सुदी ४ २९ **29**
मंगल TUE	मु.५ पुष्य रा.१२ वैशाख सुदी ७ गंगोत्पत्ति २ **2**	मु.१२ चित्रा रा.१९ वैशाख सुदी १४ बश्वेश्वर जं.,नरसिंह चतुर्दशी गुरु अमरदास जं. ९ **9**	मु.१९ उत्तराषाढ़ा रा.२६ ज्येष्ठ वदी ५ १६ **16**	मु.२६ रेवती रा.२ ज्येष्ठ वदी १२ पंचक समा., प्रदोष २३ **23**	मु.३ पुष्य रा.९ ज्येष्ठ सुदी ५ श्रुति पंचमी पर्व ३० **30**
बुध WED	मु.६ आश्लेषा रा.१३ वैशाख सुदी ८ ३ **3**	मु.१३ स्वाति रा.२० वैशाख सुदी १५ कूर्म जं. पूर्णिमा १० **10**	मु.२० उत्तराषाढ़ा रा.२७ ज्येष्ठ वदी ६ १७ **17**	मु.२७ अश्विनी/भरणी रा.३ ज्येष्ठ वदी १३/१४ मासिक शिवरात्रि २४ **24**	मु.४ आश्लेषा रा.१० ज्येष्ठ सुदी ६ संत टेऊँराम पु.ति. ३१ **31**
गुरु THU	मु.७ मघा रा.१४ वैशाख सुदी ९ सीता नवमी ४ **4**	मु.१४ विशाखा रा.२१ ज्येष्ठ वदी १ शब्बेरात, कृतिका रवि मदर्स डे ११ **11**	मु.२१ श्रवण रा.२८ ज्येष्ठ वदी ७ पंचक प्रा. १८ **18**	मु.२८ अमावस्या कृतिका रा.४ ज्येष्ठ वदी ३० रोहिणी रवि, शनैश्चर जं. रोहिणी तपन प्रा. वटसावित्री व्रत २५ **25**	**पुष्य नक्षत्र** २ मई, भौम पुष्य २९ मई, सोम पुष्य ३० मई, भौम पुष्य
शुक्र FRI	मु.८ पूर्वाफाल्गुनी रा.१५ वैशाख सुदी १० ५ **5**	मु.१५ अनुराधा रा.२२ ज्येष्ठ वदी २ नारद जयन्ती १२ **12**	मु.२२ धनिष्ठा रा.२९ ज्येष्ठ वदी ८ १९ **19**	मु.२९ रोहिणी रा.५ ज्येष्ठ सुदी १ गंगादशाश्वमेध स्नान प्रा. २६ **26**	**पंचक नक्षत्र वेला** १८ मई से पंचक प्रारम्भ २१:१४ से २३ मई को पंचक समाप्त ०८:२६ तक
शनि SAT	मु.९ पूर्वाफाल्गुनी रा.१६ वैशाख सुदी ११ मोहिनी एकादशी ६ **6**	मु.१६ ज्येष्ठा रा.२३ ज्येष्ठ वदी २ १३ **13**	मु.२३ शतभिषा रा.३० ज्येष्ठ वदी ९ २० **20**	मु.३० मृगशिरा रा.६ ज्येष्ठ सुदी २ नेहरू पु.ति., चन्द्रदर्शन रम्भा व्रत २७ **27**	**अमृतसिद्धि योग** ७,८,२३,२४ **सर्वार्थसिद्धि योग** २,३,४,७,११,१२ १४,२१,२२,२३,२४,२५, २६,३०,३१

अचलेश्वर, 9829253642

ज्योतिष परामर्श एवं कुण्डली जानने के लिए सम्पर्क करें - 9871956320

संवत् 2074 के विभिन्न शुभ मुहूर्त्त

सगाई

18.04.2017	मंगलवार	वैशाख कृ.7	13:40 से 22:10
23.04.2017	रविवार	वैशाख कृ.12	05:48 से 22:42
27.04.2017	गुरुवार	वैशाख शु.1	16:31 से 22:26
28.04.2017	शुक्रवार	वैशाख शु.2	05:43 से 22:22
29.04.2017	शनिवार	वैशाख शु.3	05:42 से 06:56
30.04.2017	रविवार	वैशाख शु.5	05:41 से 08:33
04.05.2017	गुरुवार	वैशाख शु.9	19:30 से 21:59
05.05.2017	शुक्रवार	वैशाख शु.10	05:37 से 15:38
05.05.2017	शुक्रवार	वैशाख शु.11	19:14 से 23:49
06.05.2017	शनिवार	वैशाख शु.11	06:09 से 08:04
06.05.2017	शनिवार	वैशाख शु.12	20:30 से 23:55
07.05.2017	रविवार	वैशाख शु.12	05:36 से 14:12
07.05.2017	रविवार	वैशाख शु.13	20:41 से 23:51
08.05.2017	सोमवार	वैशाख शु.13	05:35 से 22:50
12.05.2017	शुक्रवार	ज्येष्ठ कृ.2	05:32 से 20:12
20.05.2017	शनिवार	ज्येष्ठ कृ.9	20:29 से 23:00
21.05.2017	रविवार	ज्येष्ठ कृ.10	16:42 से 17:00
22.05.2017	सोमवार	ज्येष्ठ कृ.11	05:27 से 22:52
23.05.2017	मंगलवार	ज्येष्ठ कृ.12	05:27 से 07:36
23.05.2017	मंगलवार	ज्येष्ठ कृ.12	09:12 से 12:03
26.05.2017	शुक्रवार	ज्येष्ठ शु.1	21:18 से 22:36
27.05.2017	शनिवार	ज्येष्ठ शु.2	05:25 से 14:40
27.05.2017	शनिवार	ज्येष्ठ शु.3	16:40 से 18:07
31.05.2017	बुधवार	ज्येष्ठ शु.6	12:01 से 22:17
01.06.2017	गुरुवार	ज्येष्ठ शु.7	05:24 से 06:20
03.06.2017	शनिवार	ज्येष्ठ शु.8	06:51 से 17:25
05.06.2017	सोमवार	ज्येष्ठ शु.11	09:43 से 22:13
06.06.2017	मंगलवार	ज्येष्ठ शु.12	10:35 से 20:27
19.06.2017	सोमवार	आषाढ़ कृ.10	05:24 से 14:20
27.06.2017	मंगलवार	आषाढ़ शु.4	20:46 से 23:40
28.06.2017	बुधवार	आषाढ़ शु.5	05:26 से 18:33
30.06.2017	शुक्रवार	आषाढ़ शु.7	05:52 से 18:01
02.07.2017	रविवार	आषाढ़ शु.9	20:20 से 23:21
03.07.2017	सोमवार	आषाढ़ शु.10	05:28 से 23:17
06.07.2017	गुरुवार	आषाढ़ शु.13	05:29 से 08:24
09.07.2017	रविवार	आषाढ़ शु.15	09:36 से 10:38
10.07.2017	सोमवार	श्रावण कृ.1	12:20 से 19:09
14.07.2017	शुक्रवार	श्रावण कृ.5	05:33 से 14:05
19.07.2017	बुधवार	श्रावण कृ.11	19:45 से 23:39
20.07.2017	गुरुवार	श्रावण कृ.12	06:36 से 23:35
25.07.2017	मंगलवार	श्रावण शु.2	19:33 से 23:15
26.07.2017	बुधवार	श्रावण शु.3	05:39 से 08:09
28.07.2017	शुक्रवार	श्रावण शु.5	05:40 से 06:38
29.07.2017	शनिवार	श्रावण शु.6	07:01 से 23:00
30.07.2017	रविवार	श्रावण शु.7	05:41 से 08:07
01.08.2017	मंगलवार	श्रावण शु.10	12:21 से 22:48
02.08.2017	बुधवार	श्रावण शु.10	05:43 से 15:16
04.08.2017	शुक्रवार	श्रावण शु.13	19:08 से 22:36
05.08.2017	शनिवार	श्रावण शु.13	05:45 से 10:21
10.08.2017	गुरुवार	भाद्रपद कृ.3	05:48 से 12:41
12.08.2017	शनिवार	भाद्रपद कृ.5	05:49 से 13:51
12.08.2017	शनिवार	भाद्रपद कृ.5	15:51 से 22:04
17.08.2017	गुरुवार	भाद्रपद कृ.11	12:43 से 21:36
23.08.2017	बुधवार	भाद्रपद शु.2	05:55 से 22:56
24.08.2017	गुरुवार	भाद्रपद शु.3	05:55 से 20:27
25.08.2017	शुक्रवार	भाद्रपद शु.5	20:32 से 22:49
26.08.2017	शनिवार	भाद्रपद शु.5	05:56 से 21:18
28.08.2017	सोमवार	भाद्रपद शु.7	20:10 से 22:37
31.08.2017	गुरुवार	भाद्रपद शु.10	05:59 से 22:25
01.09.2017	शुक्रवार	भाद्रपद शु.11	05:59 से 20:40
02.09.2017	शनिवार	भाद्रपद शु.12	09:38 से 22:17
03.09.2017	रविवार	भाद्रपद शु.12	06:00 से 09:37
25.09.2017	सोमवार	आश्विन शु.5	06:11 से 14:28
30.09.2017	शनिवार	आश्विन शु.10	06:14 से 22:22
01.10.2017	रविवार	आश्विन शु.11	06:14 से 14:15
06.10.2017	शुक्रवार	कार्तिक कृ.1	08:13 से 09:40
09.10.2017	सोमवार	कार्तिक कृ.5	14:18 से 15:53
12.11.2017	रविवार	मार्गशीर्ष कृ.10	12:43 से 21:48
14.11.2017	मंगलवार	मार्गशीर्ष कृ.11	06:43 से 12:43
19.11.2017	रविवार	मार्गशीर्ष शु.2	19:15 से 21:20
23.11.2017	गुरुवार	मार्गशीर्ष शु.5	06:59 से 21:05
25.11.2017	शनिवार	मार्गशीर्ष शु.7	07:58 से 12:48
28.11.2017	मंगलवार	मार्गशीर्ष शु.10	17:21 से 20:45
29.11.2017	बुधवार	मार्गशीर्ष शु.11	06:55 से 20:41
30.11.2017	गुरुवार	मार्गशीर्ष शु.12	19:55 से 20:25
01.12.2017	शुक्रवार	मार्गशीर्ष शु.13	06:57 से 14:25
04.12.2017	सोमवार	पौष कृ.1/2	06:59 से 22:42
09.12.2017	शनिवार	पौष कृ.7	14:11 से 22:22
12.12.2017	मंगलवार	पौष कृ.10	07:05 से 13:41
13.12.2017	बुधवार	पौष कृ.11	07:05 से 20:58
04.02.2018	रविवार	फाल्गुन कृ.5	08:58 से 23:12
05.02.2018	सोमवार	फाल्गुन कृ.5	07:07 से 08:05
17.02.2018	शनिवार	फाल्गुन शु.2	11:27 से 22:21
18.02.2018	रविवार	फाल्गुन शु.3	06:57 से 22:17
20.02.2018	मंगलवार	फाल्गुन शु.5	06:56 से 13:15
20.02.2018	मंगलवार	फाल्गुन शु.5	14:51 से 22:09
22.02.2018	गुरुवार	फाल्गुन शु.7	13:34 से 19:23
03.03.2018	शनिवार	चैत्र कृ.2	06:45 से 20:55
06.03.2018	मंगलवार	चैत्र कृ.5	06:41 से 17:45
08.03.2018	गुरुवार	चैत्र कृ.7	14:48 से 17:20
08.03.2018	गुरुवार	चैत्र कृ.7	18:32 से 23:25
12.03.2018	सोमवार	चैत्र कृ.11	11:14 से 20:38

द्विरागमन

19.04.2017	बुधवार	वैशाख कृ.8	05:52 से 24:20
24.04.2017	सोमवार	वैशाख कृ.13	07:20 से 09:21
26.04.2017	बुधवार	वैशाख शु.1	17:46 से 19:20
28.04.2017	शुक्रवार	वैशाख शु.3	13:39 से 24:26
08.05.2017	सोमवार	वैशाख शु.13	05:35 से 23:16
12.05.2017	शुक्रवार	ज्येष्ठ कृ.2	05:32 से 20:12
23.11.2017	गुरुवार	मार्गशीर्ष शु.5	06:59 से 25:23
24.11.2017	शुक्रवार	मार्गशीर्ष शु.6	06:51 से 25:38
27.11.2017	सोमवार	मार्गशीर्ष शु.8	09:41 से 11:03
29.11.2017	बुधवार	मार्गशीर्ष शु.10	06:55 से 22:15
30.11.2017	गुरुवार	मार्गशीर्ष शु.12	19:55 से 25:15
01.12.2017	शुक्रवार	मार्गशीर्ष शु.13	06:57 से 14:28
04.12.2017	सोमवार	पौष कृ.1/2	06:59 से 27:15
16.02.2018	शुक्रवार	फाल्गुन शु.1	09:42 से 27:03
21.02.2018	बुधवार	फाल्गुन शु.6	06:55 से 14:01
02.03.2018	शुक्रवार	चैत्र कृ.1	22:08 से 25:24
05.03.2018	सोमवार	चैत्र कृ.4	24:40 से 25:26
07.03.2018	बुधवार	चैत्र कृ.6	22:34 से 25:48
08.03.2018	गुरुवार	चैत्र कृ.7	14:48 से 17:20
08.03.2018	गुरुवार	चैत्र कृ.7	18:32 से 23:25
12.03.2018	सोमवार	चैत्र कृ.11	11:14 से 20:38

गृहारम्भ

19.04.2017	बुधवार	वैशाख कृ.8	05:52 से 20:39
22.04.2017	शनिवार	वैशाख कृ.11	05:49 से 20:27
28.04.2017	शुक्रवार	वैशाख शु.3	13:39 से 24:26
29.04.2017	शनिवार	वैशाख शु.3	05:42 से 06:56
06.05.2017	शनिवार	वैशाख शु.11	06:09 से 08:04
08.05.2017	सोमवार	वैशाख शु.13	09:43 से 19:25
27.05.2017	शनिवार	ज्येष्ठ शु.2	10:14 से 14:40
27.05.2017	शनिवार	ज्येष्ठ शु.2	16:40 से 18:07
03.06.2017	शनिवार	ज्येष्ठ शु.8	13:26 से 19:23
20.07.2017	गुरुवार	श्रावण कृ.12	05:36 से 20:41
21.07.2017	शुक्रवार	श्रावण कृ.13	05:36 से 12:48
31.07.2017	सोमवार	श्रावण शु.8	05:42 से 09:39
02.08.2017	बुधवार	श्रावण शु.10	05:43 से 15:16
23.08.2017	बुधवार	भाद्रपद शु.2	14:04 से 19:56
24.08.2017	गुरुवार	भाद्रपद शु.3	05:55 से 19:52
26.08.2017	शनिवार	भाद्रपद शु.5	15:51 से 19:44
02.09.2017	शनिवार	भाद्रपद शु.12	09:38 से 19:17
06.09.2017	बुधवार	भाद्रपद शु.15	06:02 से 12:56
08.09.2017	शुक्रवार	आश्विन कृ.2	06:03 से 18:53
13.09.2017	बुधवार	आश्विन कृ.8	06:05 से 18:34
09.11.2017	गुरुवार	मार्गशीर्ष कृ.6	13:39 से 16:42
27.11.2017	सोमवार	मार्गशीर्ष शु.8	06:54 से 09:41
29.11.2017	बुधवार	मार्गशीर्ष शु.10	06:55 से 18:27
04.12.2017	सोमवार	पौष कृ.1/2	06:59 से 17:29
05.02.2018	सोमवार	फाल्गुन कृ.6	10:17 से 12:10
05.02.2018	सोमवार	फाल्गुन कृ.6	14:10 से 18:34
07.02.2018	बुधवार	फाल्गुन कृ.8	07:06 से 12:16
17.02.2018	शनिवार	फाल्गुन शु.2	06:58 से 11:27

गृहप्रवेश (पुराना)

12.04.2017	बुधवार	वैशाख कृ.1	05:59 से 09:00 12.
04.2017	बुधवार	वैशाख कृ.1	10:12 से 29:58
19.04.2017	बुधवार	वैशाख कृ.8	05:52 से 24:20
20.04.2017	गुरुवार	वैशाख कृ.9	28:55 से 29:50
21.04.2017	शुक्रवार	वैशाख कृ.10	05:50 से 16:58
21.04.2017	शुक्रवार	वैशाख कृ.10	28:55 से 29:49
22.04.2017	शनिवार	वैशाख कृ.11	05:49 से 26:32
24.04.2017	सोमवार	वैशाख कृ.13	05:47 से 07:21
28.04.2017	शुक्रवार	वैशाख शु.2	13:39 से 29:42
29.04.2017	शनिवार	वैशाख शु.3	05:42 से 06:56
29.04.2017	शनिवार	वैशाख शु.4	27:40 से 29:41
01.05.2017	सोमवार	वैशाख शु.6	29:16 से 29:40
06.05.2017	शनिवार	वैशाख शु.11	06:09 से 08:04
06.05.2017	शनिवार	वैशाख शु.12	20:30 से 29:36
08.05.2017	सोमवार	वैशाख शु.13	09:43 से 23:18
11.05.2017	गुरुवार	ज्येष्ठ कृ.1	29:21 से 29:32
12.05.2017	शुक्रवार	ज्येष्ठ कृ.2	05:32 से 20:12
17.05.2017	बुधवार	ज्येष्ठ कृ.6	05:29 से 07:25
18.05.2017	गुरुवार	ज्येष्ठ कृ.7	09:26 से 22:12
19.05.2017	शुक्रवार	ज्येष्ठ कृ.8	05:28 से 18:11
22.05.2017	सोमवार	ज्येष्ठ कृ.11	05:27 से 25:29
26.05.2017	शुक्रवार	ज्येष्ठ शु.1	05:25 से 25:33
27.05.2017	शनिवार	ज्येष्ठ शु.2	05:25 से 14:40
27.05.2017	शनिवार	ज्येष्ठ शु.2	16:40 से 18:07
29.05.2017	सोमवार	ज्येष्ठ शु.4	13:25 से 28:02
03.06.2017	शनिवार	ज्येष्ठ शु.9	06:51 से 13:26
05.06.2017	सोमवार	ज्येष्ठ शु.11	09:43 से 22:13
10.07.2017	सोमवार	श्रावण कृ.1	12:20 से 19:09
13.07.2017	गुरुवार	श्रावण कृ.4	14:45 से 24:00
14.07.2017	शुक्रवार	श्रावण कृ.5	24:41 से 29:33
15.07.2017	शनिवार	श्रावण कृ.6	05:33 से 09:02
15.07.2017	शनिवार	श्रावण कृ.6	11:26 से 14:34
15.07.2017	शनिवार	श्रावण कृ.7	26:10 से 29:34
19.07.2017	बुधवार	श्रावण कृ.10	19:45 से 29:36
20.07.2017	गुरुवार	श्रावण कृ.12	05:36 से 29:36
21.07.2017	शुक्रवार	श्रावण कृ.13	05:36 से 12:48
24.07.2017	सोमवार	श्रावण शु.1	05:38 से 07:43
27.07.2017	गुरुवार	श्रावण शु.4	07:01 से 28:39
28.07.2017	शुक्रवार	श्रावण शु.5	19:40 से 29:41
29.07.2017	शनिवार	श्रावण शु.6	05:41 से 29:41
31.07.2017	सोमवार	श्रावण शु.8	05:42 से 09:39
02.08.2017	बुधवार	श्रावण शु.10	05:43 से 15:16
05.10.2017	गुरुवार	आश्विन शु.15	24:10 से 28:37
06.10.2017	शुक्रवार	कार्तिक कृ.1	08:13 से 18:43
09.10.2017	सोमवार	कार्तिक कृ.4	14:16 से 15:53
11.10.2017	बुधवार	कार्तिक कृ.6	06:20 से 09:10
13.10.2017	शुक्रवार	कार्तिक कृ.9	27:22 से 30:21
14.10.2017	शनिवार	कार्तिक कृ.10	06:21 से 06:53
16.10.2017	सोमवार	कार्तिक कृ.12	30:12 से 30:23
19.10.2017	गुरुवार	कार्तिक कृ.30	24:42 से 30:25
20.10.2017	शुक्रवार	कार्तिक शु.1	06:25 से 30:26
21.10.2017	शनिवार	कार्तिक शु.2	06:26 से 10:17
26.10.2017	गुरुवार	कार्तिक शु.6	23:52 से 30:30
27.10.2017	शुक्रवार	कार्तिक शु.7	06:30 से 14:45
30.10.2017	सोमवार	कार्तिक शु.10	06:32 से 30:33
01.11.2017	बुधवार	कार्तिक शु.12	07:41 से 30:34
02.11.2017	गुरुवार	कार्तिक शु.13	06:34 से 13:46
02.11.2017	गुरुवार	कार्तिक शु.13	14:58 से 16:12
06.11.2017	सोमवार	मार्गशीर्ष कृ.3	09:30 से 14:38
09.11.2017	गुरुवार	मार्गशीर्ष कृ.6	13:39 से 16:42
09.11.2017	गुरुवार	मार्गशीर्ष कृ.7	27:42 से 28:05
13.11.2017	सोमवार	मार्गशीर्ष कृ.10	23:59 से 30:43
15.11.2017	बुधवार	मार्गशीर्ष कृ.12	13:46 से 30:45
18.11.2017	शनिवार	मार्गशीर्ष शु.1	19:24 से 21:16
18.11.2017	शनिवार	मार्गशीर्ष शु.1	23:40 से 30:47
23.11.2017	गुरुवार	मार्गशीर्ष शु.5	06:59 से 30:51
24.11.2017	शुक्रवार	मार्गशीर्ष शु.6	06:51 से 10:03
25.11.2017	शनिवार	मार्गशीर्ष शु.7	12:48 से 26:37
25.11.2017	शनिवार	मार्गशीर्ष शु.7	30:13 से 30:53
27.11.2017	सोमवार	मार्गशीर्ष शु.8	06:54 से 11:03
29.11.2017	बुधवार	मार्गशीर्ष शु.10	06:55 से 22:15



ज्योतिष्मती कालदर्पण पंचाङ्ग

सोलन

हिमाचल प्रदेश 173212

आद्य सम्पादक - स्व. श्री हरदेव शर्मा त्रिवेदी-ज्योतिषाचार्य

सम्पादक – Er. श्री सुधाकर शर्मा त्रिवेदी
सह सम्पादक – रोहिताश्व त्रिवेदी



राष्ट्रीय शाके १९३९	विक्रम संवत् २०७४
श्री साधारण नाम संवत्सरे क्रम-४५ बंगला सन् १४२४ फसली। बंगला ज्येष्ठ मास, ता. १५ से आषाढ़ प्रा. तथा प्रविष्ठा गते तारीख १ प्रारंभ।	(मास :- ज्येष्ठ सुदी ७ से आषाढ़ सुदी ७ तक) ऋतुचर्या-परम प्रखर ग्रीष्मकाल, तारीख २१ से वर्षा ऋतु प्रवाह प्रारम्भ

जून 2017

रवि SUN	**अवकाश** 10 द्वितीय शनिवार 26 ईदुलफितर (मीठी ईद) चांद से	मु.८ हस्त रा.१४ ज्येष्ठ सुदी १० निर्जला एकादशी स्मार्त ४ **4**	मु.१५ मूल रा.२१ आषाढ़ वदी २ ११ **11**	मु.२२ उत्तराभाद्रपद रा.२८ आषाढ़ वदी ९ १८ **18**	मु.२९ पुनर्वसु रा.४ आषाढ़ सुदी २ जगदीश रथ यात्रा, चन्द्रदर्शन २५ **25**
सोम MON	**पुष्य नक्षत्र** २५ जून, रवि पुष्य २६ जून, सोम पुष्य	मु.९ चित्रा रा.१५ ज्येष्ठ सुदी ११ निर्जला एकादशी वै. ५ **5**	मु.१६ पूर्वाषाढ़ा रा.२२ आषाढ़ वदी ३ १२ **12**	मु.२३ रेवती रा.२९ आषाढ़ वदी १० पंचक समाप्त १९ **19**	मु.१ पुष्य रा.५ आषाढ़ सुदी ३ इदुलफितर मीठी ईद सव्वाल मास प्रा. २६ **26**
मंगल TUE	**पंचक नक्षत्र वेला** १४/१५ जून से पंचक प्रारम्भ २८:२८ से १६ जून को पंचक समाप्त १७:३० तक	मु.१० स्वाति रा.१६ ज्येष्ठ सुदी १२ प्रदोष ६ **6**	मु.१७ उत्तराषाढ़ा रा.२३ आषाढ़ वदी ४ अंगारकी चतुर्थी व्रत १३ **13**	मु.२४ अश्विनी रा.३० आषाढ़ वदी ११ योगिनी एकादशी २० **20**	मु.२ आश्लेषा रा.६ आषाढ़ सुदी ४ २७ **27**
बुध WED	卐	मु.११ विशाखा रा.१७ ज्येष्ठ सुदी १३ ७ **7**	मु.१८ श्रवण रा.२४ आषाढ़ वदी ५ १४ **14**	मु.२५ भरणी रा.३१ आषाढ़ वदी १२ सायन दक्षिणायन प्रा. , प्रदोष वर्षा ऋतु प्रवाह प्रा. शनि वृश्चिक में २१ **21**	मु.३ मघा रा.७ आषाढ़ सुदी ५ २८ **28**
गुरु THU	मु.५ मघा रा.११ ज्येष्ठ सुदी ७ दुर्गाष्टमी, धूमावती जं. १ **1**	मु.१२ अनुराधा रा.१८ ज्येष्ठ सुदी १४ मृगशिरा रवि ८ **8**	मु.१९ धनिष्ठा रा.२५ आषाढ़ वदी ६ पंचक प्रा. मिथुन संक्रांति १५ **15**	मु.२६ शब्बेकद्र कृतिका रा.१ आषाढ़ वदी १३ भारतीय आषाढ़ प्रा. मासिक शिवरात्रि आर्द्रा रवि २२ **22**	मु.४ पूर्वाफाल्गुनी रा.८ आषाढ़ सुदी ६ स्कन्ध षष्ठी संत टेऊँराम जं. २९ **29**
शुक्र FRI	मु.६ पूर्वाफाल्गुनी रा.१२ ज्येष्ठ सुदी ८ २ **2**	मु.१३ ज्येष्ठा रा.१९ ज्येष्ठ सुदी १५ कबीर जं., पूर्णिमा ९ **9**	मु.२० शतभिषा रा.२६ आषाढ़ वदी ७ १६ **16**	मु.२७ रोहिणी/मृगशिरा रा.२ आषाढ़ वदी १४ जमातुलविदा, पितृकार्य अमा. २३ **23**	मु.५ उत्तराफाल्गुरी रा.९ आषाढ़ सुदी ७ ३० **30**
शनि SAT	मु.७ उत्तराफाल्गुनी रा.१३ ज्येष्ठ सुदी ९ गंगा दशहरा ३ **3**	मु.१४ मूल रा.२० आषाढ़ वदी १ गुरु हर गोविन्द सिंह जं. गुरु मार्गी १० **10**	मु.२१ पूर्वाभाद्रपद रा.२७ आषाढ़ वदी ८ शहादत-ए- हजरत अली १७ **17**	मु.२८ आर्द्रा रा.३ आषाढ़ वदी ३०/१ अमावस्या, गुप्त नवरात्रि प्रा. २४ **24**	**अमृतसिद्धि योग** ४, ७, ८, २० **सर्वार्थसिद्धि योग** ४, ७, ८, ११, १८, २०, २१, २२, २५, २६, २७

राशि-रत्न-उपरत्न के लिए सम्पर्क करें - एस. पूरणमल कमलकिशोर ज्वैलर्स मो. 9829216124

अचलेश्वर, 9829253642

03.01.2018	बुधवार	माघ कृ.2	22:04 से 30:07
06.01.2018	शनिवार	माघ कृ.5	25:20 से 31:15
08.01.2018	सोमवार	माघ कृ.7	25:45 से 31:15
10.01.2018	बुधवार	माघ कृ.9	17:25 से 29:01
12.01.2018	शुक्रवार	माघ कृ.11	07:57 से 31:15
13.01.2018	शनिवार	माघ कृ.12	07:15 से 10:14
17.01.2018	बुधवार	माघ शु.1	07:47 से 09:46
17.01.2018	बुधवार	माघ शु.1	10:58 से 22:18
18.01.2018	गुरुवार	माघ शु.1	23:02 से 31:15
19.01.2018	शुक्रवार	माघ शु.2	07:15 से 11:02
20.01.2018	शनिवार	माघ शु.3	11:18 से 14:11
22.01.2018	सोमवार	माघ शु.5	07:14 से 31:14
24.01.2018	बुधवार	माघ शु.7	07:13 से 07:46
26.01.2018	शुक्रवार	माघ शु.9	30:03 से 31:12
27.01.2018	शनिवार	माघ शु.10	07:12 से 21:55
05.02.2018	सोमवार	फाल्गुन कृ.6	10:17 से 12:10
05.02.2018	सोमवार	फाल्गुन कृ.6	14:10 से 31:07
07.02.2018	बुधवार	फाल्गुन कृ.7	07:06 से 12:16
09.02.2018	शुक्रवार	फाल्गुन कृ.9	14:34 से 16:55
15.02.2018	गुरुवार	फाल्गुन कृ.30	27:40 से 30:59
16.02.2018	शुक्रवार	फाल्गुन शु.1	06:59 से 30:58
17.02.2018	शनिवार	फाल्गुन शु.2	06:58 से 11:27
19.02.2018	सोमवार	फाल्गुन शु.4	29:15 से 30:56
24.02.2018	शनिवार	फाल्गुन शु.9	22:36 से 30:51
26.02.2018	सोमवार	फाल्गुन शु.12	30:00 से 30:49

गृहप्रवेश नवीन

19.04.2017	बुधवार	वैशाख कृ.8	05:52 से 24:20
24.04.2017	सोमवार	वैशाख कृ.13	05:47 से 07:21
28.04.2017	शुक्रवार	वैशाख शु.2	13:39 से 29:42
29.04.2017	शनिवार	वैशाख शु.3	05:42 से 06:56
29.04.2017	शनिवार	वैशाख शु.4	27:40 से 29:41
06.05.2017	शनिवार	वैशाख शु.11	06:09 से 08:04
06.05.2017	शनिवार	वैशाख शु.12	20:30 से 29:36
08.05.2017	सोमवार	वैशाख शु.13	09:43 से 23:18
11.05.2017	गुरुवार	ज्येष्ठ कृ.1	29:21 से 29:32
12.05.2017	शुक्रवार	ज्येष्ठ कृ.2	05:32 से 20:12
22.05.2017	सोमवार	ज्येष्ठ कृ.11	05:27 से 25:29
26.05.2017	शुक्रवार	ज्येष्ठ शु.1	05:25 से 25:33
27.05.2017	शनिवार	ज्येष्ठ शु.2	05:25 से 14:40
27.05.2017	शनिवार	ज्येष्ठ शु.2	16:40 से 18:07
03.06.2017	शनिवार	ज्येष्ठ शु.9	06:51 से 13:26
05.06.2017	सोमवार	ज्येष्ठ शु.11	09:43 से 22:13

देवप्रतिष्ठा

19.04.2017	बुधवार	वैशाख कृ.8	05:52 से 13:52
22.04.2017	शनिवार	वैशाख कृ.11	05:49 से 15:52
24.04.2017	सोमवार	वैशाख कृ.13	05:47 से 07:21
28.04.2017	शुक्रवार	वैशाख शु.2	13:39 से 15:28
29.04.2017	शनिवार	वैशाख शु.3	05:42 से 06:56
30.04.2017	रविवार	वैशाख शु.4	05:41 से 08:33
06.05.2017	शनिवार	वैशाख शु.11	06:09 से 08:04
07.05.2017	रविवार	वैशाख शु.12	05:36 से 14:12
08.05.2017	सोमवार	वैशाख शु.13	05:35 से 14:49
12.05.2017	शुक्रवार	ज्येष्ठ कृ.2	05:32 से 14:33
19.05.2017	शुक्रवार	ज्येष्ठ कृ.8	10:48 से 16:22
22.05.2017	सोमवार	ज्येष्ठ कृ.11	05:27 से 14:36
24.05.2017	बुधवार	ज्येष्ठ कृ.13	05:26 से 06:02
26.05.2017	शुक्रवार	ज्येष्ठ शु.1	05:25 से 15:54
27.05.2017	शनिवार	ज्येष्ठ शु.2	05:25 से 14:40
29.05.2017	सोमवार	ज्येष्ठ शु.4	13:25 से 15:42
03.06.2017	शनिवार	ज्येष्ठ शु.8	06:51 से 15:23
05.06.2017	सोमवार	ज्येष्ठ शु.11	09:43 से 15:15
19.06.2017	सोमवार	आषाढ़ कृ.10	05:24 से 14:20
07.02.2018	बुधवार	फाल्गुन कृ.7	07:06 से 12:16
16.02.2018	शुक्रवार	फाल्गुन शु.1	06:59 से 13:16
17.02.2018	शनिवार	फाल्गुन शु.2	06:58 से 11:27
18.02.2018	रविवार	फाल्गुन शु.3	12:46 से 14:51
21.02.2018	बुधवार	फाल्गुन शु.6	06:55 से 14:01
03.03.2018	शनिवार	चैत्र कृ.2	06:45 से 14:32
04.03.2018	रविवार	चैत्र कृ.3	06:44 से 13:38
12.03.2018	सोमवार	चैत्र कृ.11	11:14 से 13:56

व्यापारारम्भ

19.04.2017	बुधवार	वैशाख कृ.8	05:52 से 20:39
24.04.2017	सोमवार	वैशाख कृ.13	07:20 से 09:21
26.04.2017	बुधवार	वैशाख शु.1	17:46 से 19:20
28.04.2017	शुक्रवार	वैशाख शु.3	13:39 से 20:04
29.04.2017	शनिवार	वैशाख शु.3	05:42 से 06:56
30.04.2017	रविवार	वैशाख शु.5	05:41 से 08:33
06.05.2017	शनिवार	वैशाख शु.11	06:09 से 08:04
07.05.2017	रविवार	वैशाख शु.12	05:36 से 15:00
07.05.2017	रविवार	वैशाख शु.13	16:12 से 19:28
08.05.2017	सोमवार	वैशाख शु.13	05:35 से 19:25
12.05.2017	शुक्रवार	ज्येष्ठ कृ.2	05:32 से 19:09
17.05.2017	बुधवार	ज्येष्ठ कृ.6	05:29 से 07:25
21.05.2017	रविवार	ज्येष्ठ कृ.10	16:42 से 20:52
22.05.2017	सोमवार	ज्येष्ठ कृ.11	05:27 से 20:48
24.05.2017	बुधवार	ज्येष्ठ कृ.13	05:26 से 06:02
26.05.2017	शुक्रवार	ज्येष्ठ शु.1	05:25 से 20:32
27.05.2017	शनिवार	ज्येष्ठ शु.2	05:25 से 14:40
27.05.2017	शनिवार	ज्येष्ठ शु.3	16:40 से 18:07
29.05.2017	सोमवार	ज्येष्ठ शु.4	13:25 से 20:21
03.06.2017	शनिवार	ज्येष्ठ शु.8	06:51 से 19:23
05.06.2017	सोमवार	ज्येष्ठ शु.11	09:43 से 17:47
12.06.2017	सोमवार	आषाढ़ कृ.3	10:50 से 12:19
17.06.2017	शनिवार	आषाढ़ कृ.8	18:47 से 21:10
19.06.2017	सोमवार	आषाढ़ कृ.10	05:24 से 14:20
22.06.2017	गुरुवार	आषाढ़ कृ.13	12:25 से 15:38
26.06.2017	सोमवार	आषाढ़ शु.3	05:25 से 20:35
30.06.2017	शुक्रवार	आषाढ़ शु.7	05:52 से 18:01
01.07.2017	शनिवार	आषाढ़ शु.8	17:15 से 18:52
05.07.2017	बुधवार	आषाढ़ शु.12	05:28 से 19:59
06.07.2017	गुरुवार	आषाढ़ शु.13	05:29 से 08:24
10.07.2017	सोमवार	श्रावण कृ.1	12:20 से 19:09
15.07.2017	शनिवार	श्रावण कृ.6	05:33 से 09:02
15.07.2017	शनिवार	श्रावण कृ.6	11:26 से 14:34
17.07.2017	सोमवार	श्रावण कृ.8	05:34 से 12:05
20.07.2017	गुरुवार	श्रावण कृ.12	05:36 से 20:41
21.07.2017	शुक्रवार	श्रावण कृ.13	05:36 से 12:48
23.07.2017	रविवार	श्रावण शु.1	15:15 से 20:31
24.07.2017	सोमवार	श्रावण शु.1	05:38 से 07:43
27.07.2017	गुरुवार	श्रावण शु.4	07:01 से 20:15
28.07.2017	शुक्रवार	श्रावण शु.5	05:40 से 20:11
29.07.2017	शनिवार	श्रावण शु.6	05:41 से 19:29
30.07.2017	रविवार	श्रावण शु.7	05:41 से 07:23
02.08.2017	बुधवार	श्रावण शु.10	05:43 से 15:16
12.08.2017	शनिवार	भाद्रपद कृ.5	05:49 से 13:51
12.08.2017	शनिवार	भाद्रपद कृ.5	15:51 से 19:12
13.08.2017	रविवार	भाद्रपद कृ.6	06:38 से 11:48
13.08.2017	रविवार	भाद्रपद कृ.6	14:12 से 19:08
17.08.2017	गुरुवार	भाद्रपद कृ.11	12:43 से 20:20
23.08.2017	बुधवार	भाद्रपद शु.2	14:04 से 19:56
24.08.2017	गुरुवार	भाद्रपद शु.3	05:55 से 19:52
26.08.2017	शनिवार	भाद्रपद शु.5	05:56 से 15:51
02.09.2017	शनिवार	भाद्रपद शु.12	09:38 से 19:17
03.09.2017	रविवार	भाद्रपद शु.12	06:00 से 09:37
20.09.2017	बुधवार	आश्विन शु.1	11:00 से 19:31
21.09.2017	गुरुवार	आश्विन शु.1	06:09 से 07:56
21.09.2017	गुरुवार	आश्विन शु.2	13:00 से 19:27
22.09.2017	शुक्रवार	आश्विन शु.3	06:10 से 19:23
25.09.2017	सोमवार	आश्विन शु.5	06:11 से 19:11
30.09.2017	शनिवार	आश्विन शु.10	06:14 से 18:15
05.10.2017	गुरुवार	आश्विन शु.15	13:03 से 18:32
06.10.2017	शुक्रवार	कार्तिक कृ.1	08:13 से 18:28
07.10.2017	शनिवार	कार्तिक कृ.2	06:17 से 17:51
09.10.2017	सोमवार	कार्तिक कृ.4	14:16 से 15:53
09.11.2017	गुरुवार	मार्गशीर्ष कृ.6	13:39 से 16:42
15.11.2017	बुधवार	मार्गशीर्ष कृ.12	06:44 से 19:22
19.11.2017	रविवार	मार्गशीर्ष शु.2	06:47 से 19:06
23.11.2017	गुरुवार	मार्गशीर्ष शु.5	06:59 से 18:50
24.11.2017	शुक्रवार	मार्गशीर्ष शु.6	06:51 से 10:03
29.11.2017	बुधवार	मार्गशीर्ष शु.10	06:55 से 18:27
01.12.2017	शुक्रवार	मार्गशीर्ष शु.13	06:57 से 14:28
03.12.2017	रविवार	मार्गशीर्ष शु.15	11:09 से 18:11
04.12.2017	सोमवार	पौष कृ.1/2	06:59 से 17:29
07.12.2017	गुरुवार	पौष कृ.5	07:16 से 17:55
05.02.2018	सोमवार	फाल्गुन कृ.5	07:07 से 12:10
05.02.2018	सोमवार	फाल्गुन कृ.6	14:10 से 18:34
09.02.2018	शुक्रवार	फाल्गुन कृ.9	14:34 से 16:55
18.02.2018	रविवार	फाल्गुन शु.3	12:46 से 20.00
21.02.2018	बुधवार	फाल्गुन शु.6	06:55 से 14:01
03.03.2018	शनिवार	चैत्र कृ.2	06:45 से 19:09
04.03.2018	रविवार	चैत्र कृ.3	06:44 से 13:38
08.03.2018	गुरुवार	चैत्र कृ.7	14:48 से 17:20
12.03.2018	सोमवार	चैत्र कृ.11	11:14 से 18:34

नामकरण संस्कार

29.03.2017	बुधवार	चैत्र शु.2	06:15 से 14:44
05.04.2017	बुधवार	चैत्र शु.10	10:04 से 19:15
12.04.2017	बुधवार	वैशाख कृ.1	05:59 से 09:00
12.04.2017	बुधवार	वैशाख कृ.1	10:12 से 18:47
13.04.2017	गुरुवार	वैशाख कृ.2	05:58 से 08:05
21.04.2017	शुक्रवार	वैशाख कृ.10	05:50 से 17:01
24.04.2017	सोमवार	वैशाख कृ.13	05:47 से 07:21
26.04.2017	बुधवार	वैशाख शु.1	17:46 से 19:20
28.04.2017	शुक्रवार	वैशाख शु.2	13:39 से 20:04
01.05.2017	सोमवार	वैशाख शु.6	06:37 से 19:52
08.05.2017	सोमवार	वैशाख शु.13	05:35 से 19:25
12.05.2017	शुक्रवार	ज्येष्ठ कृ.2	05:32 से 19:09
17.05.2017	बुधवार	ज्येष्ठ कृ.6	05:29 से 16:32
18.05.2017	गुरुवार	ज्येष्ठ कृ.7	05:29 से 17:43
22.05.2017	सोमवार	ज्येष्ठ कृ.11	05:27 से 20:48
24.05.2017	बुधवार	ज्येष्ठ कृ.13	05:26 से 06:02
26.05.2017	शुक्रवार	ज्येष्ठ शु.1	05:25 से 20:32
29.05.2017	सोमवार	ज्येष्ठ शु.4	11:07 से 20:21
05.06.2017	सोमवार	ज्येष्ठ शु.11	09:43 से 19:53
12.06.2017	सोमवार	आषाढ़ कृ.3	10:50 से 12:19
15.06.2017	गुरुवार	आषाढ़ कृ.6	05:44 से 20:55
16.06.2017	शुक्रवार	आषाढ़ कृ.7	17:17 से 18:22
19.06.2017	सोमवार	आषाढ़ कृ.10	05:24 से 14:20
22.06.2017	गुरुवार	आषाढ़ कृ.13	12:25 से 15:38
26.06.2017	सोमवार	आषाढ़ शु.3	05:25 से 20:35
30.06.2017	शुक्रवार	आषाढ़ शु.7	05:52 से 18:01
03.07.2017	सोमवार	आषाढ़ शु.10	05:28 से 23:17
05.07.2017	बुधवार	आषाढ़ शु.12	05:28 से 19:59
06.07.2017	गुरुवार	आषाढ़ शु.13	05:29 से 08:24
10.07.2017	सोमवार	श्रावण कृ.1	12:20 से 19:39
13.07.2017	गुरुवार	श्रावण कृ.4	14:45 से 19:28
20.07.2017	गुरुवार	श्रावण कृ.12	05:36 से 20:41
21.07.2017	शुक्रवार	श्रावण कृ.13	05:36 से 12:48
24.07.2017	सोमवार	श्रावण शु.1	05:38 से 07:43
27.07.2017	गुरुवार	श्रावण शु.4	07:01 से 20:15
28.07.2017	शुक्रवार	श्रावण शु.5	05:40 से 20:11
02.08.2017	बुधवार	श्रावण शु.10	05:43 से 15:16
09.08.2017	बुधवार	भाद्रपद कृ.2	05:47 से 17:59
16.08.2017	बुधवार	भाद्रपद कृ.9	15:18 से 20:24
17.08.2017	गुरुवार	भाद्रपद कृ.11	12:43 से 20:20
23.08.2017	बुधवार	भाद्रपद शु.2	14:04 से 19:56
24.08.2017	गुरुवार	भाद्रपद शु.3	05:55 से 19:52
04.09.2017	सोमवार	भाद्रपद शु.13	06:01 से 12:15
06.09.2017	बुधवार	भाद्रपद शु.15	12:33 से 12:56
07.09.2017	गुरुवार	आश्विन कृ.2	12:57 से 18:57
08.09.2017	शुक्रवार	आश्विन कृ.2	06:03 से 18:53
15.09.2017	शुक्रवार	आश्विन कृ.10	06:06 से 07:32
20.09.2017	बुधवार	आश्विन शु.1	11:00 से 19:31
21.09.2017	गुरुवार	आश्विन शु.1	06:09 से 19:27
22.09.2017	शुक्रवार	आश्विन शु.3	06:10 से 19:23
25.09.2017	सोमवार	आश्विन शु.5	06:11 से 19:11
02.10.2017	सोमवार	आश्विन शु.12	06:15 से 11:43
02.10.2017	सोमवार	आश्विन शु.12	13:43 से 18:44
06.10.2017	शुक्रवार	कार्तिक कृ.1	08:13 से 18:28
09.10.2017	सोमवार	कार्तिक कृ.5	14:18 से 15:53
11.10.2017	बुधवार	कार्तिक कृ.6	06:20 से 09:10
20.10.2017	शुक्रवार	कार्तिक शु.1	06:25 से 19:08
27.10.2017	शुक्रवार	कार्तिक शु.7	06:30 से 14:45
30.10.2017	सोमवार	कार्तिक शु.10	06:32 से 18:29
01.11.2017	बुधवार	कार्तिक शु.12	07:41 से 17:57
02.11.2017	गुरुवार	कार्तिक शु.13	06:34 से 13:46
02.11.2017	गुरुवार	कार्तिक शु.13	14:58 से 16:12
06.11.2017	सोमवार	मार्गशीर्ष कृ.3	09:30 से 14:38
08.11.2017	बुधवार	मार्गशीर्ष कृ.5	15:22 से 17:54
09.11.2017	गुरुवार	मार्गशीर्ष कृ.6	13:39 से 16:42
09.11.2017	गुरुवार	मार्गशीर्ष कृ.7	27:42 से 28:05
10.11.2017	शुक्रवार	मार्गशीर्ष कृ.7	06:40 से 12:25
15.11.2017	बुधवार	मार्गशीर्ष कृ.12	06:44 से 19:22
16.11.2017	गुरुवार	मार्गशीर्ष कृ.13	06:45 से 14:09
23.11.2017	गुरुवार	मार्गशीर्ष शु.5	06:59 से 18:50
24.11.2017	शुक्रवार	मार्गशीर्ष शु.6	06:51 से 18:46
29.11.2017	बुधवार	मार्गशीर्ष शु.10	06:55 से 18:27
01.12.2017	शुक्रवार	मार्गशीर्ष शु.13	06:57 से 14:28
04.12.2017	सोमवार	पौष कृ.1/2	06:59 से 17:29



ज्योतिष्मती कालदर्पण पंचाङ्ग

सोलन
हिमाचल प्रदेश 173212

आद्य सम्पादक - स्व. श्री हरदेव शर्मा त्रिवेदी-ज्योतिषाचार्य

राष्ट्रीय शाके १९३९	विक्रम संवत् २०७४
श्री साधारण नाम संवत्सरे क्रम-४५ बंगला सन् १४२४ फसली। बंगला आषाढ़ मास, ता. १६ से श्रावण प्रा. तथा प्रविष्ठा गते तारीख १ प्रारंभ।	(मास :- आषाढ़ सुदी ८ से श्रावण सुदी ८ तक) ऋतुचर्या-वर्षा ऋतुकाल सुखद हरित वसुन्धरा कालांश

जुलाई 2017

सम्पादक – Er. श्री सुधाकर शर्मा त्रिवेदी
सह सम्पादक – रोहिताश्व त्रिवेदी



रवि SUN	मु.५ चित्रा रा.८ श्रावण सुदी ७ तुलसी जं. वीरपुली, दुर्गाष्टमी ३० **30**	मु.७ चित्रा रा.११ आषाढसुदी ९ गुप्तनवरात्रि समाप्त सूनम बड़ली नवमी २ **2**	मु.१४ पूर्वाषाढ़ा रा.१८ आषाढ़ सुदी १५ चातुर्मास प्रा., गुरु पूर्णिमा व्यास पूजा ९ **9**	मु.२१ रेवती रा.२५ श्रावण वदी ७ निरयन दक्षिणायन प्रा. पंचक समाप्त १६ **16**	मु.२८ पुनर्वसु रा.१ श्रावण वदी ३० भा. सावन प्रा. हरियाली अमा. २३ **23**
सोम MON	मु.६ स्वाति रा.६ श्रावण सुदी ८ ३१ **31**	मु.८ स्वाति रा.१२ आषाढ़ सुदी १० आशा दशमी ३ **3**	मु.१५ उत्तराषाढ़ा रा.१९ श्रावण वदी १ नक्तव्रत प्रा. १० **10**	मु.२२ अश्विनी रा.२६ श्रावण वदी ८ १७ **17**	मु.२९ पुष्य रा.२ श्रावण सुदी १ सोमेश्वर पूजा रोटक व्रत प्रा. २४ **24**
मंगल TUE	**अवकाश** ८ द्वितीय शनिवार	मु.९ विशाखा रा.१३ आषाढ़ सुदी ११ देवशयनी एकादशी चातुर्मास व्रत प्रा. ४ **4**	मु.१६ श्रवण रा.२० श्रावण वदी २ ११ **11**	मु.२३ भरणी रा.२७ श्रावण वदी ९ १८ **18**	मु.३० आश्लेषा/मघा रा.३ श्रावण सुदी २ सिंजारा चन्द्रदर्शन २५ **25**
बुध WED	**पुष्य नक्षत्र** २३ जुलाई, रवि पुष्य २४ जुलाई, सोम पुष्य	मु.१० अनुराधा रा.१४ आषाढ़ सुदी १२ ५ **5**	मु.१७ धनिष्ठा रा.२१ श्रावण वदी ३ पंचक प्रा., चतुर्थी व्रत १२ **12**	मु.२४ कृतिका रा.२८ श्रावण वदी १०/११ कामिका एकादशी पुष्य रवि १९ **19**	मु.१ पूर्वाफाल्गुनी रा.४ श्रावण सुदी ३ वरद चतुर्थी स्वर्णगौरी व्रत जिल्कादा प्रा. २६ **26**
गुरु THU	**पंचक नक्षत्र वेला** १२ जुलाई से पंचक प्रारम्भ १०:०२ से १६/१७ जुलाई को पंचक समाप्त २४:२६ तक	मु.११ अनुराधा रा.१५ आषाढ़ सुदी १३ जया पार्वती व्रत, प्रदोष पुनर्वसु रवि ६ **6**	मु.१८ शतभिषा रा.२२ श्रावण वदी ४ १३ **13**	मु.२५ रोहिणी रा.२९ श्रावण वदी १२ २० **20**	मु.२ उत्तराफाल्गुनी रा.५ श्रावण सुदी ४ अब्दुल कलाम पु.ति. नागपंचमी २७ **27**
शुक्र FRI	**अमृतसिद्धि योग** ५, ६, १०, ११ **सर्वार्थसिद्धि योग** ५, ६, ९, १०, १६, १८, १९, २३, २४, २५	मु.१२ ज्येष्ठा रा.१६ आषाढ़ सुदी १४ ७ **7**	मु.१९ पूर्वाभाद्रपद रा.२३ श्रावण वदी ५ नागपंचमी १४ **14**	मु.२६ मृगशिरा रा.३० श्रावण वदी १३ प्रदोष, मासिक शिवरात्रि २१ **21**	मु.३ हस्त रा.६ श्रावण सुदी ५ कल्की जं., वर्णषष्ठी २८ **28**
शनि SAT	मु.६ हस्त रा.१० आषाढ़ सुदी ८ १ **1**	मु.१३ मूल रा.१७ आषाढ़ सुदी १४ वायु परीक्षा पूर्णिमा व्रत ८ **8**	मु.२० उत्तराभाद्रपद रा.२४ श्रावण वदी ६ १५ **15**	मु.२७ आर्द्रा रा.३१ श्रावण वदी १४ २२ **22**	मु.४ चित्रा रा.७ श्रावण सुदी ६ २९ **29**

अचलेश्वर, 9829253642

ज्योतिष परामर्श एवं कुण्डली जानने के लिए सम्पर्क करें - 9871956320

07.12.2017	गुरुवार	पौष कृ.5	07:16 से 17:55
13.12.2017	बुधवार	पौष कृ.11	07:05 से 17:32
14.12.2017	गुरुवार	पौष कृ.12	07:06 से 17:28
20.12.2017	बुधवार	पौष शु.2	13:15 से 18:32
21.12.2017	गुरुवार	पौष शु.3	09:21 से 19:16
28.12.2017	गुरुवार	पौष शु.10	07:13 से 18:47
08.01.2018	सोमवार	माघ कृ.7	09:10 से 15:46
10.01.2018	बुधवार	माघ कृ.9	17:25 से 17:56
12.01.2018	शुक्रवार	माघ कृ.11	07:57 से 17:48
17.01.2018	बुधवार	माघ शु.1	07:47 से 09:46
17.01.2018	बुधवार	माघ शु.1	10:58 से 19:49
18.01.2018	गुरुवार	माघ शु.1	07:15 से 19:45
19.01.2018	शुक्रवार	माघ शु.2	07:15 से 11:02
22.01.2018	सोमवार	माघ शु.5	07:14 से 19:29
24.01.2018	बुधवार	माघ शु.7	07:13 से 16:17
05.02.2018	सोमवार	फाल्गुन कृ.5	07:07 से 12:10
05.02.2018	सोमवार	फाल्गुन कृ.6	14:10 से 18:34
07.02.2018	बुधवार	फाल्गुन कृ.7	07:06 से 08:45
09.02.2018	शुक्रवार	फाल्गुन कृ.9	14:34 से 16:55
16.02.2018	शुक्रवार	फाल्गुन शु.1	06:59 से 20:03
21.02.2018	बुधवार	फाल्गुन शु.6	06:55 से 14:01
26.02.2018	सोमवार	फाल्गुन शु.12	17:29 से 18:20
08.03.2018	गुरुवार	चैत्र कृ.7	14:48 से 17:20
12.03.2018	सोमवार	चैत्र कृ.11	11:14 से 18:34
14.03.2018	बुधवार	चैत्र कृ.12	06:33 से 20:42
15.03.2018	गुरुवार	चैत्र कृ.13	06:31 से 17:19

मुण्डन

21.04.2017	शुक्रवार	वैशाख कृ.10	05:50 से 17:01
01.05.2017	सोमवार	वैशाख शु.6	06:37 से 19:52
08.05.2017	सोमवार	वैशाख शु.13	05:35 से 19:25
17.05.2017	बुधवार	ज्येष्ठ कृ.6	07:25 से 16:32
18.05.2017	गुरुवार	ज्येष्ठ कृ.7	05:29 से 17:43
22.05.2017	सोमवार	ज्येष्ठ कृ.11	10:10 से 14:44
24.05.2017	बुधवार	ज्येष्ठ कृ.13	05:26 से 06:02
29.05.2017	सोमवार	ज्येष्ठ शु.4	11:07 से 20:21
09.06.2017	शुक्रवार	ज्येष्ठ शु.15	05:28 से 18:39
15.06.2017	गुरुवार	आषाढ़ कृ.6	05:44 से 20:55
16.06.2017	शुक्रवार	आषाढ़ कृ.7	17:17 से 18:22
19.06.2017	सोमवार	आषाढ़ कृ.10	05:24 से 14:20
18.01.2018	गुरुवार	माघ शु.1	10:13 से 19:45
19.01.2018	शुक्रवार	माघ शु.2	07:15 से 11:02
24.01.2018	बुधवार	माघ शु.7	07:13 से 16:17
05.02.2018	सोमवार	फाल्गुन कृ.5	07:07 से 12:10
05.02.2018	सोमवार	फाल्गुन कृ.6	14:10 से 18:34
07.02.2018	बुधवार	फाल्गुन कृ.7	07:06 से 08:45
09.02.2018	शुक्रवार	फाल्गुन कृ.9	16:55 से 18:18
21.02.2018	बुधवार	फाल्गुन शु.6	06:55 से 14:01
14.03.2018	बुधवार	चैत्र कृ.12	15:46 से 20:42

अन्नप्राशन

29.03.2017	बुधवार	चैत्र शु.2	06:15 से 14:44
05.04.2017	बुधवार	चैत्र शु.10	10:04 से 13:58
28.04.2017	शुक्रवार	वैशाख शु.2	13:39 से 15:28
08.05.2017	सोमवार	वैशाख शु.13	05:35 से 14:49
29.05.2017	सोमवार	ज्येष्ठ शु.4	11:07 से 15:42
26.06.2017	सोमवार	आषाढ़ शु.3	05:25 से 14:25
30.06.2017	शुक्रवार	आषाढ़ शु.7	05:52 से 15:56
03.07.2017	सोमवार	आषाढ़ शु.10	05:28 से 15:44
06.07.2017	गुरुवार	आषाढ़ शु.13	05:29 से 08:24
27.07.2017	गुरुवार	श्रावण शु.4	07:01 से 15:34
28.07.2017	शुक्रवार	श्रावण शु.5	05:40 से 06:38
02.08.2017	बुधवार	श्रावण शु.10	05:43 से 14:14
24.08.2017	गुरुवार	भाद्रपद शु.3	05:55 से 14:00
31.08.2017	गुरुवार	भाद्रपद शु.10	05:59 से 14:11
04.09.2017	सोमवार	भाद्रपद शु.13	06:01 से 12:15
06.09.2017	बुधवार	भाद्रपद शु.15	06:02 से 12:33
21.09.2017	गुरुवार	आश्विन शु.1	10:33 से 14:52
22.09.2017	शुक्रवार	आश्विन शु.3	06:10 से 14:49
25.09.2017	सोमवार	आश्विन शु.5	06:11 से 14:28
27.09.2017	बुधवार	आश्विन शु.7	09:57 से 14:29
25.10.2017	बुधवार	कार्तिक शु.5	06:28 से 09:38
27.10.2017	शुक्रवार	कार्तिक शु.7	06:30 से 14:13
30.10.2017	सोमवार	कार्तिक शु.10	06:32 से 14:01
02.11.2017	गुरुवार	कार्तिक शु.13	06:34 से 13:46
23.11.2017	गुरुवार	मार्गशीर्ष शु.5	06:59 से 12:27
29.11.2017	बुधवार	मार्गशीर्ष शु.10	06:55 से 10:52
01.12.2017	शुक्रवार	मार्गशीर्ष शु.13	07:13 से 13:23
21.12.2017	गुरुवार	पौष शु.3	09:21 से 13:29
28.12.2017	गुरुवार	पौष शु.10	07:13 से 13:02
18.01.2018	गुरुवार	माघ शु.1	10:13 से 13:14
19.01.2018	शुक्रवार	माघ शु.2	07:15 से 11:02
22.01.2018	सोमवार	माघ शु.5	07:14 से 12:59
24.01.2018	बुधवार	माघ शु.7	07:13 से 14:46

विद्यारम्भ

17.04.2017	सोमवार	वैशाख कृ.6	05:54 से 19:33
21.04.2017	शुक्रवार	वैशाख कृ.10	05:50 से 17:01
23.04.2017	रविवार	वैशाख कृ.12	05:48 से 19:57
28.04.2017	शुक्रवार	वैशाख शु.2	13:39 से 20:04
30.04.2017	रविवार	वैशाख शु.5	05:41 से 19:56
01.05.2017	सोमवार	वैशाख शु.6	05:41 से 19:52
05.05.2017	शुक्रवार	वैशाख शु.10	05:37 से 15:38
07.05.2017	रविवार	वैशाख शु.12	05:36 से 15:00
07.05.2017	रविवार	वैशाख शु.13	16:12 से 19:28
12.05.2017	शुक्रवार	ज्येष्ठ कृ.2	05:32 से 19:09
15.05.2017	सोमवार	ज्येष्ठ कृ.5	12:39 से 20:31
17.05.2017	बुधवार	ज्येष्ठ कृ.6	05:29 से 16:32
21.05.2017	रविवार	ज्येष्ठ कृ.10	16:42 से 20:52
22.05.2017	सोमवार	ज्येष्ठ कृ.11	05:27 से 20:48
28.05.2017	रविवार	ज्येष्ठ शु.3	05:25 से 10:42
28.05.2017	रविवार	ज्येष्ठ शु.3	13:06 से 14:04
29.05.2017	सोमवार	ज्येष्ठ शु.4	11:07 से 20:21
31.05.2017	बुधवार	ज्येष्ठ शु.6	05:24 से 07:11
05.06.2017	सोमवार	ज्येष्ठ शु.11	09:43 से 19:53
11.06.2017	रविवार	आषाढ़ कृ.2	05:23 से 19:29
12.06.2017	सोमवार	आषाढ़ कृ.3	05:23 से 12:19
15.06.2017	गुरुवार	आषाढ़ कृ.6	05:44 से 20:55
19.06.2017	सोमवार	आषाढ़ कृ.10	05:24 से 14:20
18.01.2018	गुरुवार	माघ शु.1	10:13 से 19:45
19.01.2018	शुक्रवार	माघ शु.2	07:15 से 11:02
22.01.2018	सोमवार	माघ शु.5	07:14 से 19:29
28.01.2018	रविवार	माघ शु.12	08:28 से 18:31
02.02.2018	शुक्रवार	फाल्गुन कृ.3	12:59 से 18:46
04.02.2018	रविवार	फाल्गुन कृ.5	08:58 से 18:38
05.02.2018	सोमवार	फाल्गुन कृ.5	07:07 से 12:10
05.02.2018	सोमवार	फाल्गुन कृ.6	14:10 से 18:34
09.02.2018	शुक्रवार	फाल्गुन कृ.9	14:34 से 16:55
11.02.2018	रविवार	फाल्गुन कृ.11	07:03 से 12:41
11.02.2018	रविवार	फाल्गुन कृ.11	13:53 से 18:11
12.02.2018	सोमवार	फाल्गुन कृ.12	07:02 से 20:05
18.02.2018	रविवार	फाल्गुन शु.3	06:57 से 20.00
21.02.2018	बुधवार	फाल्गुन शु.6	06:55 से 14:01
25.02.2018	रविवार	फाल्गुन शु.10	06:51 से 19:33
26.02.2018	सोमवार	फाल्गुन शु.12	17:29 से 18:20
04.03.2018	रविवार	चैत्र कृ.3	06:44 से 13:38
12.03.2018	सोमवार	चैत्र कृ.11	11:14 से 18:34
14.03.2018	बुधवार	चैत्र कृ.12	06:33 से 15:46

यज्ञोपवीत

29.03.2017	बुधवार	चैत्र शु.2	06:15 से 14:44
05.04.2017	बुधवार	चैत्र शु.10	10:04 से 13:58
06.04.2017	गुरुवार	चैत्र शु.10	06:06 से 12:16
28.04.2017	शुक्रवार	वैशाख शु.2	13:39 से 15:28
30.04.2017	रविवार	वैशाख शु.5	05:41 से 14:11
05.05.2017	शुक्रवार	वैशाख शु.10	05:37 से 15:01
07.05.2017	रविवार	वैशाख शु.12	05:36 से 14:12
12.05.2017	शुक्रवार	ज्येष्ठ कृ.2	05:32 से 14:33
28.05.2017	रविवार	ज्येष्ठ शु.3	05:25 से 10:42
28.05.2017	रविवार	ज्येष्ठ शु.3	13:06 से 14:04
29.05.2017	सोमवार	ज्येष्ठ शु.4	13:25 से 15:42
05.06.2017	सोमवार	ज्येष्ठ शु.11	09:43 से 15:15
18.02.2018	रविवार	फाल्गुन शु.3	06:57 से 14:51
04.03.2018	रविवार	चैत्र कृ.3	06:44 से 13:38

वाहन

29.03.2017	बुधवार	चैत्र शु.2	06:15 से 14:44
05.04.2017	बुधवार	चैत्र शु.10	10:04 से 21:34
12.04.2017	बुधवार	वैशाख कृ.1	05:59 से 09:00
12.04.2017	बुधवार	वैशाख कृ.1	10:12 से 21:07
13.04.2017	गुरुवार	वैशाख कृ.2	05:58 से 08:05
21.04.2017	शुक्रवार	वैशाख कृ.10	05:50 से 17:01
22.04.2017	शनिवार	वैशाख कृ.11	05:49 से 22:46
26.04.2017	बुधवार	वैशाख शु.1	17:46 से 19:20
01.05.2017	सोमवार	वैशाख शु.6	06:37 से 22:11
08.05.2017	सोमवार	वैशाख शु.13	05:35 से 21:43
12.05.2017	शुक्रवार	ज्येष्ठ कृ.2	05:32 से 20:12
17.05.2017	बुधवार	ज्येष्ठ कृ.6	07:25 से 16:32
18.05.2017	गुरुवार	ज्येष्ठ कृ.7	05:29 से 21:20
19.05.2017	शुक्रवार	ज्येष्ठ कृ.8	05:28 से 18:11
22.05.2017	सोमवार	ज्येष्ठ कृ.11	10:10 से 22:52
24.05.2017	बुधवार	ज्येष्ठ कृ.13	05:26 से 06:02
26.05.2017	शुक्रवार	ज्येष्ठ शु.1	21:04 से 21:18
27.05.2017	शनिवार	ज्येष्ठ शु.2	05:25 से 14:40
27.05.2017	शनिवार	ज्येष्ठ शु.3	16:40 से 18:07
29.05.2017	सोमवार	ज्येष्ठ शु.4	11:07 से 21:52
03.06.2017	शनिवार	ज्येष्ठ शु.8	13:26 से 21:30
05.06.2017	सोमवार	ज्येष्ठ शु.11	09:43 से 21:57
15.06.2017	गुरुवार	आषाढ़ कृ.6	05:44 से 23:00
16.06.2017	शुक्रवार	आषाढ़ कृ.7	17:17 से 18:22
19.06.2017	सोमवार	आषाढ़ कृ.10	05:24 से 14:20
26.06.2017	सोमवार	आषाढ़ शु.3	05:25 से 21:22
01.07.2017	शनिवार	आषाढ़ शु.8	17:15 से 18:52
03.07.2017	सोमवार	आषाढ़ शु.10	05:28 से 21:49
05.07.2017	बुधवार	आषाढ़ शु.12	05:28 से 21:41
06.07.2017	गुरुवार	आषाढ़ शु.13	05:29 से 08:24
10.07.2017	सोमवार	श्रावण कृ.1	19:09 से 22:49
13.07.2017	गुरुवार	श्रावण कृ.4	14:45 से 22:37
17.07.2017	सोमवार	श्रावण कृ.8	05:34 से 12:05
20.07.2017	गुरुवार	श्रावण कृ.12	17:25 से 22:10
21.07.2017	शुक्रवार	श्रावण कृ.13	05:36 से 12:48
24.07.2017	सोमवार	श्रावण शु.1	05:38 से 07:43
28.07.2017	शुक्रवार	श्रावण शु.5	05:40 से 21:39
29.07.2017	शनिवार	श्रावण शु.6	05:41 से 21:35
31.07.2017	सोमवार	श्रावण शु.8	05:42 से 09:39
02.08.2017	बुधवार	श्रावण शु.10	05:43 से 15:16
09.08.2017	बुधवार	भाद्रपद कृ.2	05:47 से 17:59
09.08.2017	बुधवार	भाद्रपद कृ.2	20:23 से 22:16
12.08.2017	शनिवार	भाद्रपद कृ.5	06:14 से 13:51
12.08.2017	शनिवार	भाद्रपद कृ.5	15:51 से 22:04
17.08.2017	गुरुवार	भाद्रपद कृ.11	12:43 से 21:36
19.08.2017	शनिवार	भाद्रपद कृ.13	05:52 से 15:00
24.08.2017	गुरुवार	भाद्रपद शु.3	14:00 से 20:27
25.08.2017	शुक्रवार	भाद्रपद शु.5	20:32 से 21:13
26.08.2017	शनिवार	भाद्रपद शु.5	05:56 से 21:09
28.08.2017	सोमवार	भाद्रपद शु.7	20:10 से 21:02
04.09.2017	सोमवार	भाद्रपद शु.13	06:01 से 12:15
21.09.2017	गुरुवार	आश्विन शु.1	06:09 से 21:02
22.09.2017	शुक्रवार	आश्विन शु.3	06:10 से 20:58
23.09.2017	शनिवार	आश्विन शु.3	06:10 से 07:57
25.09.2017	सोमवार	आश्विन शु.5	06:11 से 20:47
30.09.2017	शनिवार	आश्विन शु.10	18:15 से 20:27
02.10.2017	सोमवार	आश्विन शु.12	06:15 से 11:43
02.10.2017	सोमवार	आश्विन शु.12	13:43 से 20:19
06.10.2017	शुक्रवार	कार्तिक कृ.1	08:13 से 20:03
07.10.2017	शनिवार	कार्तिक कृ.2	06:17 से 17:51
11.10.2017	बुधवार	कार्तिक कृ.6	06:20 से 09:10
08.11.2017	बुधवार	मार्गशीर्ष कृ.5	15:22 से 19:49
09.11.2017	गुरुवार	मार्गशीर्ष कृ.6	06:39 से 16:42
10.11.2017	शुक्रवार	मार्गशीर्ष कृ.7	06:40 से 12:25
15.11.2017	बुधवार	मार्गशीर्ष कृ.12	06:44 से 21:19
16.11.2017	गुरुवार	मार्गशीर्ष कृ.13	06:45 से 14:09
18.11.2017	शनिवार	मार्गशीर्ष शु.1	19:24 से 21:16
24.11.2017	शुक्रवार	मार्गशीर्ष शु.6	10:03 से 21:01
25.11.2017	शनिवार	मार्गशीर्ष शु.7	06:52 से 20:57
27.11.2017	सोमवार	मार्गशीर्ष शु.8	06:54 से 11:03
29.11.2017	बुधवार	मार्गशीर्ष शु.10	17:12 से 20:41
01.12.2017	शुक्रवार	मार्गशीर्ष शु.13	06:57 से 14:28
04.12.2017	सोमवार	पौष कृ.1/2	06:59 से 20:21
07.12.2017	गुरुवार	पौष कृ.5	07:16 से 19:54
13.12.2017	बुधवार	पौष कृ.11	07:05 से 19:46
05.02.2018	सोमवार	फाल्गुन कृ.5	07:07 से 12:10
05.02.2018	सोमवार	फाल्गुन कृ.6	14:10 से 20:51
07.02.2018	बुधवार	फाल्गुन कृ.7	07:06 से 12:16
09.02.2018	शुक्रवार	फाल्गुन कृ.9	14:34 से 16:55
16.02.2018	शुक्रवार	फाल्गुन शु.	06:59 से 22:25
17.02.2018	शनिवार	फाल्गुन शु.2	06:58 से 11:27
21.02.2018	बुधवार	फाल्गुन शु.6	06:55 से 14:01
08.03.2018	गुरुवार	चैत्र कृ.7	14:48 से 17:20
14.03.2018	बुधवार	चैत्र कृ.12	06:33 से 20:42
15.03.2018	गुरुवार	चैत्र कृ.13	06:31 से 17:19



ज्योतिष्मती कालदर्पण पंचाङ्ग

सोलन

हिमाचल प्रदेश 173212

आद्य सम्पादक - स्व. श्री हरदेव शर्मा त्रिवेदी-ज्योतिषाचार्य

सम्पादक – Er. श्री सुधाकर शर्मा त्रिवेदी

सह सम्पादक – रोहिताश्व त्रिवेदी



राष्ट्रीय शाके १९३९	विक्रम संवत् २०७४
श्री साधारण नाम संवत्सरे क्रम-४५ बंगला सन् १४२४ फसली। बंगला श्रावण मास, ता. १६ से भाद्रपद प्रा. तथा प्रविष्ठा गते तारीख १ प्रारंभ।	(मास :- श्रावण सुदी ९ से भाद्रपद सुदी १० तक) ऋतुचर्या-वर्षाऋतु कालांश ता. २२ से शरद् ऋतुकाल प्रारम्भ

अगस्त 2017

रवि SUN	**अवकाश** 7 रक्षा बन्धन 12 द्वितीय शनिवार 15 स्वतंत्रता दिवस 71 वां, 15 जन्माष्टमी 23 बाबा रामदेव मेला 31 बाबा रामदेवजी दशमी	मु.१२ उत्तराषाढ़ा रा.१५ श्रावण सुदी १४ सुण्डमाण्डणा ६ **6**	मु.१९ अश्विनी रा.२२ भाद्रपद वदी ६ वृहद् चन्द्रषष्ठी, ऊबछठ गौरी व्रत पंचक समा. १३ **13**	मु.२६ पुष्य रा.२९ भाद्रपद वदी १४ सद्भावना दि., मासिक शिवरात्रि राजीव गांधी जं. २० **20**	मु.४ स्वाति रा.५ भाद्रपद सुदी ६ स्कन्ध दर्शन, सूर्यषष्ठी २७ **27**
सोम MON	**पुष्य नक्षत्र** १६ अगस्त, शनि पुष्य २० अगस्त , रवि पुष्य	मु.१३ श्रवण रा.१६ श्रावण सुदी १५ रक्षाबंधन, पूर्णिमा, चन्द्रग्रहण हयग्रीव जं. ७ **7**	मु.२० भरणी रा.२३ भाद्रपद वदी ७ १४ **14**	मु.२७ आश्लेषा रा.३० भाद्रपद वदी ३० शक्ति पूजा सोमवती अमावस्या २१ **21**	मु.५ विशाखा रा.६ भाद्रपद सुदी ७ दूबड़ी सप्तमी उमा महेश्वर पूजन २८ **28**
मंगल TUE	मु.७ विशाखा रा.१० श्रावण सुदी ९ राजर्षि टंडन जं.,तिलक पु.ति. चौरसिया दिवस १ **1**	मु.१४ धनिष्ठा रा.१७ भाद्रपद वदी १ ग्रहण करीदिन पंचक प्रा. ८ **8**	मु.२१ कृतिका रा.२४ भाद्रपद वदी ८ स्वतंत्रता दि., जन्माष्टमी व्रत कृष्ण जं. १५ **15**	मु.२८ मघा रा.३१ भाद्रपद सुदी १ शरद् ऋतुकाल प्रा. २२ **22**	मु.६ अनुराधा रा.७ भाद्रपद सुदी ८ राधाष्टमी, महालक्ष्मी व्रत प्रा. दधिची जं. संस्कृत दि. २९ **29**
बुध WED	मु.८ अनुराधा रा.११ श्रावण सुदी १० आश्लेषा रवि २ **2**	मु.१५ शतभिषा रा.१८ भाद्रपद वदी २ क्रांति दिवस, सिंजारा (धमोली) ९ **9**	मु.२२ रोहिणी रा.२५ भाद्रपद वदी ९ मघा रवि गोगा नवमी सिंह संक्रांति १६ **16**	मु.२९ पूर्वाफाल्गुनी रा.१ भाद्रपद सुदी २ चन्द्रदर्शन, बाबा रामदेव मेला भा. भाद्रपद प्रा. २३ **23**	मु.७ ज्येष्ठा रा.८ भाद्रपद सुदी ९ पू.फा. रवि अदुःख नवमी व्रत ३० **30**
गुरु THU	मु.९ ज्येष्ठा रा.१२ श्रावण सुदी ११ पवित्रा एकादशी ३ **3**	मु.१६ पूर्वाभाद्रपद रा.१९ भाद्रपद वदी ३ कज्जली (सातू) तीज १० **10**	मु.२३ मृगशिरा रा.२६ भाद्रपद वदी १० १७ **17**	मु.१ उत्तराफाल्गुनी रा.२ भाद्रपद सुदी ३ हरतालिका व्रत, वरहा जं. हजसफर शुरु जिल्हेज प्रा. २४ **24**	मु.८ श्री जयन्ती मूल रा.९ भाद्रपद सुदी १० बाबारामदेव दशमी दशावतार व्रत गौरी विसर्जन ३१ **31**
शुक्र FRI	मु.१० मूल रा.१३ श्रावण सुदी १२ ४ **4**	मु.१७ पूर्वाभाद्रपद रा.२० भाद्रपद वदी ४ चतुर्थी व्रत ११ **11**	मु.२४ आर्द्रा रा.२७ भाद्रपद वदी ११ अजा एकादशी १८ **18**	मु.२ हस्त रा.३ भाद्रपद सुदी ४ चन्द्रदर्शन निषेध, गणेश चतुर्थी जैन संवत्सरी २५ **25**	**पंचक नक्षत्र वेला** ०८ अगस्त से पंचक प्रारम्भ १६:१४ से १२/१३ अगस्त को पंचक समाप्त २६:५७ तक
शनि SAT	मु.११ पूर्वाषाढ़ा रा.१४ श्रावण सुदी १३ प्रदोष ५ **5**	मु.१८ उत्तराभाद्रपद/रेवती रा.२१ भाद्रपद वदी ५ १२ **12**	मु.२५ पुनर्वसु रा.२८ भाद्रपद वदी १२/१३ बच्छबारस, पर्युषण प्रा. प्रदोष १९ **19**	मु.३ चित्रा रा.४ भाद्रपद सुदी ५ शनि मार्गी ऋषि पंचमी २६ **26**	**अमृतसिद्धि योग** २, ७, ८ **सर्वार्थसिद्धि योग** २, ६, ७, १३, १५, १६, १८, २०, २६, २८, २९

राशि-रत्न-उपरत्न के लिए सम्पर्क करें - एस. पूरणमल कमलकिशोर ज्वैलर्स मो. 9829216124

अचलेश्वर, 9829253642

(यह राशिफल स्थूल फलादेश मात्र है। सूक्ष्म फलादेश जन्म कुण्डली से ही विचारना चाहिये।)

सन् 2017 का वृहद् वार्षिक राशिफल -ज्योतिषाचार्य अरुणा कंसारा



मेष राशि

चू, चे, चो, ला - ली, लू, ले, लो - आ

अश्विनी - भरणी - कृतिका

ग्रहस्थिति– सिंह राशि का राहु पांचवें स्थान में, कन्या राशि का गुरु छठे स्थान में, वृश्चिक राशि का शनि आठवें स्थान में, धनु राशि का सूर्य+बुध भाग्य स्थान में, मकर राशि का चन्द्रमा दसवें स्थान में व कुम्भ राशि का मंगल+शुक्र+केतु बारहवें स्थान में गतिशील रहेंगे।

शारीरिक स्वास्थ्य –यह वर्ष शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से ठीक-ठीक रहेगा। मन अशांत व असंतुष्ट रहेगा। दूसरों की परेशानी को अपनी टेंशन बना लेंगे। जिससे स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है। पेट व पांव सम्बन्धित कोई रोग होने की संभावना है।

पारिवारिक – यह वर्ष पारिवारिक दृष्टि से समय अच्छा रहेगा। इस वर्ष परिवार में शान्ति एवं सुख-समृद्धि का वातावरण बना रहेगा। पारिवारिक सदस्यों में एक-दूसरे के प्रति प्रेम भाव व सुख-सहयोग बना रहेगा। माता-पिता का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। पिता से वांछित सहयोग मिलता रहेगा। संतति पक्ष को लेकर परेशानी व संतान कहने में नहीं रहेगी। इस वर्ष पत्नी का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। पति-पत्नी में मधुरता बनी रहेगी। साथ ही एक-दूसरे की सहायता करने में तत्पर रहेंगे। अविवाहितों के रिश्ते की चर्चा चलेगी।

व्यवसाय – इस वर्ष व्यापारिक एवं कार्यक्षेत्र को लेकर कोई परेशानी आ सकती है। आपको इस वर्ष जैसा चाहेंगे वैसा व्यवसायिक में परिणाम नहीं मिल पाएगा। राजनीति के कार्यों में सोच-समझकर कार्य करेंगे तो उन्नति व लाभ की प्राप्ति होगी। व्यापार या कार्यक्षेत्र में साझेदारी से वर्ष के शुरु में लाभ मिलेगा, लेकिन जुलाई के पश्चात् किसी न किसी कारण साझेदारी में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनकर कोई टेंशन आ सकती है। शत्रु आपके कार्यों में नुकसान पहुंचाने की चेष्टा करेंगे। अतः सतर्क रहकर कार्य करें। आपके महत्त्वपूर्ण कार्य बीच में अटक जाने की संभावना बन सकती है, लेकिन अन्त में सोच-समझकर कदम उठाने पर सफलता मिलेगी। एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट के कार्यों में नये आयाम मिलेंगे, जो भविष्य के लिये उन्नति व लाभ होने के आसार बनेंगे।

आर्थिक–इस वर्ष आर्थिक परेशानी धीरे-धीरे कम होने लगेगी। रुपये आने के जरीये एक से अधिक बनेंगे। आपके अचानक काम में ऐसी प्रगति होगी कि ऋण चुकाने में सफल रहेंगे। पैतृक सम्पत्ति के मामले सुलझेंगे। जमीन-जायदाद व भौतिक सुखों में वृद्धि होगी। ससुराल से लाभ मिलने के आसार बनेंगे। पुराने मकान को लेकर मरम्मत करवाने में व बच्चों के भविष्य के लिये रुपया खर्च हो सकता है।

विद्यार्थी–यह वर्ष विद्यार्थियों के लिये ज्यादा अच्छा नहीं रहेगा। जिसमें आप कैरियर बनाना चाहेंगे उसमें आपको वांछित सफलता नहीं मिल पाएगी। इंजीनियर करने वाले विद्यार्थियों को परिश्रम का लाभ मिलेगा। उच्च शैक्षणिक डिग्री पाने के लिये अपने जन्म स्थान से दूर रहना पड़ेगा। प्रतियोगिता परीक्षा में आपको विपरीत परिणाम मिलेंगे। कम्प्यूटर के क्षेत्र में विद्यार्थियों का कैरियर अच्छा रहेगा। विद्यार्थियों को कुछ ऐसा नया ज्ञान सीखने को मिलेगा जो उज्जवल भविष्य को लेकर रहेगा।

यात्रा– इस वर्ष आपकी नजदीकी यात्रा होती रहेगी।

उपाय– इस वर्ष ग्रहस्थिति को अनुकूल करने के उपाय करे- 1. नित्य हनुमान चालीसा का पाठ करें। 2. हनुमानजी को नित्य चमेली का तेल- सिन्दूर व गुड़ चढ़ावें। 3. सवा चार रत्ती का मूंगा युक्त मंगल यंत्र अभिमंत्रित करवाकर गले में धारण करें। 4. औरेंज रंग का सुगन्धित रुमाल हर समय पास में रखें। 5. मंगलवार के दिन लाल मसूर की दाल दान में देवें। 6.अभिमंत्रित कर्ज मुक्ति यंत्र की स्थापना शुभ मुहूर्त में करके ऋणमोचन मंगल स्तोत्र का नित्य पाठ करें।



वृष राशि

कृत्तिका - रोहिणी - मृगशिरा

ई, उ, ए, ओ - वा, वी, वू वे - वो

ग्रहस्थिति–सिंह राशि का राहु चौथे स्थान में, कन्या राशि का गुरु पांचवें स्थान में, वृश्चिक राशि का शनि सातवें स्थान में, धनु राशि का सूर्य+बुध आठवें स्थान में, मकर राशि का चन्द्रमा भाग्य स्थान में, कुम्भ राशि का मंगल+शुक्र+केतु दसवें स्थान में भ्रमणशील रहेंगे।

शारीरिक स्वास्थ्य –इस वर्ष के प्रारम्भ में शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से अच्छा रहेगा। मानसिक रूप से स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगी। आपके मन में काम करने की दृढ़ शक्ति बढ़ी-चढ़ी रहेगी। आप फालतू की बातों में ध्यान नहीं देंगे। लेकिन अगस्त के पश्चात् स्वास्थ्य को लेकर कोई परेशानी आ सकती है। किसी मानसिक प्रताड़ना से गुजरना पड़ेगा।

पारिवारिक –यह वर्ष पारिवारिक दृष्टि से अच्छा नहीं रहेगा। परिवार में गलतफहमी को लेकर अशान्ति तथा आपस में वैचारिक मतभेद की स्थिति बन सकती है तथा अनावश्यक रूप से टेंशन होने लगेगा। माता के स्वास्थ्य को लेकर चिन्तित रहेंगे। लेकिन पिता का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। मानसिक रूप से वे स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगे। बच्चों को लेकर परेशान रहेंगे। बच्चों के मध्य तालमेल में उतार-चढ़ाव की स्थिति रहेगी। आप जैसा चाहेंगे वैसा बच्चों से सुख-सहयोग नहीं मिल पाएगा। पत्नी का स्वास्थ्य ठीक रहेगा। दाम्पत्य जीवन में दूसरों की बात को लेकर खटपट रहेगी। किसी न किसी कारण वश आपसी सम्बन्धों में मधुरता का अभाव बना रहेगा। अविवाहित जातकों को प्रेम प्रसंग में सफलता के आसार बनेंगे। मित्रों से सुख-सहयोग मिलेगा। महत्त्वपूर्ण व सांसारिक कार्य-कलापों को आप करने में समर्थ रहेंगे।

व्यवसाय –व्यापारिक एवं कार्यक्षेत्र की दृष्टि से यह वर्ष अच्छा रहेगा। जितना भ्रमण करेंगे आपको उतना ही कार्यों में फायदा मिलेगा। पार्टनरशिप के कार्यों में प्रगति होगी। राजनीति में सफलता मिलेगी। बिजनेस को बढ़ाने हेतु कुछ ऐसे नुस्खे हासिल होंगे, जिससे बिजनेस उच्च स्तर का होने लगेगा। बेरोजगारों को वांछित रोजगार की प्राप्ति होगी। आपके राजनैतिक महत्व के व्यक्ति तथा उच्चाधिकारियों से सम्बन्धों में मधुरता रहेगी। शत्रु आपके कार्यों में बाधा डालने की कोशिश करेंगे। आप सतर्क रहकर कार्य करें।

आर्थिक–आर्थिक दृष्टि से यह वर्ष ठीक-ठीक रहेगा। आपको दो-तीन प्रकार के काम-धंधे से लाभ की प्राप्ति होगी। आय स्त्रोतों के जरीये खुलेंगे। जमीन-जायदाद को क्रय-विक्रय करने पर धन-लाभ होगा। आप इस वर्ष नया वाहन खरीदने में समर्थ रहेंगे व भौतिक सुखों की प्राप्ति होगी। इस वर्ष आमदनी के साथ-साथ खर्च की अधिकता रहेगी।

विद्यार्थी–विद्यार्थियों के लिये समय अगस्त के बाद ठीक नहीं रहेगा। वर्ष के शुरु में विद्यार्थियों को वांछित सफलता मिलेगी, किन्तु वर्ष के अन्त में आपको किसी न किसी कारण वश परेशानियों का सामना करना पड़ेगा व अधिक परिश्रम करने के बावजूद भी नामात्र का परिणाम मिलेगा। पढ़ाई में मन नहीं लगेगा। कला वर्ग के छात्रों व वकालात करने वाले छात्रों को सफलता मिलेगी। विद्यार्थी उच्च विद्या प्राप्ति हेतु उपाय करें।

यात्रा–इस वर्ष कार्य के सिलसिले में दूर व नजदीकी यात्रा होगी।

उपाय– इस वर्ष ग्रहस्थिति को अनुकूल बनाने के लिये उपाय करें- 1. सफेद या क्रीम कलर का सुगन्धित रुमाल हर समय पास में रखें। 2. लक्ष्मी की आराधना करें। 3. शुक्रवार के दिन खीर का भोजन करें। 4. जिरकॉन युक्त "शुक्र यंत्र" लॉकेट गले में अभिमंत्रित करके धारण करें। 5. शुक्रवार के दिन सवा किलो चावल का दान ब्राह्मणों को या गरीबों को देवें। 6. शुक्रवार को मांस-मदिरा का सेवन नहीं करें।



मिथुन राशि

का, की - कु, घ, ङ, छ - के, को, ह

मृगशिरा - आर्द्रा - पुनर्वसु

ग्रहस्थिति –सिंह राशि का राहु पराक्रम भाव में, कन्या राशि का गुरु चौथे स्थान में, वृश्चिक राशि का शनि छठे स्थान में, धनु राशि का सूर्य+बुध सातवें स्थान में, मकर राशि का चन्द्रमा आठवें स्थान में, कुम्भ राशि का मंगल+शुक्र+केतु भाग्य स्थान में गतिशील रहेंगे।

शारीरिक स्वास्थ्य – शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा। दूसरों के हित के चक्कर में फालतू की टेंशन लेने से स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। आपके मन में खिन्नता रहेगी। पेट सम्बन्धी, ब्लडप्रेशर सम्बन्धी कोई रोग हो सकता है। अनावश्यक रूप से मानसिक परेशानी से झुंझना पड़ेगा।

पारिवारिक – यह वर्ष पारिवारिक दृष्टि से अच्छा रहेगा। इस वर्ष पारिवारिक सदस्यों में गलतफहमी दूर होकर परस्पर आपसी सम्बन्धों में प्रेम भावना जाग्रत होगी। साथ ही सुख-समृद्धि व सहयोग बना रहेगा। यह वर्ष माता-पिता के स्वास्थ्य के लिये ठीक रहेगा। वे मानसिक रूप से स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगे। संतान से आपको वांछित सुख व सहयोग नहीं मिलेगा। संतान को लेकर कोई न कोई टेंशन आती रहेगी व संतान से आप असंतुष्ट रहेंगे। अगस्त के पश्चात् स्त्री के स्वास्थ्य को लेकर चिन्तित हो सकते हैं। फिर भी दाम्पत्य जीवन में एक-दूसरे के प्रति विश्वास और प्रेम भावना बनी रहेगी। इस वर्ष अविवाहितों के सगाई-विवाह को लेकर चर्चा चलेगी।

व्यवसायिक –इस वर्ष व्यापारिक एवं कार्यक्षेत्र की दृष्टि से समय आशातीत लाभ को लेकर रहेगा। कोचिंग, इंस्टीट्यूट, स्टेशनरी, प्रकाशन, मीडिया, पत्रकार, विज्ञापन के कार्य करने वाले जातकों की उन्नति व प्रगति होगी व आय के मार्ग खुलेंगे। नौकरी पेशा लोगों का प्रमोशन होगा। राजनैतिक क्षेत्र में आपकी जान-पहचान अच्छी खासी रहेगी, जिस दौरान सरकारी कार्यों को पूरा करने में समर्थ रहेंगे। राजनेताओं के कार्यों में वांछित सफलता मिलेगी। उच्चाधिकारी वर्ग के व्यक्ति से आपकी मुलाकात यादगार साबित होगी। ट्रस्ट, संस्थानों व धार्मिक कार्यों में आपकी रुचि रहेगी व सहायता करने में सदैव तत्पर रहेंगे। हैण्डीक्राफ्ट के बिजनेस करने वाले जातकों के कार्यों में बढ़ोत्तरी होगी। आपके व्यवहार में मिलन सार होने से आपकी मान-प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी होगी। शत्रु आपके कार्यों को बढ़ते हुए देखकर बाधा डालने की कोशिश करेंगे। आपके मन में सबके प्रति आदर- सम्मान रहेगा। मार्केट में आपके व्यवहार की प्रशंसा करेंगे।

आर्थिक–आर्थिक दृष्टि से यह वर्ष ठीक-ठीक रहेगा। भौतिक सुख- सुविधा को बढ़ाने हेतु आप रुपया खर्च करेंगे। बैंक-बैलेंस बढ़ाने में असमर्थ रहेंगे। ससुराल पक्ष से धन-लाभ की प्राप्ति होगी। अचानक ही अनावश्यक रूप से खर्च आ सकता है। लॉटरी, सट्टे से रुपये-पैसे की प्राप्ति होगी। पैतृक सम्पत्ति मिलेगी व जमीन-जायदाद में बढ़ेगी

विद्यार्थी–विद्यार्थियों के लिये समय पहले से बेहतर रहेगा। छात्रों का मन पढ़ाई में लगा

अज्ञानान्धविनाशाय नमो ...



ज्योतिष्मती कालदर्पण पंचाङ्ग

आद्य सम्पादक - स्व. श्री हरदेव शर्मा त्रिवेदी-ज्योतिषाचार्य

सोलन
हिमाचल प्रदेश 173212

राष्ट्रीय शाके १९३९	विक्रम संवत् २०७४
श्री साधारण नाम संवत्सरे क्रम-४५ बंगला सन् १४२४ फसली। बंगला भाद्रपद मास, ता. १६ से आश्विन प्रा. तथा प्रविष्ठा गते तारीख १ प्रारंभ।	(मास :- भाद्रपद सुदी १० से आश्विन सुदी १० तक) ऋतुचर्या-शरद् ऋतु कालांश वनस्पति परिपाक-सुखद प्रकृति

सितम्बर 2017

सम्पादक – Er. श्री सुधाकर शर्मा त्रिवेदी
सह सम्पादक – रोहिताश्व त्रिवेदी



रवि SUN	**अवकाश** 2 इदुलजुहा (बकरीद)चांद से 9 द्वितीय शनिवार 21 घटस्थापना 28 महाष्टमी 30 विजया दशमी (दशहरा)	मु.११ उत्तराषाढ़ा रा.१२ भाद्रपद सुदी १२ गोत्रिरात व्रत, प्रदोष, दुग्ध व. ३ **3**	मु.१८ अश्विनी रा.१६ आश्विन वदी ४/५ भरणी श्राद्ध १० **10**	मु.२५ आश्लेषा रा.२६ आश्विन वदी १२ सन्यासिना श्राद्ध, प्रदोष, विश्वकर्मा पूजन १७ **17**	मु.३ विशाखा रा.२ आश्विन सुदी ४ २४ **24**
सोम MON	**पुष्य नक्षत्र** १६ सितम्बर, शनि पुष्य	मु.१२ श्रवण रा.१३ भाद्रपद सुदी १३ पंचक प्रा. ४ **4**	मु.१६ भरणी रा.२० आश्विन वदी ६ चन्द्रषष्ठी, भू जयन्ती, महादेवी वर्मा निधन दिवस ११ **11**	मु.२६ मघा रा.२७ आश्विन वदी १३ मासिक शिवरात्रि, शस्त्रादि हतानां श्राद्ध १८ **18**	मु.४ अनुराधा रा.३ आश्विन सुदी ५ उपांग ललिता व्रत २५ **25**
मंगल TUE	**पंचक नक्षत्र वेला** ०४ सितम्बर से पंचक प्रारम्भ २३:५५ से ०६ सितम्बर को पंचक समाप्त ११:४७ तक	मु.१३ धनिष्ठा रा.१४ भाद्रपद सुदी १४ शिक्षक दि., अनन्त 14, कदली व्रत,पूर्णिमा व्रत रंभारोपण,प्रौष्ठपदी ५ **5**	मु.२० कृतिका रा.२१ आश्विन वदी ७ गुरु तुला राशि में, मुंडिया स्वामी जं. १२ **12**	मु.२७ पूर्वाफाल्गुनी रा.२८ आश्विन वदी १४ पितृकार्ये अमा., सर्वपितृ श्राद्ध १९ **19**	मु.५ अनुराधा रा.४ आश्विन सुदी ६ हस्ते रवि २६ **26**
बुध WED	**अमृतसिद्धि योग** ४, ८, ९ **सर्वार्थसिद्धि योग** ३,४,८,१०,१२,१३,१४ १५,२०,२३,२५,२६ ३०	मु.१४ शतभिषा रा.१५ भाद्रपद सुदी १५ पूर्णिमा पुण्य, महेश्वर पू., कु.संध्या पूजा, श्राद्ध प्रा. ६ **6**	मु.२१ रोहिणी/मृगशिरा रा.२२ आश्विन वदी ८ अशोकाष्टमी,श्री महालक्ष्मी व्रत उफा. रवि १३ **13**	मु.२८ उत्तराफाल्गुनी रा.२९ आश्विन वदी ३० देवकार्येऽमावस्या, मातामह श्राद्ध २० **20**	मु.६ ज्येष्ठा रा.५ आश्विन सुदी ७ सरस्वती आवाहन, भद्रकाली अवतार, विश्व पर्यटन दि. २७ **27**
गुरु THU	ॐ	मु.१५ पूर्वाभाद्रपद रा.१६ आश्विन वदी १ ७ **7**	मु.२२ आर्द्रा रा.२३ आश्विन वदी ९ सौभाग्यवती श्राद्ध, हिन्दी दि. १४ **14**	मु.२९ हस्त रा.३० आश्विन सुदी १ चन्द्रदर्शन, नवरात्रि प्रा., घटस्थापना, अग्रसेन जं. २१ **21**	मु.७ मूल रा.६ आश्विनं सुदी ८ सरस्वती पू., महाष्टमी २८ **28**
शुक्र FRI	मु.९ पूर्वाषाढ़ा रा.१० भाद्रपद सुदी १० १ **1**	मु.१६ उत्तराभाद्रपद रा.१७ आश्विन वदी २ विश्व साक्षरता दिवस ८ **8**	मु.२३ पुनर्वसु रा.२४ आश्विन वदी १० अभियंता दिवस १५ **15**	मु.१ मोहर्रम मास प्रा. चित्रा रा.३१ आश्विन सुदी २ रवि दक्षिणगोलीय प्रा. सन् 1439 हिजरी प्रा. २२ **22**	मु.८ पूर्वाषाढ़ा रा.७ आश्विन सुदी ९ शस्त्रादि पूजा, नवरात्रि समाप्त बलिदान, २९ **29**
शनि SAT	मु.१० पूर्वाषाढ़ा रा.११ भाद्रपद सुदी ११ जलझूलनी एकादशी इदुलजुहा (बकरीद) वामन जं. २ **2**	मु.१७ रेवती रा.१८ आश्विन वदी ३ पंचक समाप्त, चतुर्थी व्रत ९ **9**	मु.२४ पुष्य रा.२५ आश्विन वदी ११ कन्या संक्रांति, इंदिरा एकादशी १६ **16**	मु.२ स्वाति रा.१ आश्विन सुदी ३ भा.आश्विन प्रा. २३ **23**	मु.९ उत्तराषाढ़ा रा.८ आश्विन सुदी १० बौद्धावतार, विजया दशमी, सरस्वती विस., कत्ल की रात ३० **30**

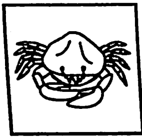
ज्योतिष परामर्श एवं कुण्डली जानने के लिए सम्पर्क करें - 9871956320

अचलेश्वर, 9829253642

रहेगा। उच्च शैक्षणिक डिग्री प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। प्रतियोगिता परीक्षा में वांछित परिणाम नहीं मिल पाएगा। आप जिस क्षेत्र में कैरियर बनाना चाहते हैं उसमें सफलता हासिल करके ही दम लेंगे। विदेशी भाषा सीखने में समर्थ रहेंगे। छात्रों को कम्प्यूटर क्षेत्र में कई प्रकार के नुस्खे सीखने को मिलेंगे, जो भविष्य के लिये लाभकारी साबित होंगे।

यात्रा—इस वर्ष बिजनेस को लेकर यात्राएँ होती रहेगी।

उपाय—इस वर्ष ग्रहस्थिति को अनुकूल बनाने के लिये उपाय करें-1. सवा पांच रत्ती पन्ना या ऑनैक्स को बुध यंत्र में जड़वाकर लॉकेट अभिमंत्रित करके गले में धारण करें। 2. गणेशजी को दूर्वा व लड्डू का प्रसाद चढ़ावें। 3. गाय को खास खिलावें। 4. गणेश चालीसा का नित्य पाठ करें। 5. हरे रंग का सुगन्धित रुमाल नित्य पास में रखें व किन्नर का सम्मान करें। 6. सवा नौ किलो मूंग का दान करें।



कर्क राशि

ही-हू, हे, हो, डा-डी, डू, डे, डो

पुनर्वसु -पुष्य-आश्लेषा

ग्रहस्थिति—सिंह राशि का राहु धन भाव में, कन्या राशि का गुरु पराक्रम स्थान में, वृश्चिक राशि का शनि पांचवें स्थान में, धनु राशि का सूर्य+बुध छठे स्थान में, मकर राशि का चन्द्रमा सातवें स्थान में, कुम्भ राशि का मंगल+शुक्र+केतु आठवें स्थान में गतिशील रहेंगे।

शारीरिक स्वास्थ्य—शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से इस वर्ष उतार-चढ़ाव की स्थिति रहेगी। आपको क्रोध अधिक आने पर अचानक ही तबीयत बिगड़ने की स्थिति बन सकती है। ब्लडप्रेशर, रक्त की कमी व मौसमी बीमारी से ग्रसित होने की संभावना बनेगी। आपके मन उदासीनता का भाव रहेगा। काम में मन नहीं लगेगा। आपको हर किसी की बात अच्छी नहीं लगेगी। आप दूसरों का हित करने की सोचेंगे, लेकिन स्वयं टेन्शन में आ जायेंगे। समय सतर्क रहने का है।

पारिवारिक—पारिवारिक सुख समृद्धि की दृष्टि से यह वर्ष ज्यादा अच्छा नहीं है। कुटुम्ब-परिवार व मित्रों से आपके वैचारिक मतभेद रहेंगे। आपको पारिवारिक जनों से वांछित सुख-सहयोग नहीं मिलने आपके मन में निराशावादी विचार आने लगेंगे व स्वयं को कमजोर महसूस समझेंगे। आपकी मान-प्रतिष्ठा को ठेस पहुंच सकती है। प्रेमी-प्रेमिका के प्यार को दोनों के परिवार वाले इजाजत नहीं देंगे। माता-पिता के दोनों के स्वास्थ्य को लेकर परेशान रहेंगे। वे मानसिक रूप से अप्रसन्न व असंतुष्ट रहेंगे। पुत्र की प्राप्ति होगी। संतान आपके पद-चिन्हों पर चलने से प्रसन्न रहेंगे। संतान आपके कारोबार को संभालने पर संतुष्ट रहेंगे। पति-पत्नी के आपसी सम्बन्धों में मधुरता का भाव बना रहेगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

व्यवसायिक—इस वर्ष व्यापारिक एवं कार्यक्षेत्र की दृष्टि से उन्नतिदायक रहेगा। रुके हुए शुभ एवं महत्त्वपूर्ण कार्यों को उत्साह एवं परिश्रम से पूरा करने में सफल रहेंगे। बेरोजगारों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। राजनीति के क्षेत्र में आपको सफलता मिलेगी। प्रत्येक क्षेत्र में जीत होगी। आपके अपने ही शत्रु जैसा व्यवहार करेंगे व कार्यों में बाधा डालने की चेष्टा करेंगे। नौकरी पेशा लोगों का प्रमोशन होगा। बिजनेस को बढ़ाने हेतु बनायी गई प्लानिंग सफल रहेगी।

आर्थिक—आर्थिक दृष्टि से वर्ष ठीक-ठीक रहेगा। इस समय अनावश्यक रूप से खर्च पर नियंत्रण रखें, वरना कर्ज लेना पड़ सकता है। रुपये-पैसे को लेकर हर समय तंगी महसूस होगी, फिर भी आपका काम अंतिम समय तक ही रुपये-पैसे आए, लेकिन रुपये के कारण काम नहीं अटकेगा। दो नम्बर के कार्यों से धन-लाभ तो मिलेगा, परन्तु किसी की चुगली खाने पर आपका पैसा खर्च हो जाएगा।

विद्यार्थी—इस वर्ष कड़ी मेहनत करने के बावजूद भी विद्यार्थियों को वांछित परिणाम नहीं मिल पाएगा। आपको किसी कारण वश पढ़ाई में बाधा आ सकती है। वकालात, कम्प्यूटर, पी एचडी, प्रशासन अधिकारी जैसी उच्च डिग्री व प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता प्राप्त करने हो सकती है। इसके लिए मन को स्थिर रखने हेतु उपाय करें-

यात्रा—इस वर्ष लम्बी दूरी की व नजदीक की यात्राऐं होती रहेगी।

उपाय—इस वर्ष ग्रहस्थिति को अनुकूल बनाने के लिये उपाय करें-

1. सवा चार रत्ती का मोती चन्द्रमा में जड़वाकर अभिमंत्रित करके गले में धारण करें। 2. सोमवार का व्रत करें। 3. प्रतिदिन शिवजी पर दुग्धमिश्री युक्त अभिषेक करें। 4. शिव चालीसा का नित्य पाठ करें। 5. चावल व चांदी का दान करें।



सिंह राशि

म, मी, मू, मे-मो, टा, टी, टू-टे

मघा-पूर्वाफाल्गुनी - उत्तराफाल्गुनी

ग्रहस्थिति—सिंह राशि का राहु लग्न में, कन्या राशि का गुरु धन भाव में, वृश्चिक राशि का शनि चौथे स्थान में, धनु राशि का सूर्य+बुध पांचवें स्थान में, मकर राशि का चन्द्रमा छठे स्थान में, कुम्भ राशि का मंगल+शुक्र+केतु सातवें स्थान में गतिशील रहेंगे।

शारीरिक स्वास्थ्य—शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष अच्छा रहेगा। पुरानी बीमारी में सुधार होने लगेगा। आपकी मानसिक स्थिति स्वस्थ व प्रसन्न रहेगी। आपकी हिम्मत बरकरार रहेगी। हालांकि छोटी-छोटी मौसमी बीमारियां हो सकती हैं।

पारिवारिक—यह वर्ष पारिवारिक दृष्टि से समय अच्छा रहेगा। भाईयों के मध्य प्रेम भाव बना रहेगा। परस्पर पारिवारिक सदस्य एक-दूसरे का सहयोग करने में तत्पर रहेंगे। अविवाहित जातकों के प्रेम-प्रसंग बनने के योग बनेंगे व वांछित जीवनसाथी मिलेगा। यह वर्ष माता-पिता के स्वास्थ्य की दृष्टि से अच्छा रहेगा तथा शारीरिक एवं मानसिक रूप से वे स्वस्थ व प्रसन्न रहेंगे। संतान पक्ष से आप पहले से बेहतर अच्छा महसूस करेंगे। पुत्र को लेकर जो चिन्ता थी वह दूर होगी। यह वर्ष जीवनसाथी के सुख एवं स्वास्थ्य के लिये ठीक है। दाम्पत्य जीवन में मधुरता व प्रेम की भावना बनी रहेगी। मित्रों से सहयोग मिलेगा।

व्यवसाय—इस वर्ष व्यापारिक एवं कार्यक्षेत्र की दृष्टि से यह समय मिश्रितफलकारी रहेगा। कार्यक्षेत्र में उन्नति हेतु सोच-समझकर कदम उठाना पड़ेगा, वरना बिजनेस में बनायी हुई योजना फैल हो सकती है। पार्टनरशिप के कार्यों में अच्छा खासा लाभ प्राप्त होगा। नौकरी पेशा लोगों के कार्य भार बढ़ने के साथ-साथ प्रमोशन भी होगा। धार्मिक कार्यों में आपकी रूचि रहेगी। आपका हौसला बढ़ा-चढ़ा होने से मन में काम करने की उमंग जाग्रत होगी। राजनीति के कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। उच्चाधिकारी वर्ग से आपके संबंध मधुर रहेंगे। रोजी-रोजगार के उचित मौके सामने आयेंगे। गरीबों की सहायता करने में हमेशा तत्पर रहेंगे। समाज में आपके नाम की चर्चा व मान-प्रतिष्ठा बनी रहेगी। आप चाहने के बावजूद भी किसी कारण वश काम को समय पर नहीं करने से नुकसान उठाना पड़ सकता है। शत्रु आपके कार्यों में रोड़ा डालने की कोशिश करेंगे।

आर्थिक—आर्थिक दृष्टि से यह वर्ष सुख-समृद्धिवर्द्धक रहेगा। आप अपनी भौतिक सुख-सुविधा बढ़ाने हेतु रुपया खर्च करेंगे। कुटुम्ब- परिवार की हर इच्छाओं को पूरा करने में समर्थ रहेंगे। लेकिन जमीन- जायदाद को लेकर कोई परेशानी आ सकती है। आप वाहन बदलकर नया खरीदेंगे। सेल्समेन के कार्यों से रुपये-पैसे की प्राप्ति होगी।

विद्यार्थी—विद्यार्थियों के लिये यह वर्ष अच्छा रहेगा। जिसमें आप कैरियर बनाना चाहते हैं उसको चुनने में सफल रहेंगे। प्रतियोगिता परीक्षा में वांछित रिजल्ट मिलेगा। अध्यापिका बनने की ट्रेनिंग पूरी होने पर आप प्रसन्न रहेंगे। आपका पुराना ख्वाब पूरा होगा। जो आपने चाहा उस मंजिल तक पहुंचकर ही दम लेंगे।

यात्रा—इस वर्ष बिजनेस के सिलसिले में यात्राऐं होती रहेगी।

उपाय—इस वर्ष ग्रहस्थिति को अनुकूल करने के लिये उपाय करें-1. सवा पांच रत्ती का माणिक्य सूर्य यंत्र में जड़वाकर अभिमंत्रित करके गले में धारण करें। 2. प्रतिदिन सूर्य को अर्घ्य देवें। 3. आदित्य ह्रदय स्तोत्र का नित्य पाठ करें। 4. गुलाबी रंग का सुगन्धित रुमाल पास में रखें। 5. कुण्डली में सूर्य ग्रहण का योग बन रहा हो तो वह जातक सूर्य ग्रहण के दिन सवा पांच किलो गेहूँ या चने की दाल व कांसे की कटोरी में तेल भरकर उसका दान करें।



कन्या राशि

टो, पा, पी-पू, ष, ण, ठ-पे, पो

उत्तराफाल्गुनी-हस्त-चित्रा

ग्रहस्थिति—कन्या राशि का गुरु लग्न में, वृश्चिक राशि का शनि पराक्रम भाव में, धनु राशि का सूर्य+बुध चौथे स्थान में, मकर राशि का चन्द्रमा पांचवें स्थान में, कुम्भ राशि का मंगल+शुक्र+केतु छठे स्थान में व सिंह राशि का राहु बारहवें स्थान में गतिशील रहेंगे।

शारीरिक स्वास्थ्य—शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। अनावश्यक रूप से मानसिक तनाव व चित्त में अप्रसन्नता व मन में अशांति रहेगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों में निर्णय लेने की क्षमता कमजोर रहेगी। आवेश में आकर अपने आप को नुकसान पहुंचाने की चेष्टा करेंगे। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें। टेन्शन के कारण अनावश्यक रूप से रोग छोटे-छोटे रोग उत्पन्न होने लगेंगे।

पारिवारिक—यह वर्ष पारिवारिक सुख-समृद्धि की दृष्टि से समय अच्छा रहेगा। इस वर्ष परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। जिससे पारिवारिक सदस्यों में मधुरता का भाव व परस्पर एक-दूसरे का सहयोग करने में तत्पर रहेंगे। यह वर्ष माता-पिता के शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से अच्छा रहेगा। माता-पिता को वांछित सुख व सहयोग मिलता रहेगा। साथ ही प्रसन्नता का भाव रहेगा। संतान पक्ष से आप संतुष्ट व खुश रहेंगे। संतान आपकी आज्ञा का पालन करेगी। स्त्री के सुख एवं स्वास्थ्य के लिये समय अच्छा रहेगा। दाम्पत्य जीवन में सुख व मधुरता बनी रहेगी। प्रेमी- प्रेमिका के प्यार को दोनों के परिवार वाले स्वीकार करके दोनों के विवाह के लिये इजाजत दे देंगे।

व्यवसाय—व्यापारिक एवं कार्यक्षेत्र में उन्नति तथा सफलता की दृष्टि से ठीक-ठीक रहेगा। लेकिन राजनीति व नौकरी पेशा लोगों के लिये समय उत्तम व श्रेष्ठकारी रहेगा। नौकरी पेशा लोगों के पदों में उन्नति होगी। राजनीति में हस्तक्षेप रखने से आप जान-पहचान उच्च स्तर के लोगों से रहेगी। कोर्ट-कचहरी के मामले में आपकी जीत होगी। आपके मन में ऐसा विश्वास उत्पन्न होने लगेगा कि किसी को भी अपने महत्त्वपूर्ण कार्यों को करने के लिये हस्तक्षेप नहीं देंगे। साझेदारी के धंधे में पहले से बेहतर परिणाम मिलेंगे। कारोबार में फायदा ही होगा।

आर्थिक—इस वर्ष रुपये-पैसे की प्राप्ति तो बहुत अच्छी होगी, परन्तु हाथ खुला होने की वजह से पैसा आपके पास टिकेगा नहीं। आपके पास रुपये-पैसे होंगे तो दूसरों को देने में जरा भी नहीं हिचकिचाऐंगे। आय के जरीये दो-तीन तरह के रहेंगे, लेकिन मांगने वालों की कतार भी लगी रहेगी। रूपये बचत कर पाने में असमर्थ रहेंगे। नया वाहन खरीदेंगे।

विद्यार्थी—विद्यार्थियों के समय ठीक-ठीक रहेगा। छात्रों को अधिक मेहनत करने के बाद ही वांछित परिणाम नहीं मिल पाएगा। आपके आशा की किरण निराशा में बदलती हुई दिखाई देगी। आपके नम्बर कम आने की वजह से जिस कॉलेज में दाखिला चाहते हैं, उसमें दाखिला होना मुश्किल रहेगा। आप अपने कैरियर को लेकर चिन्तित रहेंगे।



ज्योतिष्मती कालदर्पण पंचाङ्ग

सोलन

हिमाचल प्रदेश 173212

आद्य सम्पादक - स्व. श्री हरदेव शर्मा त्रिवेदी-ज्योतिषाचार्य

राष्ट्रीय शाके १९३९	विक्रम संवत् २०७४
श्री साधारण नाम संवत्सरे क्रम-४५ बंगला सन् १४२४ फसली। बंगला आश्विन मास, ता. १७ से कार्तिक प्रा. तथा प्रविष्ठा गते तारीख १ प्रारंभ।	(मास :- आश्विन सुदी ११ से कार्तिक सुदी ११ तक) ऋतुचर्या-शरद् ऋतु कालांश ता.२३ से सुखद हेमन्त ऋतुकाल प्रा.

अक्टूबर 2017

सम्पादक – Er. श्री सुधाकर शर्मा त्रिवेदी
सह सम्पादक – रोहिताश्व त्रिवेदी



श्री हरदेव शर्मा त्रिवेदी ज्योतिषाचार्य सोलन (हिमाचल प्रदेश)

रवि SUN	**1** मु.१० श्रवण रा.६ आश्विन सुदी ११ पांपाकुशा एकादशी, रक्तदान दिवस मोहर्रम (ताजिया) मु. १	**8** मु.१७ भरणी रा.१६ कार्तिक वदी ३ करवां चौथ चन्द्रोदय 20:23, दशरथ ललिता व्रत ८	**15** मु.२४ मघा रा.२३ कार्तिक वदी ११ रमा एकादशी १५	**22** मु.१ विशाखा रा.३० कार्तिक सुदी ३ सफर मास प्रा. २२	**29** मु.८ धनिष्ठा रा.७ कार्तिक सुदी ९ कूष्माण्ड (अक्षय) नवमी, पंचक प्रा. तुलसी तेला प्रा., रंगनाथ जं. २९
सोम MON	**2** मु.११ धनिष्ठा रा.१० आश्विन सुदी १२ गांधी जं., शास्त्री जं पंचक प्रा. २	**9** मु.१८ कृतिका रा.१७ कार्तिक वदी ४ विश्व डाक दिवस ९	**16** मु.२५ पूर्वाफाल्गुनी रा.२४ कार्तिक वदी १२ गोवत्स द्वादशी, विश्व खाद्य दिवस १६	**23** मु.२ अनुराधा रा.१ कार्तिक सुदी ४ दूर्वागणपति व्रत, सुखद हेमंत ऋतु प्रा. भा.कार्तिक प्रा. २३	**30** मु.९ शतभिषा रा.८ कार्तिक सुदी १० ३०
मंगल TUE	**3** मु.१२ शतभिषा रा.११ आश्विन सुदी १३ प्रदोष ३	**10** मु.१९ रोहिणी रा.१८ कार्तिक वदी ५ स्कन्द षष्ठी, चित्रा रवि १०	**17** मु.२६ उत्तराफाल्गुनी रा.२५ प्रदोष कार्तिक वदी १३ मासिक शिवरात्रि, गोत्रिरात्र व्रत धनतेरस, आकाशदीपदान प्रा., तुला संक्रांति १७	**24** मु.३ ज्येष्ठा रा.२ कार्तिक सुदी ४ संयुक्त राष्ट्र दिवस स्वाति रवि २४	**31** मु.१० शतभिषा रा.९ कार्तिक सुदी ११ देवप्रबोधिनी एकादशी, तुलसी विवाह चातुर्मास व्र. समाप्त इंदिरा गांधी पु.ति. ३१
बुध WED	**4** मु.१३ पूर्वाभाद्रपद रा.१२ आश्विन सुदी १४ विश्व वन्य प्राणी दिवस ४	**11** मु.२० मृगशिरा रा.१९ कार्तिक वदी ६ गुरु अस्त ११	**18** मु.२७ उत्तराफाल्गुनी रा.२६ कार्तिक वदी १४ दीपदान, रूप (नरक) चतुर्दशी, प्रभात स्नान १८	**25** मु.४ मूल रा.३ कार्तिक सुदी ५ सौभाग्य व पांडव पंचमी, लाभ पंचमी २५	**अवकाश** 1 मोहर्रम (ताजिया) चांद से 02 महात्मा गांधी जं., शास्त्री जं. 14 द्वितीय शनिवार 19 दीपावली 20 गोवर्धन पूजा 21 भैया दूज
गुरु THU	**5** मु.१४ उत्तराभाद्रपद रा.१३ आश्विन सुदी १५ शरद् पूर्णिमा, कोजागरी व्रत, वाल्मिकी जं., कार्तिक स्नान प्रा., बंगीय लखी पूजा ५	**12** मु.२१ आर्द्रा रा.२० कार्तिक वदी ७/८ अगोही अष्टमी १२	**19** मु.२८ हस्त रा.२७ कार्तिक वदी ३० महालक्ष्मी-कुबेर पूजा, बलीपूजा, दीपावली, अमावस्या, श्री महावीर निर्वाण १९	**26** मु.५ पूर्वाषाढ़ा रा.४ कार्तिक सुदी ६ शनि धनु राशि में २६	**पुष्य नक्षत्र** १३ अक्टूबर, भृगु पुष्य १४ अक्टूबर, शनि पुष्य
शुक्र FRI	**6** मु.१५ रेवती रा.१४ कार्तिक वदी १ पंचक समाप्त ६	**13** मु.२२ पुनर्वसु रा.२१ कार्तिक वदी ९ १३	**20** मु.२९ चित्रा रा.२८ कार्तिक सुदी १ बलीपूजा, गोवर्धन पू., अन्नकूट, गोक्रीडा, कृषक भूमि पूजा २०	**27** मु.६ उत्तराषाढ़ा रा.५ कार्तिक सुदी ७ २७	**पंचक नक्षत्र वेला** ०२ अक्टूबर से पंचक प्रारम्भ ०८:५३ से ०६ अक्टूबर को पंचक समाप्त १६:३३ तक २६ अक्टूबर से पंचक प्रारम्भ १८:०० से
शनि SAT	**7** मु.१६ अश्विनी रा.१५ कार्तिक वदी २ श्री गुरु रामदास जं. ७	**14** मु.२३ पुष्य/आश्लेषा रा.२२ कार्तिक वदी १० १४	**21** मु.३० स्वाति रा.२९ कार्तिक सुदी २ चन्द्रदर्शन, भाई दूज, यम दूज, यमुना स्नान, कलमदवात पू. २१	**28** मु.७ श्रवण रा.६ कार्तिक सुदी ८ गोपाष्टमी २८	**अमृतसिद्धि योग** ६ **सर्वार्थसिद्धि योग** ५, ६, ७, ९, १०, ११, १२, १३, १८, १९, २१, २३, २७, २८

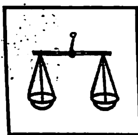
राशि-रत्न-उपरत्न के लिए सम्पर्क करें - एस. पूरणमल कमलकिशोर ज्वैलर्स मो. 9829216124

अचलेश्वर, 9829253642

यात्रा– इस वर्ष नजदीक की यात्राऐं होती रहेगी।

उपाय– ग्रहस्थिति को अनुकूल बनाने के उपाय -1. सवा पांच रत्ती पन्ना या ऑनैक्स को बुध यंत्र में जड़वाकर लॉकेट अभिमंत्रित करके गले में धारण करें। 2.गणपति को दूर्वा व लड्डू का प्रसाद चढ़ावें। 3. गाय को खास खिलावें। 4. गणेश चालीसा का पाठ करें।

तुला राशि



रा, री - रू, रे, रो, ता - ती, तु, ते

मृगशिरा - आर्द्रा - पुनर्वसु

ग्रहस्थिति–वृश्चिक राशि का शनि धन भाव में, धनु राशि का सूर्य+बुध पराक्रम स्थान में, मकर राशि का चन्द्रमा चौथे स्थान में, कुम्भ राशि का मंगल+शुक्र+केतु पांचवें स्थान में, सिंह राशि का राहु लाभ स्थान में व कन्या राशि का गुरु बारहवें स्थान में गतिशील रहेंगे।

शारीरिक स्वास्थ्य –शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से इस वर्ष ज्यादा अच्छा नहीं रहेगा। आप दूसरों की परेशानी को अपनी टेन्शन बना लेंगे, जो स्वास्थ्य को प्रभावित करेगी। आप अपने क्रोध पर संयम रख पाने में असमर्थ रहेंगे। कोई पुरानी बीमारी गम्भीर रूप ले सकती है। आप स्वास्थ्य के प्रति किसी भी तरह की लापरवाही नहीं रखें। सचेत रहें।

पारिवारिक – यह वर्ष कुटुम्ब-परिवार को लेकर कोई न कोई परेशानियों से घिरा रहेगा। कटु वाणी के कारण पारिवारिक सम्बन्धों में खटाश पड़ जायेगा। कई बार परिवार में छोटी-सी बात को लेकर शांति भंग हो सकती है। मानसिक तनाव से आप ग्रस्त रहेंगे। यह वर्ष माता-पिता की सेहत को लेकर ज्यादा अच्छा नहीं है। वे मानसिक रूप से अप्रसन्न रहेंगे। संतान से वांछित सुख व सहयोग प्राप्त नहीं होगा। संतान आपके कहने में नहीं रहेगी। इस वर्ष स्त्री के सुख के लिये भी समय ठीक-ठीक रहेगा। समझौतावादी दृष्टिकोण से दाम्पत्य जीवन में खुशी ला सकते है। नहीं तो किसी न किसी कारण वश तनाव की स्थिति गृहस्थ जीवन में परेशानी डाल सकती है। अविवाहित जातकों के लिये विवाह होने में बाधा आएगी। समाज में आपका अच्छा नाम रहेगा।

व्यवसायिक – इस वर्ष व्यापारिक एवं कार्यक्षेत्र की दृष्टि से उतार-चढ़ाव की स्थिति रहेगी। व्यापारिक क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण उन्नति हेतु परिश्रम अधिक करने पर सफलता मिलेगी। सांसारिक महत्त्व के शुभ एवं महत्त्वपूर्ण कार्यों को बुद्धि-विवेक से पूरा करने में सक्षम रहेंगे। नौकरी पेशा लोगों के प्रमोशन तथा किसी परिवर्तन की संभावना भी रहेगी। राजनैतिक क्षेत्र के लिये समय उठा-पटक का रहेगा। मंत्रीगण व उच्चाधिकारी वर्ग से आपके सम्बन्ध स्थापित होंगे, फिर भी आप उनसे संतुष्ट नहीं रह पायेंगे। न्यायाधिपति के कार्यों में सफलता मिलेगी। बेरोजगारों को वांछित रोजगार नहीं मिल पाऐंगे। जितना आप घूमेंगे आपको काम-धंधे में उतना ही फायदा मिलेगा।

आर्थिक–आर्थिक दृष्टि से यह वर्ष ठीक-ठीक रहेगा। धन-लाभ की प्राप्ति के साथ-साथ खर्च की अधिकता भी रहेगी। बैंक-बैलेंस में कमी लगेगी। पार्टनरशिप, लॉटरी, सट्टे के कार्यों में धन की हानि होने की संभावना रहेगी। जमीन-जायदाद में लाभ मिलेगा। पैतृक सम्पत्ति का सुलझारा होगा। आप सम्पत्ति को बढ़ाने के चक्कर में पूंजी का गलत इस्तेमाल हो जाएगा व आगे जाकर परेशानी का कारण बन जाएगी।

विद्यार्थी–विद्यार्थियों के समय ठीक-ठीक है। विद्यार्थियों को उच्च शैक्षणिक डिग्री में वांछित सफलता नहीं मिल पाएगी। प्रतियोगिता परीक्षा में बाधा आएगी। आपका पढ़ाई के प्रति मन नहीं लग पाएगा।

यात्रा– इस वर्ष कार्य के सिलसिले में यात्राऐं होती रहेगी।

उपाय– इस वर्ष को अनुकूल बनाने के लिये निम्न उपाय करें - 1. सफेद या क्रीम कलर का सुगन्धित रुमाल हमेशा पास में रखें। 2. लक्ष्मी माता की आराधना करें। 3. शुक्रवार को खीर का भोजन करें। 4. जिरकॉन युक्त "शुक्र यंत्र" लॉकेट गले में अभिमंत्रित करके धारण करें। 5. शुक्रवार को सवा किलो चावल का दान गरीबों को देवें।

वृश्चिक राशि

तो -ना, नी, नू, ने - नो, या, यी, यू

विशाखा - अनुराधा - ज्येष्ठा

ग्रहस्थिति-वृश्चिक राशि का शनि लग्न धनु राशि का सूर्य+बुध धन भाव में, मकर राशि का चन्द्रमा पराक्रम स्थान में, कुम्भ राशि का मंगल+शुक्र+केतु चौथे स्थान में, सिंह राशि का राहु दसवें स्थान में, कन्या राशि का गुरु लाभ स्थान में गतिशील रहेंगे।

शारीरिक स्वास्थ्य – शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष के शुरु में आपके लिए ठीक नहीं रहेगा। आपके स्वभाव में क्रोध की प्रबलता अधिक होने पर मानसिक रूप से यदा-कदा असंतुष्टि बनी रहेगी तथा अधिकांशतया आप किंकर्त्तव्यमूढ़ से बने रहेंगे। अगस्त के पश्चात् स्वास्थ्य में धीरे-धीरे सुधार होने लगेगा। मन में प्रसन्नता का भाव रहेगा।

पारिवारिक – यह वर्ष पारिवारिक दृष्टि से ठीक-ठीक रहेगा। पारिवारिक सुख शांति बनाये रखने के लिये समझौता या मन को शान्त बनाये रखना होगा। परिवार में गलतफहमी होने से एक-दूसरे के प्रति सम्बन्धों में मधुरता का अभाव रहेगा। जमीन-जायदाद को लेकर भाईयों में अनबन रहेगी। इस वर्ष माता-पिता की सेहत अच्छी रहेगी। मानसिक रूप से वे स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगे। संतान पक्ष से आप संतुष्ट रहेंगे। संतान आज्ञाकारी व आपके कहने में रहेगी। स्त्री के सुख एवं स्वास्थ्य के लिये वर्ष अच्छा रहेगा। शारीरिक एवं मानसिक रूप से वे स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेगी। दाम्पत्य जीवन में सुख-समृद्धि व सम्बन्धों में मधुरता का भाव बना रहेगा। अविवाहितों के लिये सगाई का रिश्ता व विवाह होने का योग बनेगा। सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे।

व्यवसाय – इस वर्ष के शुरु में व्यापारिक एवं कार्यक्षेत्र की दृष्टि से शुभ एवं महत्त्वपूर्ण रहेगा। व्यापारिक क्षेत्र में विशेष उन्नति तथा उन्नतिकारक किसी परिवर्तन की सम्भावना रहेगी। राजनैतिक क्षेत्र के लिये समय मिला-जुला रहेगा। इस समय अपने उच्च पद को प्राप्त करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों से मेलजोल बढ़ाने पड़ेगा या किसी उच्चाधिकारी की सिफारिश से कार्यक्षेत्र में पदोन्नति होने के योग बनेगें। बेरोजगारों को रोजगार हेतु संघर्ष करना पड़ेगा या मनचाहा रोजगार नहीं मिल पाएगा। वर्ष के मध्य में व्यापार में उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ेगा व अधिक मेहनत करने के बावजूद भी नाममात्र का परिणाम मिलेगा। विरोधी आपके महत्त्वपूर्ण कार्यों में टांग अड़ायेंगे।

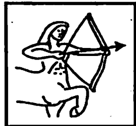
आर्थिक–आर्थिक दृष्टि से इस वर्ष लाभ के साथ-साथ हानि भी उठानी पड़ेगी। शुभ व मांगलीक कार्यों में व अनावश्यक रूप से खर्च की अधिकता रहेगी। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। नया वाहन खरीदने का योग बनेगा। पैतृक सम्पत्ति को लेकर विवाद की स्थिति उत्पन्न होने की संभावना रहेगी। बैंक-बैलेंस में बढ़ोत्तरी नहीं हो पाएगी। फिर भी रुपये-पैसे के कारण कोई भी काम रुका हुआ नहीं रहेगा।

विद्यार्थी–यह वर्ष विद्यार्थियों के लिये उन्नतिकारक व श्रेष्ठ रहेगा। प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता मिलेगी। जिस क्षेत्र में कैरियर बनाना चाहते हैं उसमें आप प्रवेश लेने में समर्थ रहेंगे। कम्प्यूटर के कार्यों से लाभ मिलेगा। उच्च स्तर की शैक्षणिक डिग्री मिल जाएगी।

यात्रा – इस वर्ष कार्य के सिलसिले में दूर-नजदीक की यात्राऐं होगी।

उपाय– इस वर्ष ग्रहस्थिति को अनुकूल बनाने के लिये उपाय करें-1. सवा चार रत्ती का मूंगा' मंगल यंत्र' में जड़वाकर अभिमंत्रित करके लॉकेट गले में धारण करें। 2. मंगलवार का व्रत करें। 3. प्रतिदिन हनुमानजी को तेल-सिन्दूर चढ़ावें। 4. हनुमान चालीसा का नित्य पाठ करें। 5. शत्रुनाशक के लिये बजरंगबाण का पाठ करें। 6. तांबें का पात्र दान करें। 7. मंगलवार के दिन बन्दरों को गुड़-चने खिलावें। 8. हनुमानजी को मंगलवार को गुड़-रोटे का भोग लगावें।

धनु राशि



ये, यो, भा, भी - भू, धा, फा, ढ़ा - भे

मूल - पूर्वाषाढ़ा - उत्तराषाढ़ा

ग्रहस्थिति–धनु राशि का सूर्य+बुध लग्न में, मकर राशि का चन्द्रमा धन भाव में, कुम्भ राशि का मंगल+शुक्र+केतु पराक्रम स्थान में, सिंह राशि का राहु भाग्य स्थान में, कन्या राशि का गुरु दसवें स्थान में, वृश्चिक राशि का शनि बारहवें स्थान में गतिशील रहेंगे।

शारीरिक स्वास्थ्य – इस वर्ष शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से आप स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगे। पुराने रोगों में सुधार होने लगेगा। आपको धीरे- धीरे टेंशनों से मुक्ति मिलने लगेगी। हालांकि आपके मन में उच्चाटन व एक स्थान पर मन नहीं लगेगा। खाने-पीने में आप परेज रख पाने में समर्थ रहेंगे। दीन-दुःखियों व जरुरतमंद लोगों की सहायता करेगें।

पारिवारिक – यह वर्ष आपके पारिवारिक सुख समृद्धि की दृष्टि से समय अच्छा रहेगा। परिवार के सदस्यों के मध्य परस्पर मधुरता का भाव रहेगा। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। यह वर्ष माता- पिता के स्वास्थ्य के लिये अच्छा रहेगा तथा वे शारीरिक तथा मानसिक रूप से स्वस्थ तथा प्रसन्न रहेंगे। संतति पक्ष से आप असंतुष्ट रहेंगे तथा संतान के स्वास्थ्य को लेकर परेशान रहेंगे। इस वर्ष स्त्री के सुख एवं स्वास्थ्य के लिये समय अच्छा नहीं रहेगा। आपकी स्त्री शारीरिक व मानसिक रूप से अस्वस्थ रहेगी। दाम्पत्य संबंधों में सामान्यतया तनाव का वातावरण रहेगा। कुटुम्ब-परिवार में कोई मांगलिक कार्य होगा। प्रेम-प्रसंग में कोई परेशानी आ सकती है। समाज में आपकी मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी

व्यवसायिक – इस वर्ष व्यापारिक एवं कार्यक्षेत्र की दृष्टि से उतार-चढ़ाव की स्थिति रहेगी। शुभ एवं महत्त्वपूर्ण कार्यों को पूरा करने के लिये अधिक परिश्रम करने के बावजूद भी अल्प मात्रा में सफलता मिलेगी, क्योंकि साझेदार या सहयोगियों से कोई समस्या हो सकती है। आप उन्नति मार्ग को प्रशस्त करने में तत्पर रहेंगे। राजनैतिक महत्त्व के लोगों तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आपके सम्बन्ध बनेगें तथा कभी-कभी आपको सहयोग मिलता रहेगा। धार्मिक कृत्यों के प्रति आपके मन में श्रद्धा नहीं रहेगी। आपका आत्मविश्वास कमजोर होने से विकट परिस्थितियों का सामना करने में असमर्थ समझेंगे। विशेष उपलब्धि को अर्जित करने में असफल रहेंगे। फील्ड के कार्यों में लाभ मिलेगा।

आर्थिक–आर्थिक स्थिति इस वर्ष उतार-चढ़ाव की स्थिति रहेगी। रुपये-पैसे के कारण आपका काम रुका हुआ नहीं रहेगा। अर्थ-लाभ पाने के लिये आप दिन-रात एक कर देंगे। आप गलत कार्यों से, लॉटरी, जुआ, सट्टे से भी रुपया कमाने की चेष्टा करेंगे, लेकिन वह रुपया ज्यादा समय तक नहीं टिक पाएगा।

विद्यार्थी–विद्यार्थियों के लिये वर्ष के शुरु में ज्यादा ठीक नहीं है। सितम्बर के पश्चात् आपका मन पढ़ाई में लगने लगेगा। आपको परिश्रम का पूरा-पूरा लाभ व मनचाहा परिणाम मिलेगा। आप धार्मिक शास्त्र को पढ़ने में रुचि रखेंगे व तरह-तरह की टैक्नीकल जानकारियां मिलेगी।

यात्रा – इस वर्ष में धार्मिक व दूर-नजदीक की यात्रा सम्पन्न होगी।

उपाय – इस वर्ष ग्रहस्थिति को अनुकूल बनाने के लिये उपाय करें-1. सवा पांच रत्ती का पुखराज या सुनैला गुरु यंत्र में जड़वाकर अभिमंत्रित करके गले में धारण करें। 2. गुरुवार के दिन बेसन का (पीला) भोजन करें। 3. गुरुवार का व्रत करें व केसर चन्दन का तिलक लगावें। 4. विष्णु सहस्त्र का पाठ करें। 5. सवा पांच किलो चने की दाल का दान करें।

अज्ञानान्धविनाशाय नभोमणितुलां वहन् ।।



ज्योतिष्मती कालदर्पण पंचाङ्ग

सोलन

हिमाचल प्रदेश 173212

आद्य सम्पादक - स्व. श्री हरदेव शर्मा त्रिवेदी-ज्योतिषाचार्य

''विश्वविजय पंचाङ्ग'' सदाऽस्तु विदुषां मुदे



राष्ट्रीय शाके १९३९	विक्रम संवत् २०७४
श्री साधारण नाम संवत्सरे क्रम-४५ बंगला सन् १४२४ फसली। बंगला कार्तिक मास, ता. १६ से मार्गशीर्ष प्रा. तथा प्रविष्ठा गते तारीख १ प्रारंभ।	(मास :- कार्तिक सुदी १२ से मार्गशीर्ष सुदी ११ तक) ऋतुचर्या-हेमन्त ऋतु सुखद अनुकूल शीतकाल कालांश

नवम्बर 2017

सम्पादक – Er. श्री सुधाकर शर्मा त्रिवेदी
सह सम्पादक – रोहिताश्व त्रिवेदी

रवि SUN	**अवकाश** 4 गुरू नानक जयंती 11 द्वितीय शनिवार	मु.१५ कृतिका रा.१४ मार्गशीर्ष वदी १/२ ५ **5**	मु.२२ मघा रा.२१ मार्गशीर्ष वदी ९ १२ **12**	मु.२९ अनुराधा रा.२८ मार्गशीर्ष सुदी १ इंदिरा गांधी जं., अनुराधा रवि १९ **19**	मु.६ धनिष्ठा रा.५ मार्गशीर्ष सुदी ७ पंचक प्रा. २६ **26**
सोम MON	**पुष्य नक्षत्र** ९ नवम्बर, गुरु पुष्य १० नवम्बर, भृगु पुष्य	मु.१६ रोहिणी रा.१५ मार्गशीर्ष वदी ३ सौभाग्य सुन्दरी व्रत, गुरु उदय विशाखा रवि ६ **6**	मु.२३ पूर्वाफाल्गुनी रा.२२ मार्गशीर्ष वदी १० १३ **13**	मु.३० ज्येष्ठा रा.२९ मार्गशीर्ष सुदी २ चन्द्रदर्शन २० **20**	मु.७ शतभिषा रा.६ मार्गशीर्ष सुदी ८ २७ **27**
मंगल TUE	**अमृतसिद्धि योग** ९, १० **सर्वार्थसिद्धि योग** २, ३, ६, ७, ९, १०, १५, २४, २५, २८, २९, ३०	मु.१७ मृगशिरा रा.१६ मार्गशीर्ष वदी ४ अंगारकी चतुर्थी व्रत ७ **7**	मु.२४ उत्तराफाल्गुनी रा.२३ मार्गशीर्ष वदी ११ उत्पत्ति एकादशी, वैतरणी व्रत नेहरू जं. बाल दिवस १४ **14**	मु.१ मूल रा.३० मार्गशीर्ष सुदी ३ रवि-उल-अव्वल मास प्रा. २१ **21**	मु.८ पूर्वाभाद्रपद रा.७ मार्गशीर्ष सुदी ९ २८ **28**
बुध WED	मु.११ पूर्वाभाद्रपद रा.१० कार्तिक सुदी १२ प्रदोष १ **1**	मु.१८ आर्द्रा रा.१७ मार्गशीर्ष वदी ५ ८ **8**	मु.२५ हस्त रा.२४ मार्गशीर्ष वदी १२ प्रदोष, आखिरी बुध १५ **15**	मु.२ पूर्वाषाढ़ा रा.१ मार्गशीर्ष सुदी ४ भा.मार्गशीर्ष प्रा. २२ **22**	मु.९ उत्तराभाद्रपद रा.८ मार्गशीर्ष सुदी १० २९ **29**
गुरु THU	मु.१२ उत्तराभाद्रपद/रेवती रा.११ कार्तिक सुदी १३ वैकुण्ठ चतुर्दशी, रोटक व्रत समाप्त २ **2**	मु.१९ पुनर्वसु रा.१८ मार्गशीर्ष वदी ६ चेहल्लुम चालीसा ९ **9**	मु.२६ चित्रा रा.२५ मार्गशीर्ष वदी १३ मासिक शिवरात्रि, आकाशदीप समा. वृश्चिक संक्रांति १६ **16**	मु.३ उत्तराषाढ़ा रा.२ मार्गशीर्ष सुदी ५ राम-जानकी विवाहोत्सव, नागपंचमी, विश्व मधुमेह दि. २३ **23**	मु.१० रेवती रा.९ मार्गशीर्ष सुदी ११ मोक्षदा एकादशी, गीता जं. पंचक समाप्त ३० **30**
शुक्र FRI	मु.१३ अश्विनी रा.१२ कार्तिक सुदी १४ पूर्णिमा, कार्तिक व्रतोद्यापन, त्रिपुरोत्सव,पुष्कर यात्रा पंचक समाप्त ३ **3**	मु.२० पुष्य रा.१९ मार्गशीर्ष वदी ७ कालभैरवाष्टमी, कालभैरव जं. १० **10**	मु.२७ स्वाति रा.२६ मार्गशीर्ष वदी १४ लाजपतराय बलिदान दिवस महाव्रतारंभ १७ **17**	मु.४ उत्तराषाढ़ा रा.३ मार्गशीर्ष सुदी ६ गुरु तेगबहादर शहीद दिवस, स्कंद षष्ठी २४ **24**	**पंचक नक्षत्र वेला** २/३ नवम्बर को पंचक समाप्त २९:३१ तक २५/२६ नवम्बर से पंचक प्रारम्भ २९:०० से ३० नवम्बर को पंचक समाप्त १६:१४ तक
शनि SAT	मु.१४ भरणी रा.१३ कार्तिक सुदी १५ पूर्णिमा, नानक जं.,देवदीपावली, निम्बार्क जं., चार्तुमास समा. कार्तिक स्नान पूर्ण ४ **4**	मु.२१ आश्लेषा रा.२० मार्गशीर्ष वदी ८ ११ **11**	मु.२८ विशाखा रा.२७ मार्गशीर्ष वदी ३० गौरीतपो व्रत, अमावस्या, शहादत-ए-इमाम हसन १८ **18**	मु.५ श्रवण रा.४ मार्गशीर्ष सुदी ६ २५ **25**	

अचलेश्वर, 9829253642

ज्योतिष परामर्श एवं कुण्डली जानने के लिए सम्पर्क करें - 9871956320

मकर राशि



भो, जा, जी जू, जे, जो, खा खी, खू, खे, खो गा, गी

उत्तराषाढ़ा अभिजित् श्रवण धनिष्ठा

ग्रहस्थिति–मकर राशि का चन्द्रमा लग्न में, कुम्भ राशि का मंगल+शुक्र+केतु धन स्थान में, सिंह राशि का राहु आठवें स्थान में, कन्या राशि का गुरु भाग्य स्थान में, वृश्चिक राशि का शनि लाभ स्थान में व धनु राशि का सूर्य+बुध बारहवें स्थान में गतिशील रहेंगे।

शारीरिक स्वास्थ्य – शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष के प्रारम्भ में ठीक-ठीक रहेगा। अगस्त के पश्चात् आपके स्वास्थ्य में धीरे-धीरे सुधार होने लगेगा। आपके स्वभाव में चिड़चिड़ापन दूर होकर चित्त में प्रसन्नता का भाव उत्पन्न होगा। आप अपने महत्त्वपूर्ण कार्यों को पूरा करने की उमंग होने लगेगी। मानसिक टेन्शनें दूर होगी। आपके खाने-पीने का स्वाद भी अच्छा होने लगेगा।

पारिवारिक –यह वर्ष आपके पारिवारिक सुख समृद्धि की दृष्टि से समय अच्छा रहेगा। पारिवारिक जनों के मध्य सम्बन्धों में मधुरता का भाव बना रहेगा व एक-दूसरे के प्रति सहायता करने के लिये तत्पर रहेंगे। यह वर्ष माता-पिता के शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से अच्छा रहेगा। वे स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगे। संतान पक्ष की ओर से आपकी चिन्ताएँ दूर होगी तथा संतान से वांछित सुख व सहयोग मिलेगा। संतान आपकी आज्ञा में रहेगी। स्त्री का स्वास्थ्य सामान्य रूप से अच्छा रहेगा। दाम्पत्य जीवन में प्रेम भावना बनी रहेगी। फिर भी किसी कारण वश दूसरों की परेशानी को अपना चिन्ता का विषय बना लेंगे या ऊँच-नीच के भाव आने लगेंगे। इस वर्ष अविवाहितों के लिये सगाई या विवाह की चर्चा चलेगी। आप अपने से बड़ों का मान-सम्मान व आदर रखेंगे।

व्यवसायिक – इस वर्ष व्यापारिक, कार्यक्षेत्र एवं राजनैतिक की दृष्टि से समय मिलाजुला रहेगा। व्यापार-व्यवसाय में उन्नति हेतु कई कठिनाईयों का सामना करना पड़ेगा, इसके पश्चात् अन्त में जाकर थोड़ी सी प्रगति होगी। काम-धंधे में परिवर्तन योग बन रहा है या आपका मन एक स्थान पर टिका हुआ नहीं रहेगा या काम में मन नहीं लगेगा। कार्यक्षेत्र में मनचाहा स्थान पर स्थानान्तरण नहीं होने से मन में उदासी छा जायेगी। राजनीति के कार्यों में हस्तक्षेप जरूर रहेगा, परन्तु आपको वांछित पद नहीं मिल पाएगा। शत्रु महत्त्वपूर्ण कार्यों में बाधा डालने की चेष्टा करेंगे। आप जल्दी से भयभीत हो जायेंगे।

आर्थिक– आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। आवश्यक मात्रा में धन-लाभ की प्राप्ति होती रहेगी। एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट के कार्यों से अच्छा खासा रुपया-पैसा प्राप्त होगा। आय की आवक के जरीये एक से अधिक रहेंगे। भौतिक सुख की वृद्धि हेतु व शुभ-मांगलीक कार्यों के लिये रुपया खर्च करेंगे। आपके पास आसानी से रुपया-पैसा टिकेगा नहीं।

विद्यार्थी–विद्यार्थियों के लिये यह समय अच्छा रहेगा। ज्योतिष सीखने में आप रुचि रखेंगे। तंत्र-मंत्र विद्याओं का ज्ञान प्राप्त होगा। आपको कई तरह-तरह की जानकारियां मिलने पर कैरियर को चुनने में आसानी व भविष्य उज्जवल के लिये सार्थक रहेगी।

यात्रा– इस वर्ष में आपकी धार्मिक यात्रा व नजदीकी यात्रा होती रहेगी।

उपाय – इस वर्ष ग्रहस्थिति को अनुकूल बनाने के लिये उपाय करें- 1. शनिवार के दिन काले घोड़े के नाल की बनी हुई "शनिमुद्रिका" अभिमंत्रित करके मध्यमा अंगुली में धारण करें। 2. सवा पांच रत्ती का नीलम या नीली युक्त शनियंत्र का लॉकेट त्रिधातु में बनाकर अभिमंत्रित करके धारण करें। 3. शनिवार के दिन कीडीनगरा सींचे। 4. शनिवार के दिन लोहे की कटोरी में तेल या तिल का दान करें। 5. शनि मंत्र का जाप करें।

कुम्भ राशि

गू, गे - गो, सा, सी, सू - से, सो, द

धनिष्ठा - शतभिषा - पूर्वाभाद्रपद

ग्रहस्थिति –कुम्भ राशि का मंगल+शुक्र+केतु लग्नभाव में, सिंह राशि का राहु सातवें स्थान में, कन्या राशि का गुरु आठवें स्थान में, वृश्चिक राशि का शनि दसवें स्थान में, धनु राशि का सूर्य+बुध लाभ स्थान में व मकर राशि का चन्द्रमा बारहवें स्थान में गतिशील रहेंगे।

शारीरिक स्वास्थ्य – यह वर्ष शारीरिक स्वास्थ्य को लेकर उतार-चढ़ाव की स्थिति रहेगी। कभी-कभी मानसिक परेशानी व टेन्शन से समय गुजरेगा जो स्वास्थ्य को प्रभावित करेगा। मन में असंतुष्टता रहेगी व दूसरों की मुसीबतों को अपने गले लगाकर स्वयं को चिन्ता में डूबो लेंगे। आपको पेट सम्बन्धित कोई रोग उत्पन्न हो सकता है, लेकिन इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ेगा। इलाज करवाने पर अच्छा हो जायेगा।

पारिवारिक– इस वर्ष में पारिवारिक सुख शान्ति और समृद्धि के लिये समय उत्तम रहेगा। पारिवारिक जनों के मध्य परस्पर सम्बन्धों में मधुरता का भाव बना रहेगा। परिवार में शांति का माहौल बना रहेगा। पारिवारिक सदस्यों में एक-दूसरे का सहयोग करने के लिये तत्पर रहेंगे। माता की सेहत अच्छी रहेगी, परन्तु पिता के स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव की स्थिति रहेगी। यह वर्ष संतान पक्ष के लिये शुभकारी रहेगा। संतान से वांछित सहयोग व सुख मिलेगा व संतान स्वस्थ व प्रसन्न रहेगी। इस वर्ष पत्नी के स्वास्थ्य को लेकर चिन्तित रहेंगे। पति-पत्नी के सम्बन्धों में कभी-कभी मधुरता का अभाव रहेगा। अविवाहितों के लिये रिश्ते की चर्चा चलेगी। मित्रों से वांछित सुख व सहयोग मिलेगा।

व्यवसाय – यह वर्ष व्यापारिक एवं कार्यक्षेत्र की दृष्टि से समय ज्यादा अच्छा नहीं रहेगा। अधिक मेहनत करने के पश्चात् भी मनोवांछित परिणाम नहीं मिल पायेंगे। अनावश्यक रूप से काम-धंधे में रुकावटें आएगी। राजनैतिक कार्यों में उठा-पटक होने से वांछित परिणाम नहीं मिल पाएंगे। उच्चाधिकारी वर्ग से सम्बन्ध अच्छे रहेंगे। कोर्ट-कचहरी के मामले में उलझनें उत्पन्न होने लगेगी। नौकरी पेशा लोगों का मनचाहा स्थान पर स्थानान्तरण होने से मन में खुशी रहेगी। फील्ड के कार्यों में प्रगति व लाभ की प्राप्ति होगी। सोच-समझकर कार्य करेंगे तो वांछित सफलता व लाभ की प्राप्ति होगी।

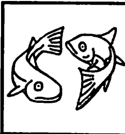
आर्थिक–इस वर्ष आर्थिक रूप से परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आवश्यक रूप से जितनी आमदनी होगी, उतनी ही मात्रा में खर्च होते जायेंगे। धार्मिक स्थल में दान-पुण्य करेंगे। आप जितना हो सके फालतू के खर्चे पर नियंत्रण रखें, वरना कर्ज लेने की नौबत आ सकती है। जमीन-जायदाद में बढ़ोत्तरी होने के संकेत मिलेंगे।

विद्यार्थी–विद्यार्थियों के लिये समय अच्छा रहेगा। अपने बुद्धि विवेक व परिश्रम से सफलता प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे व ज्ञान में वृद्धि होगी। प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता मिलेगी। उच्च स्तर की डिग्री मिलेगी।

यात्रा– इस वर्ष धार्मिक स्थल की व कार्य के सिलेसिले में नजदीकी यात्रा होती रहेगी।

उपाय– इस वर्ष ग्रहस्थिति को अनुकूल बनाने के उपाय- 1. शनिवार के दिन काले घोड़े के नाल की बनी हुई "शनिमुद्रिका" अभिमंत्रित करके मध्यमा अंगुली में धारण करें। 2. सवा पांच रत्ती का नीलम या नीली युक्त शनियंत्र का लॉकेट त्रिधातु में बनाकर अभिमंत्रित करके धारण करें। 3. शनिवार के दिन कीडीनगरा सींचे। 4. शनिवार के दिन लोहे की कटोरी में तेल या तिल का दान करें। 5. शनि मंत्र का जाप करें।

मीन राशि



दी - दू, थ, झ, ण - दे, दो, चा, ची

पूर्वाभाद्रपद - उत्तराभाद्रपद - रेवती

ग्रहस्थिति–सिंह राशि का राहु छठे स्थान में, कन्या राशि का गुरु सातवें स्थान में, वृश्चिक राशि का शनि भाग्य स्थान में, धनु राशि का सूर्य+बुध दसवें स्थान में, मकर राशि का चन्द्रमा लाभ स्थान में व कुम्भ राशि का मंगल+शुक्र+केतु बारहवें स्थान में गतिशील रहेंगे।

शारीरिक स्वास्थ्य – शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। मानसिक रूप से यदा-कदा कष्ट की अनुभूति होती रहेगी। आप आवेश में आकर अपने स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकते हैं। आपके स्वास्थ्य में किसी न किसी कारण वश कोई न कोई रोग लगा रहेगा। ब्लडप्रेशर, डायबीटीज, बुखार जैसे रोग उत्पन्न हो सकते हैं।

पारिवारिक – यह वर्ष पारिवारिक दृष्टि से ज्यादा अच्छा नहीं रहेगा। छोटी-सी बात को लेकर पारिवारिक सुख शांति भंग हो सकती है। समझौतावादी दृष्टिकोण से पारिवारिक सदस्यों में एक-दूसरे के प्रति सहयोग व मधुरता का भाव बना रहेगा। इस वर्ष माता-पिता के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशानी आ सकती है। वे शारीरिक एवं मानसिक रूप से चिन्तित रहेंगे। संतान पक्ष से अप्रसन्न व असंतुष्ट रहेंगे। स्त्री के सुख एवं स्वास्थ्य के लिये समय ठीक-ठीक रहेगा। आपसी सम्बन्धों में तनाव व मधुरता का अभाव रहेगा। अविवाहितों के लिये सम्बन्धों में बाधा आएगी। कभी-कभी मान हानि होगी।

व्यवसाय – इस वर्ष व्यापारिक, राजनीति एवं कार्यक्षेत्र में उन्नति व सफलता की दृष्टि से यह समय ठीक-ठीक रहेगा। इस वर्ष बेरोजगारों को मनचाहा रोजगार मिलने से चित्त में प्रसन्नता रहेगी। दूसरों के ताने सुनने से छुटकारा मिलेगा। व्यापार या नौकरी में अनायास ही उन्नति होगी, लेकिन एक बार में सफलता नहीं मिल पाएगी। अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिये यदा-कदा परिश्रम तथा संघर्ष करना पड़ेगा। राजनीति में आप हस्तक्षेप रखेंगे। कार्यक्षेत्र में प्रगति हेतु उठा-पटक करनी पड़ेगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों में अपने ही शत्रु बनकर रोड़ा डालने की कोशिश करेंगे। फिर भी आप निराश नहीं होकर बुजुर्गों के बताये हुए रास्ते पर चलकर कार्यों में जीत हासिल करके ही दम लेंगे। दो नम्बर के कार्यों में आपका हौसला बुलन्द रहेगा। राजकीय कार्यों में विजय होगी।

आर्थिक–आर्थिक दृष्टि से वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। प्रचुर मात्रा में धन- लाभ की प्राप्ति होगी, लेकिन खर्च की अधिकता भी रहेगी। कुटुम्ब- परिवार व मान-सम्मान के लिये खर्च करने में आप बिल्कुल हिचकिचायेंगे नहीं। दो नम्बर के कार्यों से या ससुराल पक्ष से धन-लाभ की प्राप्ति हो सकती है। आपके रहने का मकान बदलना पड़ सकता है। पैतृक सम्पत्ति के मामले विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

विद्यार्थी–विद्यार्थियों के लिये यह वर्ष खींचतान जैसा रहेगा। छात्रों का मन पढ़ाई में नहीं लगेगा। कैरियर को लेकर राह भटक सकती है। परिश्रम का परिणाम मिलना चाहिये वह नहीं मिलेगा। सीए व बी.कॉम वाले विद्यार्थियों के लिये समय अच्छा साबित होगा।

यात्रा – इस वर्ष लम्बी दूरी की कम तथा नजदीकी यात्रा होती रहेगी।

उपाय – इस वर्ष ग्रहस्थिति को अनुकूल बनाने हेतु उपाय करें- 1. सवा पांच रत्ती का पुखराज या सुनैला गुरु यंत्र में जड़वाकर अभिमंत्रित करके गले में धारण करें। 2. गुरुवार के दिन बेसन का (पीला) भोजन व सवा सात किलो चने की दाल का दान करें। 3. गुरुवार का व्रत करें व केसर चन्दन का तिलक लगावें। 4. विष्णु सहस्त्र का पाठ करें।

विस्तृत जानकारी हेतु वर्ष 2017 का

सुदर्शन राशिफल

(बारह राशियों का अलग-अलग व बारह राशि एक साथ)

लेखिका - अरुणा कंसारा (ज्योतिष रत्न)

प्राप्ति स्थल- सुदर्शन ज्योतिष कार्यालय, जोधपुर (राज.)

E-mail : aruna.kansara@gmail.com, मो. नं. 098282-29675, 092520-02354

अज्ञानान्धविनाशाय नमोऽमिततुलं महत् ।।



ज्योतिष्मती कालदर्पण पंचाङ्ग

आद्य सम्पादक - स्व. श्री हरदेव शर्मा त्रिवेदी-ज्योतिषाचार्य

सोलन
हिमाचल प्रदेश 173212

"विश्वविजय पंचाङ्ग" सम्पादक विदुषां मुदे



राष्ट्रीय शाके १९३९	विक्रम संवत् २०७४
श्री साधारण नाम संवत्सरे क्रम-४५ बंगला सन् १४२४ फसली। बंगला मार्गशीर्ष मास, ता. १५ से पौष प्रा. तथा प्रविष्ठा गते तारीख १ प्रारंभ।	(मास :- मार्गशीर्ष सुदी १२/१३ से पौष सुदी १३ तक) ऋतुचर्या-हेमन्त ऋतु तारीख २१ से शिशिर ऋतु कालांश

दिसम्बर 2017

सम्पादक – Er. श्री सुधाकर शर्मा त्रिवेदी
सह सम्पादक – रोहिताश्व त्रिवेदी

रवि SUN	मु.१२ रोहिणी रा.१० पौष सुदी १३ प्रदोष, सन् 2017 समाप्त ३१ **31**	मु.१३ कृतिका/रोहिणी रा.१२ मार्गशीर्ष सुदी १५ द्वात्रिंशी(बत्तीसी) पूर्णिमा, श्रीदत्त जं., डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जं. ३ **3**	मु.२० पूर्वाफाल्गुनी रा.१९ पौष वदी ८ मानवाधिकार दिवस १० **10**	मु.२७ ज्येष्ठा रा.२६ पौष वदी १४ पितृकार्ये अमावस्या १७ **17**	मु.५ शतभिषा रा.३ पौष सुदी ६ २४ **24**
सोम MON	**अवकाश** 7 बारहवफात 9 द्वितीय शनिवार 25 क्रिसमिस डे 25 गुरु गोविन्द सिंह जयन्ती	मु.१४ मृगशिरा रा.१३ पौष वदी १ नौ सेना दिवस ४ **4**	मु.२१ उत्तराफाल्गुनी रा.२० पौष वदी ९ शुक्रास्त ११ **11**	मु.२८ मूल रा.२७ पौष वदी ३० सोमवती अमावस्या १८ **18**	मु.६ पूर्वाभाद्रपद रा.४ पौष सुदी ७ गुरु गोबिन्दसिंह जं.(तिथि), क्रिसमिस डे, बडा दिन, महात्मा ईसा जं. २५ **25**
मंगल TUE	**पुष्य नक्षत्र** ६ दिसम्बर, बुधे पुष्य ७ दिसम्बर, गुरु पुष्य	मु.१५ आर्द्रा रा.१४ पौष वदी २ शनि अस्त ५ **5**	मु.२२ हस्त रा.२१ पौष वदी १० श्री पार्श्वनाथ जं.,ईद-ए-मौलाद, बारहवफात १२ **12**	मु.२९ मूल रा.२८ पौष सुदी १ चन्द्रदर्शन १९ **19**	मु.७ उत्तराभाद्रपद रा.५ पौष सुदी ८ शाकंभरी यात्रा २६ **26**
बुध WED	**पंचक नक्षत्र वेला** २३ दिसम्बर से पंचक प्रारम्भ ०८:२८ से २७/२८ दिसम्बर को पंचक समाप्त २५:३६ तक	मु.१६ पुनर्वसु रा.१५ पौष वदी ३ चतुर्थी व्रत, अम्बेडकर दिवस ६ **6**	मु.२३ चित्रा रा.२२ पौष वदी ११ सफला एकादशी १३ **13**	मु.१ पूर्वाषाढ़ा रा.२९ पौष सुदी २ रवि-उल-आखिर मास प्रा. २० **20**	मु.८ रेवती रा.६ पौष सुदी ९ पंचक समाप्त २७ **27**
गुरु THU	**अमृतसिद्धि योग** ७, ३०, ३१ **सर्वार्थसिद्धि योग** १, ४, ५, ७, १०, ११, १५, १६, १७, १८, २२, २६, २८, ३०, ३१	मु.१७ पुष्य रा.१६ पौष वदी ४/५ झंडा दिवस, ७ **7**	मु.२४ स्वाति रा.२३ पौष वदी १२ सुरुप द्वादशी १४ **14**	मु.२ उत्तराषाढ़ा रा.३० पौष सुदी ३ उत्तरायण रवि प्रा. २१ **21**	मु.९ अश्विनी रा.७ पौष सुदी १० २८ **28**
शुक्र FRI	मु.११ अश्विनी रा.१० मार्गशीर्ष सुदी १२/१३ प्रदोष, अनंग त्रयोदशी व्रत, विश्व एड्स दिवस १ **1**	मु.१८ आश्लेषा रा.१७ पौष वदी ६ ८ **8**	मु.२५ विशाखा रा.२४ पौष वदी १३ प्रदोष, धनु संक्रांति १५ **15**	मु.३ श्रवण रा.१ पौष सुदी ४ भा.पौष प्रा., शिशिर ऋतु प्रा. २२ **22**	मु.१० भरणी रा.८ पौष सुदी ११ पुत्रदा एकादशी, पू.षा. रवि २९ **29**
शनि SAT	मु.१२ भरणी रा.११ मार्गशीर्ष सुदी १४ पिशाच मोचन श्राद्ध, ईद-ए-मिलाद, ज्येष्ठा रवि २ **2**	मु.१९ मघा रा.१८ पौष वदी ७ ९ **9**	मु.२६ अनुराधा रा.२५ पौष वदी १४ मासिक शिवरात्रि, मलमास प्रा., मूले रवि १६ **16**	मु.४ धनिष्ठा रा.२ पौष सुदी ५ पंचक प्रा., किसान दिवस २३ **23**	मु.११ कृतिका रा.९ पौष सुदी १२ ग्यारहवीं शरीफ, फातिहा यज़्दहुम ३० **30**

राशि-रत्न-उपरत्न के लिए सम्पर्क करें - एस. पूरणमल कमलकिशोर ज्वैलर्स मो. 9829216124

9829253642

श्री गीता सार

- क्यों व्यर्थ चिन्ता करते हो ? किससे व्यर्थ डरते हो ? कौन तुम्हें मार सकता है ? आत्मा न पैदा होती है, न मरती हैं।
- जो हुआ वह अच्छा हुआ, जो हो रहा है वह अच्छा हो रहा है, जो होगा वह भी अच्छा ही होगा। तुम भूत का पश्चाताप न करो। भविष्य की मत चिन्ता करो। वर्तमान चल रहा हैं।
- तुम्हारा क्या गया, जो तुम रोते हो ? तुम क्या लाये थे, जो तुमने खो दिया ? तुमने क्या पैदा किया था, जो नष्ट हो गया ? न तुम कुछ लेकर आए, जो लिया यहीं से लिया। जो दिया, यहीं पर दिया। जो लिया, इसी अस्तित्व से लिया। जो दिया, इसी को दिया। खाली हाथ आए, खाली हाथ चले।
- जो आज तुम्हारा है, कल किसी और का था, परसों किसी और का होगा। तुम अपना समझकर मग्न हो रहे हो। बस, यही प्रसन्नता तुम्हारे दुःखों का कारण है।
- परिवर्तन संसार का नियम है। जिसे तुम मृत्यु समझते हो, वहीं तो जीवन है। एक क्षण में तुम करोड़ों के स्वामी बन जाते हो, दूसरे ही क्षण में तुम दरिद्र हो जाते हो। मेरा-तेरा, छोटा-बड़ा, अपना-पराया, मन से मिटा दो, विचार से हटा दो, फिर सब तुम्हारा है, तुम सबके हो।
- अग्नि, जल, वायु, पृथ्वी, आकाश से बना है और इसी में मिल जायेगा। परन्तु आत्मा स्थिर है, फिर तुम क्या हो ?
- तुम अपने आपको भगवान को अर्पित करो। यही सबसे उत्तम सहारा है। जो इस सहारे को जानता है, वह भय, चिन्ता, शोक से सर्वदा मुक्त है। जो कुछ भी तू करता है, उसे भगवान को अर्पण करता चल। ऐसा करने से तू सदा जीवन-मुक्ति का आनन्द अनुभव करेगा।

दिन के चौघड़िये

समय	रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
6.00-7.30	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
7.30-9.00	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
9.00-10.30	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
10.30-12.00	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
12.00-1.30	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
1.30-3.00	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
3.00-4.30	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
4.30-6.00	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल

रात के चौघड़िये

समय	रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
6.00-7.30	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
7.30-9.00	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
9.00-10.30	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
10.30-12.00	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
12.00-1.30	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
1.30-3.00	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
3.00-4.30	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
4.30-6.00	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ

प्रत्येक दिवस में चौघड़िया जानने के लिए दिनमान के आठ भाग करें तथा एक मान के बराबर एक-एक चौघड़िया जाने, रात्री के चौघड़ियों के लिए रात्रीमान का आठ भाग करें।

राहु काल वेला एवं यमगण्डम्

वार	वेला	राहुकाल	वेला	यमगण्डम्
रविवार	सायं	04.30 से 06.00	दिवा	12.00 से 01.30
सोमवार	प्रातः	07.30 से 09.00	प्रातः	10.30 से 12.00
मंगलवार	दिवा	03.00 से 04.30	प्रातः	09.00 से 10.30
बुधवार	दिवा	12.00 से 01.30	प्रातः	07.30 से 09.00
गुरूवार	दिवा	01.30 से 03.00	प्रातः	06.00 से 07.30
शुक्रवार	प्रातः	10.30 से 12.00	दिवा	03.00 से 04.30
शनिवार	प्रातः	09.00 से 10.30	दिवा	01.30 से 03.00

राहू काल में सभी शुभ कार्य वर्जित है। राहू काल में किया गया काम सफल नहीं होता है, व उस काम के विपरित परिणाम आते है।

शुभ समय गुलिक काल

रविवार	दोपहर 03.00 से 04.30	गुरूवार	प्रातः 09.00 से 10.30
सोमवार	दोपहर 01.30 से 03.00	शुक्रवार	प्रातः 07.30 से 09.00
मंगलवार	दोपहर 12.00 से 01.30	शनिवार	प्रातः 06.00 से 07.30
बुधवार	प्रातः 10.30 से 12.00		

यात्रा हेतु दिशाशूल

सोम-पूर्व, मंगल-उत्तर, बुध-उत्तर, गुरु-दक्षिण, शुक्र- पश्चिम, शनि-पूर्व, रविवार-उत्तर दिशा में यात्रा वर्जित है। अगर यात्रा आवश्यक हो तो रविवार को पान खाकर, सोमवार को काच में मूंह देखकर, मंगलवार को धाणा खाकर, बुधवार को गुड़ खाकर, गुरूवार को दही खाकर, शुक्रवार को राई, और शनिवार को कालीमिर्च खाकर निकलें तो दिशाशूल से निवृत्ति होती है।